प्रातः नागपुरी

आपकी बात, निर्भीकता के साथ

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 166 रांची, शनिवार, 30 मई, 2026 (ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष 14, संवत 2083) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

संक्षिप्त

अब कोहरे से नहीं होंगी उड़ानों में देरी, देश का पहला स्काई कास्ट सिस्टम लॉन्च

नई दिल्ली। कोहरे के कारण उड़ानों में देरी में अब कमी आएगी। शुक्रवार को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन पर भारत के पहले स्काई कास्ट सिस्टम की शुरूआत की गई। इसके जरिए पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को रियल-टाइम मौसम संबंधी जानकारी मिलेगी, जिससे कोहरे, खराब दृश्यता और मौसम संबंधी अन्य समस्याओं के कारण होने वाली फ्लाइट देरी, डायवर्जन और कैंसिलेशन में कमी आएगी। भारत अब ऐसा एडवांस इंटीग्रेटेड एविएशन वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने वाला दुनिया का 19वां देश बन गया है। इस मौके पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्काई कास्ट सिस्टम का उद्घाटन करते हुए इसे भारतीय विमानन क्षेत्र में एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि बताया। उन्होंने बताया कि दिल्ली के बाद अगला स्काई कास्ट सिस्टम जेवर एयरपोर्ट पर स्थापित किया जाएगा।

आंधी में भरभराकर गिरा निर्माणाधीन पुल छह मजदूरों की मौत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में देर रात आए तेज आंधी-तूफान के कारण बेतवा नदी पर बन रहे एक बड़े निमार्णाधीन पुल का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। ललपुरा क्षेत्र के मोराकांडर और परसनी (कुरारा इलाका) को आपस में जोड़ने के लिए बनाए जा रहे इस 900 मीटर लंबे पुल के ढहने से एक बड़ा हादसा हो गया है। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 6 मजदूरों की मलबे में दबकर मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य मजदूरों के अभी भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 2 से 3 बजे के बीच अचानक क्षेत्र में मौसम खराब हो गया और तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया। इसी दौरान निमार्णाधीन पुल की एक अत्यंत भारी-भरकम कंक्रीट स्लैब अचानक ढह गई। स्लैब के नीचे वहां काम कर रहे और विश्राम कर रहे मजदूर दब गए। हादसे की भयावहता को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मलबे से और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक 10 जून को, मोदी का होगा अभिनंदन

नई दिल्ली। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 साल पूरे होने पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक 10 जून को आयोजित की गयी है। अशोका होटल में आयोजित होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन किया जाएगा। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और उनके कार्यकाल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विशेष प्रस्ताव भी पारित किया जाएगा। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य मोदी सरकार की 12 साल की सफलताओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक देशव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार करना है। बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा सहित सरकार के कई मंत्री मौजूद रहेंगे। बैठक में मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, सुशासन, संगठनात्मक समन्वय और आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री ने की नगर विकास एवं आवास विभाग के कार्य प्रगति की समीक्षा

जलस्रोतों पर अतिक्रमण हटाने का आदेश, अवैध निर्माण होंगे ध्वस्त

नदी-तालाबों की जमीन खाली कराएगी सरकार, अतिक्रमणकारियों पर शिकंजा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को अधिकारियों की उपस्थिति में नगर विकास एवं आवास विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नगर विकास एवं आवास विभाग की योजनाओं का लाभ आमलोगों को समय पर मिले। नगर विकास एवं आवास विभाग का उदेश्य सड़क निर्माण, आधारभूत संरचनाओं एवं भवनों का निर्माण के साथ-साथ आम जनता के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। ऐसे में विकासात्मक योजनाओं के ससमय कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी परियोजना, नगर निगम अंतर्गत आधारभूत संरचना, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, पेयजल आपूर्ति, यातायात प्रबंधन और कूड़ा निस्तारण आदि नगरीय व्यवस्था को प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि रांची स्मार्ट सिटी परियोजना को गति देने हेतु भूमि अधिग्रहण कार्यों को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी विकास की सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ राजस्व संग्रहण के संसाधनों पर विशेष कार्य करें। मुख्यमंत्री ने शहरी नागरिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक में मंत्री नगर विकास एवं आवास विभाग सुदिव्य कुमार भी उपस्थित रहे।

कांके डैम संरक्षण के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाएं

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य के राजधानी रांची में अवस्थित कांके डैम के संरक्षण के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाते हुए कार्य योजना तैयार करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने डैम एरिया में सीधे गिरने वाले नालों को तत्काल बंद कराने, डैम के कैचमेंट एरिया की शीघ्र मापी कराकर, उसकी घेराबंदी कराने का निर्देश दिया, ताकि डैम का पानी स्वच्छ, सुरक्षित एवं संरक्षित बना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आसपास के लोगों को भी जागरूक करते हुए , यह सुनिश्चित कराया जाए कि वे घरों से निकलने वाले गंदे पानी को डैम में नहीं जाने दें।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि शहरों से गुजरने वाली सभी नदियों, तालाबों, डैमों, नालियों अथवा अन्य जलस्रोतों पर बनी अवैध संरचनाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों को तत्काल बंद कराएं एवं पूर्व से बनीं अवैध संरचनाओं से अतिक्रमण मुक्त कराएं। अतिक्रमण कर जो घर बनाएं गएं हैं, उनका तत्काल गहन सर्वे कराएं। उन्होंने सभी शहरी निकायों में अवस्थित नदी अथवा अन्य जलस्रोतों में हुए अवैध निर्माण को चिन्हित करते हुए लिखित नोटिस करने, अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने एवं अतिक्रमण कर निर्मित अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करने की कार्रवाई युद्ध स्तर पर कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी किनारे और अन्य जलस्रोतों पर अतिक्रमण कर घर बनाना पर्यावरण और जल निकासी के लिए गंभीर खतरा है। इस तरह के कार्य क्षमा योग्य नहीं है, ऐसे कार्य करने वाले लोगों पर कड़ी कानूनी-कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से भी अपील किया है कि अवैध अतिक्रमण कर संरचना तैयार नहीं करें।

राज्यसभा चुनाव : महागठबंधन दोनों सीटों पर उतारेगा प्रत्याशी

कांग्रेस ने एक सीट पर ठोका दावा, एक-दो दिन में हो सकता है फैसला

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस सिलसिले में शुक्रवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। करीब तीन घंटे तक चली बैठक में चुनावी रणनीति और संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई।

सूत्रों के अनुसार बैठक में यह सहमति बनी है कि महागठबंधन राज्यसभा की दोनों सीटों पर संयुक्त रूप से अपने उम्मीदवार उतारेगा। हालांकि उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम निर्णय अभी नहीं हुआ है। कांग्रेस ने एक सीट पर अपने प्रत्याशी के लिए दावा पेश किया है।

बैठक के बाद झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि गठबंधन का लक्ष्य दोनों सीटों पर जीत सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में भाजपा उम्मीदवार को जीतने नहीं दिया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस दोनों सीटों पर जीत दर्ज करने के लिए संयुक्त रणनीति पर काम कर रहे हैं। विपक्ष की संभावित राजनीतिक चालों को देखते हुए भी गठबंधन सतर्क है और सभी संभावित परिस्थितियों पर नजर रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री से मिले के. राजू और विक्रमार्क

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को मल्लू भट्टी विक्रमार्क, कांग्रेस प्रभारी के. राजू तथा केशव महतो कमलेश ने मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक बैठक में राज्यसभा चुनाव समेत विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। हालांकि मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से इसे शिष्टाचार भेंट बताया गया है। माना जा रहा है कि अगले एक-दो दिनों में गठबंधन की ओर से उम्मीदवारों के नामों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

घुसपैठ के मामलों में कानून सर्वोपरि : भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुड़े मामलों का निपटारा कानून के अनुसार किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में कहा कि भारत ने 2680 व्यक्तियों की नागरिकता सत्यापन के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों को सूची भेजी है। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कई मामले पिछले पांच वर्षों से लंबित हैं और भारत को उम्मीद है कि बांग्लादेश इस दिशा में तेजी से कार्रवाई करेगा। प्रवक्ता ने बताया कि दोनों देशों के बीच अवैध रूप से रह रहे नागरिकों को वापस भेजने की व्यवस्था पहले से मौजूद है।

भारत-चीन के बीच सीमा प्रबंधन पर चर्चा

विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और चीन के अधिकारियों के बीच सीमा मामलों पर विचार एवं समन्वय तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 35वीं बैठक 27 मई को बीजिंग में आयोजित हुई। बैठक में भारत की ओर से संबंधित संयुक्त सचिव ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान सीमा प्रबंधन, परिसीमन, सीमा सहयोग और विश्वास निर्माण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही दोनों देशों के बीच बहने वाली नदियों से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ स्तर की वार्ता जल्द आयोजित करने पर सहमति बनी।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर किताब में सैनिकों के अनुभव संजोए गए

पाकिस्तान से अब तक लड़े गए अन्य सभी युद्धों से अलग था 'ऑपरेशन सिंदूर' : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक पुस्तक जारी की, जिसमें सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को संजोया गया है। पुस्तक में बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर एक अभूतपूर्व सफलता थी, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर ही युद्ध विराम के लिए विवश कर दिया। यह पुस्तक ऐतिहासिक विवरण से परे जाकर वीर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को समेटती है। साथ ही आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की वह झलक भी मिलती है, जहां नेतृत्व, साहस, दबाव में निर्णय लेने की क्षमता और प्रतिबद्धता रणनीति को सफलता में बदल देती है। राजनाथ सिंह ने पुस्तक जारी करते हुए कहा कि यह प्रकाशन आधुनिक युद्ध के उस मानवीय पहलू को दशार्ता है, जो रणनीति को सफलता में बदल देता है। यह पुस्तक उन लोगों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस ऑपरेशन के दौरान बलिदान दिया। साथ ही उन्होंने इसे सैनिकों की निष्ठा और अदम्य साहस से जुड़ने का एक माध्यम भी बताया।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर इस पुस्तक में उन 100 अधिकारियों, नाविकों, वायुसैनिकों और अन्य सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को संकलित किया गया है, जिन्होंने इस ऑपरेशन में हिस्सा लिया था। राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक अभूतपूर्व सफलता बताया, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर ही युद्ध विराम के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान से अब तक लड़े गए अन्य सभी युद्धों से अलग था। यह किताब जान-बूझकर आधिकारिक सैन्य इतिहास-लेखन की परंपराओं से हटकर लिखी गई है। यह किताब जवानों के असली अनुभव को फिर से सामने लाने की एक कोशिश है। पुस्तक में तीनों सेनाओं के साथ-साथ मुख्यालय और इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के अनुभवों को भी शामिल किया गया है।

लातेहार में एक करोड़ से अधिक कीमत की अवैध शराब बरामद

प्रातः नागपुरी संवाददाता

लातेहार। लातेहार पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तस्करों के एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश किया है। जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में चलाए गए विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने भूसे की बोरियों के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही एक करोड़ से अधिक कीमत की अवैध शराब बरामद की। कार्रवाई में पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि गिरोह का सरगना अब भी फरार है।

शुक्रवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि रांची की ओर से एक ट्रक में भारी मात्रा में शराब लातेहार होकर बिहार ले जाई जा रही है। ट्रक के साथ दो छोटी गाड़ियां भी सुरक्षा के लिए चल रही थीं। सूचना मिलते ही एसपी के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर चंदवा थाना क्षेत्र के सासंग मोड़ पर वाहन जांच शुरू की गई। जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक और उसके पीछे चल रही दो गाड़ियों को रोका गया। ट्रक में ऊपर से भूसे की बोरियां लदी थीं। पुलिस को शक होने पर जब बोरियां हटाई गईं तो अंदर शराब की पेटियां देखकर जवान भी दंग रह गए।

जहरीली शराब से 15 की मौत, आठ आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ इलाकों में जहरीली शराब पीने से करीब 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। इस भयावह घटना के बाद राज्य और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले पर संज्ञान लेकर 8 संदिग्ध आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि कर बताया है कि पूरे अवैध शराब के इकोसिस्टम का पता लग गया है, जिस पर आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यह चौंकाने वाली घटना पुणे के काले पड़ल, हडपसर और पिंपरी-चिंचवाड़ के दापोडी, फुगेवाड़ी जैसे इलाकों से सामने आई है, जहां लोगों ने अवैध रूप से निर्मित जहरीली शराब का सेवन किया।

जानकारी के अनुसार, जहरीली शराब का सेवन करने वाले लोगों की हालत अचानक बिगड़ी, उनके मुंह से झाग निकलने लगा और इलाज मिलने से पहले ही कई लोगों ने दम तोड़ दिया।

पिंपरी-चिंचवाड़ के दापोडी और फुगेवाड़ी में आठ, जबकि पुणे के काले पड़ल में तीन और हडपसर में दो लोगों की मौत हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस अवैध और स्पिरिट-युक्त शराब को योगेश वानखेड़े नामक व्यक्ति ने तैयार किया था, इस जहरीली शराब को पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ के विभिन्न इलाकों में बेचा गया था। वानखेड़े कथित तौर पर अवैध शराब कारोबार से जुड़ा है और उसके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी योगेश वानखेड़े का गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मामले में अभी तक 8 संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और पूरे अवैध शराब के इकोसिस्टम का पता लग गया है, इसके बाद इस पूरे इकोसिस्टम की कमर तोड़ दी जाएगी। पिंपरी चिंचवाड़ पुलिस के डीसीपी संदीप अटोले ने पुष्टि की है कि सात लोगों की मौत हुई है और तीन घायल अस्पताल में उपचाराधीन हैं, जबकि आठ आरोपियों से पूछताछ जारी है।

मानसून सात दिन बाद केरलम पहुंचेगा इस बार सामान्य से कम बारिश का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में मानसून की एंट्री लेट हो गई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि श्रीलंका के ऊपर कम दबाव वाली तूफानी हवाओं के चलते केरलम तट से 30-35 किमी दूर 5 दिन से अटका है और अगले 2-3 दिन इसके आगे बढ? के आसार नहीं हैं। केरलम के तट पर मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून मानी जाती है। इससे पहले मौसम विभाग ने 26 मई तक ही मानसून आने का अनुमान जताया था। इस तरह पिछले अनुमान से मानसून करीब 10 दिन बाद देश में एंट्री करेगा। मौसम विभाग के मुताबिक जून-जुलाई में भी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, गुजरात और आंध्र प्रदेश में हीटवेव चलने की संभावना है। आमतौर पर उस वक्त तापमान 30-35 डिग्री तक रहता है। इस बार 3 डिग्री ज्यादा टेंपरेचर रहेगा। मौसम विभाग ने बताया कि इस साल देश में औसतन 78 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान है। जो सामान्य से करीब 10 प्रतिशत कम है। 13 अप्रैल को 80 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान लगाया गया था। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर देश में औसत बारिश 87 सेंटीमीटर मानी जाती है।

अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र हो जाएगा सुरक्षित : अमित शाह

बीएसएफ के 60वें वर्ष पर अमित शाह का विजन, बनेगा 'चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड'

एजेंसी

भुज। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में कहा कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है और अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों की बुरी नजर से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा ढांचे और बीएसएफ जवानों के पराक्रम के बल पर भारत की सीमाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। कच्छ के भुज क्षेत्र में आज सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि सरक्रीक और भुज क्षेत्र में बीएसएफ के जवान चट्टान की तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं। उनके साहस, समर्पण और सतर्कता के कारण इस क्षेत्र के लोग सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी है। आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में वॉच टावरों का निर्माण किया गया है और कई बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) को ग्राउंड लेवल से ऊपर उठाकर अधिक सुरक्षित बनाया गया है। इन प्रयासों से जवानों की कार्यक्षमता बढ़ी है और निगरानी व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ अपनी स्थापना के 60वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा की अवधारणा को नए सिरे से विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

नशीले कफ सिरप फैक्टरी का किया भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गांधीनगर क्षेत्र में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने किराए के मकान में संचालित नशीले कफ सिरप फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। मामले में तीन नाबालिगों सहित कुल 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में कफ सिरप, पैकेजिंग सामग्री और मशीनें जब्त की गईं। जब्त माल की कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। मप्र एसटीएफ के उप पुलिस महानिरीक्षक राहुल लोढ़ा ने शुक्रवार शाम को पत्रकार वार्ता में बताया कि गांधीनगर स्थित डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी के एक मकान में पिछले कई महीनों से अवैध रूप से नशीले कफ सिरप की पैकिंग और सप्लाई की जा रही थी।

एनआईए का पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी नेटवर्क पर प्रहार, 12 ठिकानों पर सघन छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े एक बड़े आतंकी नेटवर्क के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत चार राज्यों में स्थित 12 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई, जिससे सीमा पार से संचालित होने वाली भारत विरोधी गतिविधियों को करारा झटका लगा है। यह छापेमारी पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव जसवीर चौधरी और उसके भारतीय सहयोगियों से जुड़े आतंकी मॉड्यूल को निशाना बनाकर की गई है। जांच एजेंसियों को अंदेशा है कि यह नेटवर्क भारत में हथियार, गोला-बारूद और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा था। एनआईए के बड़े तलाशी अभियान में उत्तर प्रदेश में पांच, राजस्थान में दो, बिहार में दो और महाराष्ट्र में तीन स्थानों पर एक साथ टीमें पहुंचीं।

चान्हो में कांग्रेस की बैठक संपन्न, मतदाता पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाने पर जोर

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चान्हो। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के निर्देश पर मंगलवार को चान्हों प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मो. इस्तेयाक ने की। बैठक में पंचायत अध्यक्ष, बूथ स्तरीय अभिकर्ता एवं प्रखंड कमेटी के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए मो. इस्तेयाक ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पार्टी कार्यकताओं को पूर्व में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्तमान में झारखंड में मतदाता सूची से संबंधित मानचित्रण कार्य चल रहा है तथा जिन लोगों का अब तक सत्यापन नहीं हो पाया है, उनकी सूची संबंधित बूथों पर चस्पा कर दी गई है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि वे संबंधित बूथ स्तरीय अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर छूटे हुए लोगों का सत्यापन सुनिश्चित कराएं। साथ ही कहा कि यदि किसी बूथ पर कार्य में लापरवाही बरती जा रही हो तो इसकी सूचना प्रखंड स्तर पर दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई कराई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, उनकी सहायता कर सत्यापन प्रक्रिया पूरी कराने में सहयोग किया जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सूची से वंचित न रहे। बैठक में मंगलेश्वर उरांव, अजीत सिंह, मारवाड़ी उरांव, इरशाद खान, अब्दुल्लाह अंसारी, प्रियंका उरांव, दिनेश राम, लतीफ अंसारी समेत कई पंचायत अध्यक्ष एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

चान्हो में खड़े वाहनों से डीजल चोरी, पुलिस गश्ती पर उठे सवाल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चान्हो। बीती मध्य रात्रि रांची-डालटेनगंज मुख्य मार्ग पर चान्हो पेट्रोल पंप के समीप सड़क किनारे खड़े दो जेसीबी एवं एक 12 चक्का ट्रक से अज्ञात चोरों द्वारा डीजल चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद वाहन मालिकों एवं स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। जानकारी के अनुसार सभी वाहन सड़क किनारे खड़े थे। देर रात अज्ञात चोरों ने मौका पाकर वाहनों के टैंक से डीजल निकाल लिया। सुबह जब वाहन चालकों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने घटना की सूचना आसपास के लोगों को दी। बताया जा रहा है कि चोरी की इस घटना से वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। सड़क किनारे खड़े वाहनों से लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग होने के कारण रातभर थाना पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी एवं हाईवे पेट्रोलिंग वाहन गश्त करते रहते हैं, बावजूद इसके चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर मुख्य मार्ग पर खड़े भारी वाहनों की सुरक्षा नहीं हो पा रही है, तो आम लोगों की सुरक्षा व्यवस्था का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। लोगों ने रात्रि गश्ती को और प्रभावी बनाने तथा चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जल्द मामले की जांच कर चोरों की पहचान करने एवं क्षेत्र में नियमित निगरानी बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

संक्षिप्त

क्षेत्रिय लोक कलाकार व आजसू बुद्धीजीवी मंच के सदस्य भगीरथ कोइरी का निधन

सिल्ली। सिल्ली निचे टोला निवासी क्षेत्रिय लोक कलाकार व आजसू पार्टी बुद्धिजीवी मंच एवं कवि बिनंद सिंह देव सेवा संस्थान सिल्ली के सक्रिय सदस्य भगीरथ कोइरी (75) का गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया। जिससे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।शाम को मुरी स्वर्ण रेखा नदी के मुक्तिधाम घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े पुत्र जगदीश प्रसाद ने मुखाग्नि दी। दिवंगत भगीरथ कोइरी राजनीतिक समाजिक एवं धार्मिक कार्यों में सदा सक्रिय रहते थे। वे इलाके के जाने-माने लोक कलाकार थे। वे एक प्रतिभाशाली लोक गीत गायक, ढोल बादक, छऊ नृत्य एवं नाट्य मंच कलाकार थे। वे दुरदर्शन एवं आकाशवाणी में भी अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं। बुद्धिजीवी मंच के धीरेंद्र नाथ महतो ने जहां उनकी मृत्यु को पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। वहीं कवि बिनोद सिंह देव सेवा संस्थान के संरक्षक राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव ने उनकी मृत्यु को कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति कहा। उनके निधन पर पुर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, गूंज के संयोजक जयपाल सिंह, मानभुम छऊ नृत्य कला केंद्र के प्रशिक्षक सुनिल सिंह, पुर्व जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहु, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेन्द्र नाथ बड़ाइक, संजय सिद्धार्थ, बुद्धिजीवी मंच के नरोत्तम गोरांई, आजसू के नगर अध्यक्ष भरत देव साय आदि ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया है।

बाजार में पहुंचा जामुन बिक रहा दो सौ रुपये किलो

सिल्ली। सिल्ली आसपास क्षेत्रों में इन दिनों जामुन दिखना शुरू हो गया है। हालांकि जामुन का भाव अभी 200 रुपये प्रति किलो है, बावजूद इसके लोग खरीद रहे हैं।जामुन जहां खाने में स्वादिष्ट होता हैं, वहीं इसमें मौजूद कई औषधीय गुण इसे और खास बना देते हैं। फिलहाल जामुन की आवक कम है, जिसके चलते इसके दाम भी आसमान छू रहे हैं। सिल्ली पतराहातु सड़क पर हजाम गांव के समीप जामुन बेच रहे किसानों का कहना है कि चूंकि अभी बरसात का मौसम शुरू नहीं हुआ है, इसलिए अभी जामुन की आवक ने भी तेजी नहीं पकड़ी है। जामुन की यह शुरूआती खेप है। इसलिए इसलिए महगे हैं। किसानों ने बताया कि फिलहाल उनके पास आम ग्राहक कम ही आ रहे हैं। वहीं किसानों ने बताया कि अभी जामुन पटना मंडी में भेजा जा रहा है। बाद में जामुन की आवक बढ़ने पर व्यापारियों के माध्यम से दिल्ली मंडी में भी भेजे जाते हैं। जहां लोग दाम की परवाह न करते हुए जामुन खरीद लेते हैं।

रामगढ़ में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं अभियान जारी रहेगा, सड़क हादसे में मददगार लोगों को किया जाएगा सम्मानित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिला समाहरणालय सभाकक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता एवं मुकेश कुमार लुणायत की उपस्थिति में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की गई और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान विशेष रूप से चुट्टूपालू घाटी में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के उपायों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने घाटी क्षेत्र में लगाई गई लाइटों की नियमित कार्य स्थिति की जानकारी ली और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अतिरिक्त संकेतक बोर्ड लगाने और वाहनों की गति नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा की। इसके साथ ही अत्यधिक गति पर रोक लगाने, ऊंचे प्रकाश स्तंभ लगाने, सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त रखने, सघन वाहन जांच अभियान चलाने, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश एक्का को सड़क दुर्घटनाओं एवं अवैध परिवहन पर रोक लगाने को लेकर जिले के विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए चालान काटने का आदेश दिया गया। जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं अभियान को लगातार जारी रखने पर भी जोर दिया गया।

उपायुक्त ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले मददगार लोगों को प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसका उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है ताकि दुर्घटना के बाद शुरूआती महत्वपूर्ण समय में घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई जा सके। इसके अलावा हिट एंड रन दुर्घटनाओं से संबंधित मुआवजा योजना की समीक्षा करते हुए लाभ प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मोटर यान निरीक्षक मोनू मृणाल, बिपुल उरांव, यातायात प्रभारी गंजेंद्र पांडेय, सड़क सुरक्षा आईटी सहायक विकास कुमार सहित जिला स्तरीय कई वरीय पदाधिकारी एवं संबंधित सदस्य उपस्थित रहे।

खलारी में 2 जून को विशेष कर पंजीकरण शिविर, बिना पंजीकरण वाले व्यापारियों का मौके पर होगा निबंधन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खलारी। वाणिज्य कर विभाग, झारखंड सरकार की ओर से क्षेत्र के व्यापारियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। आगामी 2 जून, मंगलवार को खलारी एवं आसपास के क्षेत्रों के बिना पंजीकरण वाले व्यापारियों के लिए विशेष वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा झारखंड पेशेवर कर (जेपीटी) निबंधन शिविर आयोजित किया जाएगा। विभाग द्वारा जारी आधिकारिक पत्र (पत्रांक-183) के अनुसार, यह शिविर प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय परिसर, खलारी में लगाया जाएगा। शिविर के सफल आयोजन के लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं अंचलाधिकारी (सीओ) से उपयुक्त स्थान एवं हॉल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य छोटे एवं मध्यम वर्ग के उन व्यापारियों को कर व्यवस्था से जोड़ना है, जो अब तक पंजीकरण नहीं करा सके हैं। शिविर में विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में व्यापारियों का तत्काल निबंधन किया जाएगा।

उपायुक्त ने की जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। शुक्रवार को उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत की उपस्थिति में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया बैठक के दौरान जिला खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक के द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध किए जा रहे कार्यों की उपायुक्त सहित अन्य को पीपीटी के माध्यम से विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।उपायुक्त ने विगत कुछ समय में अवैध खनन पर रोक लगाने हेतु किए गए कार्यों की जानकारी ली एवं और भी प्रभावी तरीके से अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया।उपायुक्त के द्वारा खनन टास्क फोर्स की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी ली गई। उपायुक्त के द्वारा अवैध मुहानों को बंद करने के तहत किए गए कार्यों की जानकारी लेने के क्रम में उपायुक्त ने कहीं से भी अवैध मुहानों से खनन होने संबंधित सूचना प्राप्त होने पर त्वरित रूप से कार्रवाई करते हुए उसे अच्छी तरह बंद कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। खनन टास्क फोर्स की बैठक के दौरान उपायुक्त ने खनिजों के परिवहन से संबंधित सभी वाहनों में जीपीएस लगाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

सिल्ली में सड़क संकेतक गेट का हिस्सा गिरा, बड़ा हादसा टला

जर्जर संरचना को लेकर लोगों ने जताई चिंता

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली के झारखंड मोड़ पर शुक्रवार सुबह तेज हवा के कारण सड़क निर्माण विभाग द्वारा लगाया गया शहरों की दूरी बताने वाले संकेतक गेट का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। घटना के समय वहां लोगों और वाहनों की आवाजाही थी, लेकिन सौभाग्यवश कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए दुर्घटनास्थल के आसपास बैरिकेडिंग कर दी, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी न हो सके। स्थानीय लोगों के अनुसार यह गेट लंबे समय से जर्जर अवस्था में है। गेट के लोहे में जंग लग चुकी है और घटिया निर्माण के कारण इसकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। लोगों का कहना है कि इससे पहले भी कई बार गेट के लोहे के हिस्से टूटकर नीचे गिर चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इसकी जानकारी कई बार संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन को दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते गेट की मरम्मत या उसे हटाने की व्यवस्था नहीं की गई, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जर्जर संकेतक गेट की तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि जनहानि की आशंका को टाला जा सके।

मौसम का बदला मिजाज, गर्मी से मिली राहत

सिल्ली। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी व उमस से लोगों को उस वक्त राहत मिली जब शुक्रवार को दिन के 9 बजे के बाद मौसम का मिजाजअचानक बदल गया। दिन के 10 बजे तेज हवा के साथ रिमझिम बारिश हुई और लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। कई लोग अपने घरों से बाहर निकलकर मौसम के बदले मिजाज का पूरा-पूरा लुफ्त उठाया। जल्द ही तेज हवा चलने लगी और देखते ही देखते बारिश शुरू हो गई जो करीब एक घंटे तक जारी रही। बारिश की वजह से इलाके में कई जगहों पर जलजमाव हो गया एवं बिजली भी बाधित रही। इसकी वजह से लोगों को थोड़ी परेशानी उठानी पड़ी। दोपहर 2 बजे के बाद बिजली बहाल कर दी गई।

खलारी में तेज आंधी-तूफान का कहर, कई घरों की छतें उड़ीं, लाखों का नुकसान

खलारी। शुक्रवार सुबह अचानक बदले मौसम ने खलारी कोयलांचल क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी। तेज आंधी, तूफान और बारिश के कारण कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए, जबकि कई घरों की एस्बेस्टस सीटें हवा में उड़ गईं। इससे लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। बुकबुका पंचायत के महावीरनगर में आरती देवी के मकान की एस्बेस्टस सीट तेज हवा में उड़ गई। इसी मकान में संचालित श्रृंगार स्टोर भी तूफान की चपेट में आ गया। दुकान संचालक पूनम देवी ने बताया कि दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान मलबे के नीचे दब गया, जिससे भारी नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार सुबह करीब साढ़े सात बजे अचानक आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में दिन में अंधेरे जैसा माहौल बन गया। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ गिर गए और मकानों की छतें क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद प्रभावित परिवारों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, तेज बारिश और ठंडी हवाओं से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत भी मिली। बीते कई दिनों से क्षेत्र में भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान थे। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। स्थानीय लोगों ने इसे राहत भरी बारिश बताया, वहीं किसानों ने भी इसे फसलों के लिए लाभदायक माना। इधर, अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रणव कुमार अम्बष्ट ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोग फोटो सहित आवेदन अंचल कार्यालय में जमा करें। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आपदा क्षतिपूर्ति के तहत सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इटकी में ठनका गिरने से छात्रा की मौत, तीन झुलसे

इटकी। प्रखण्ड के कुल्ली गांव स्थित बुचा पतरा के निकट ठनका के चपेट में आकर आश्रिती उरांव (12) की मौत हो गयी है जबकि तीन लोग झुलस कर घायल हो गये है। घटना शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे की है। घायलों में मृतिका के पिता राहूल उरांव, माता सुषमा उरांव और संग्राम लकड़ा शामिल है। ग्रामीणों की मदद से आश्रिती उरांव घायलों को बेड़ो अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने आश्रिति को मृत घोषित कर दिया जबकि घायल पिता राहूल उरांव और माता सुषमा उरांव को प्राथमिक उपचार कर रिम्स रेफर कर दिया है। हल्की चोटिल होने के कारण संग्राम लकड़ा को इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। मृतिका आश्रिती उरांव रानखंटगा गांव की निवासी है। वह कुल्ली संतथोमस स्कूल वर्ग तीन की छात्रा थी। घटना की सूचना पा कर पुलिस बेड़ो अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में कर पोस्ट मार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार आश्रिती उरांव अपने मां के ननिहाल माता पिता के साथ कुल्ली गांव मेहमानी गई हुई थी। शुक्रवार की सुबह अपने माता सुषमा उरांव पिता राहूल उरांव और संबंधी संग्राम लकड़ा के साथ कुल्ली बुचा पतरा के निकट आम तोड़ने पहुंची थी। इसी दौरान तेज हवा और गरज के साथ वारिश होने लगी और अचानक कड़क के साथ वज्रपात हो गयी जिसके चपेट में चारो आ गये जिससे आश्रिती उरांव की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वही उसके माता पिता और संबंधी घायल हो गये। आश्रिती की मौत सूचना मिलते ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

पिठोरिया मंडा पूजा : दहकते अंगारों पर नंगे पैर चले शिवभक्त

भोक्ताओं ने बरसाए आस्था के फूल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

पिठोरिया। पिठोरिया स्थित महादेव मंडा पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित शिव मंडा पूजा श्रद्धा, आस्था और परंपरा के माहौल में संपन्न हुई। इस धार्मिक आयोजन में 251 भोक्ताओं एवं 301 सोक्ताओं ने कठिन व्रत रखकर भगवान भोलेनाथ की आराधना की। लोटन के उपरांत फुल कुंडी कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें दहकते अंगारों पर नंगे पैर चलकर भोक्ताओं ने अपनी अटूट श्रद्धा और शिवभक्ति का परिचय दिया। पूरे आयोजन के दौरान हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मंडा पूजा की इस अनूठी परंपरा को श्रद्धा के साथ देखा और पूजा-अर्चना की। रात्रि में बंगाल के पुरुलिया (झालदा) से आए कलाकारों ने आकर्षक छऊ नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शुक्रवार को आयोजित झूलन कार्यक्रम मंडा पूजा का मुख्य आकर्षण रहा। पारंपरिक महिला वेशभूषा में सजे-धजे भोक्ताओं ने ऊंचे लठ के सहारे झूलते हुए श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए। मान्यता है कि इन फूलों को अपने आंचल में लेने से सुख-समृद्धि और खुशहाली प्राप्त होती है। श्रद्धालुओं में इन फूलों को लेने की होड़ देखी गई। वहीं नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर देर रात तक लोगों को झुमाया। मंडा पूजा झारखंड की प्राचीन लोक-आस्थाओं और शिव उपासना का महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। इतिहासकारों और पिठोरिया पंचायत समिति सदस्य श्रवण गोप ने बतलाया इसकी शुरूआत नागवंशी राजाओं के शासनकाल में हुई थी। नागवंशी शासक भगवान शिव के परम उपासक माने जाते थे। उन्होंने ग्रामीण समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षण देने का कार्य किया।

माना जाता है कि मंडा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या और लोक-संस्कृति का प्रतीक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह पूजा माता सती के आत्मबलिदान की स्मृति में की जाती है। भक्त अग्नि-परीक्षा जैसे कठिन अनुष्ठानों के माध्यम से अपनी श्रद्धा और आत्मसंयम का प्रदर्शन करते हैं। झारखंड की लोक संस्कृति में मंडा पूजा आदिवासी और सदानी परंपराओं के समन्वय का भी प्रतीक है। इसमें लोकनृत्य, पारंपरिक वाद्ययंत्र, सामूहिक उपवास और शिव आराधना के माध्यम से सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संदेश मिलता है। मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी देवेंद्र प्रकाश, समाजसेवी सह वरीय भाजपा नेता प्रदेश संयोजक, कार्यक्रम और बैठक विभाग, झारखंड प्रदेश समिति के सदस्यों ने निभाई अहम भूमिका पूजा आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अध्यक्ष : जितेंद्र कुमार साहू, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश नायक कोषाध्यक्ष : विकी अहीर सचिव : राम प्रसाद गोप महामंत्री : अरविंद कुमार साहू, उपाध्यक्ष : श्रवण गोप, राजेश महतो, रामधन साहू, बालचंद साहू, रविशंकर महतो, शशि साहू, नीरज साहू, सुदीप महतो, काली केसरी,दीपक कुमार महतो, जयदीप महतो, अमरेश कुमार नायक, अरुण गोप, विष्णु कुमार, दीपक गोप एवं संजय महतो। **मुख्य संरक्षक :** मधु साहू, शंकर साहू, बबलू महतो, रामलगन मुंडा एवं राजेश गोप। संरक्षक अनिल केसरी, गोविंद महतो, कृष्णा महतो,विश्वनाथ साहू, दीपक कुमार चौरसिया, अरुण कुमार केसरी, मुन्नी देवी, राजेश साहू, कृष्ण कुमार चौरसिया, ज्ञानी महतो, पुराण गोप चमरा नायक, राम शंकर साहू, सत्यदेव साहू, द्वारका लोहार एवं कैलाश महतो।

समिति के अध्यक्ष जितेंद्र साहू ने बताया कि मंडा पूजा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

रामगढ़ महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़ में झारखंड राज्य उच्चतर शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। रोल ऑफ सोशल मीडिया एंड ड्रग एब्यूज अवेयरनेस फॉर अ सेफर जेनरेशन विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में देशभर के शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत पौधारोपण, अतिथियों के सम्मान एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जबकि छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। मुख्य अतिथि के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के कुलपति प्रो. चंद्रभूषण शर्मा उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि नशे की बुराइयों को केवल सेमिनारों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि गांव और मोहल्लों तक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से समाज में नशा विरोधी संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ. बख्शी ओम प्रकाश सिन्हा ने विषय की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति परिवार, समाज और देश के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। वहीं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रत्ना पाण्डेय ने कहा कि सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग कर नशा मुक्त भारत अभियान को मजबूत किया जा सकता है। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में जी.जे. विश्वविद्यालय, मुरादाबाद के प्रो. पी.वी. तिवारी ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग और युवाओं पर इसके दुष्प्रभावों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग ज्ञान और जागरूकता के लिए होना चाहिए, लेकिन वर्तमान में इसका गलत उपयोग समाज को नुकसान पहुंचा रहा है।

रांची में साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, चार अपराधी गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची के गोंदा थाना पुलिस ने साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में जामताड़ा जिले के नारायणपुर निवासी काजल कुमार मंडल, रामगढ़ निवासी आनंद कुमार, बोकारो जिले के ललपनिया निवासी बिक्की और रामगढ़ के सौदागर मोहल्ला निवासी शाकिब अंसारी शामिल हैं।

पुलिस ने इनके पास से बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है, जिसमें विभिन्न बैंकों के नाम पर बने 50 पासबुक, 26 डेबिट कार्ड, 8 चेकबुक, 13 मोबाइल फोन और 3 आधार कार्ड शामिल हैं। रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि गोंदा थाना क्षेत्र के चांदनी चौक के पास स्थित रॉक व्यू अपार्टमेंट के एक फ्लैट में कुछ संदिग्ध लोग मौजूद हैं।

सूचना के सत्यापन के बाद सदर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई और गुप्त तरीके से छापेमारी की गई। इस दौरान फ्लैट से पांच संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे फर्जी दस्तावेजों के आधार पर साइबर ठगी करते थे। एसएसपी ने बताया कि तलाशी के दौरान कई फर्जी दस्तावेज और बैंकिंग उपकरण मिले। आरोपितों ने यह भी खुलासा किया कि फर्जी पहचान पत्रों के जरिए बैंक खाते खोले जाते थे और उनके माध्यम से साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम दिया जाता था।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि यह फ्लैट एक व्यक्ति निखिल भैया का है, जो कथित रूप से इन लोगों को यहां बुलाकर साइबर अपराध की ट्रेनिंग देता था। पुलिस के अनुसार, आरोपितों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई बैंक खाते खोलने और उनके जरिए ठगी करने की बात स्वीकार की है। इस मामले में गोंदा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फिलहाल पुलिस गिरोह के सरगना निखिल की तलाश में जुट गई है और यह भी जांच कर रही है कि इन खातों के जरिए कितने लोगों से साइबर ठगी की गई है।

विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर मारवाड़ी कॉलेज में पौधारोपण कार्यक्रम

पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त समाज का दिया संदेश

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रचार एवं प्रसार प्रमंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को मारवाड़ी कॉलेज परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान लोगों से पर्यावरण की रक्षा करने तथा प्लास्टिक के उपयोग से बचने की अपील की गई।

प्राचार्य ने कहा कि ह्लएक पौधा केवल वृक्ष नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव है ह्व उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आग्रह किया। विभाग की ओर से बताया गया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्कूल, कॉलेज, बाजार, हाट, मॉल एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

संक्षिप्त

रांची रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर युवती का शव बरामद, पुलिस जांच में जुटी

रांची। रांची रेलवे स्टेशन के समीप शुक्रवार को रेलवे ट्रैक पर एक युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह स्टेशन के पास से गुजर रहे लोगों ने रेलवे पटरी पर एक शव पड़ा देखा, जिसके बाद इसकी सूचना तत्काल स्टेशन प्रबंधन और पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र की छानबीन की। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवती ट्रेन की चपेट में आ गई होगी, हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है, जिसमें हत्या और आत्महत्या दोनों संभावनाओं को ध्यान में रखा गया है। पुलिस के अनुसार, मृतका की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है। तलाशी के दौरान उसके पास से कोई पहचान पत्र या अन्य सामान नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। पुलिस आसपास के लोगों और स्टेशन पर मौजूद यात्रियों से पूछताछ कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पहचान होने होने के बाद आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मेरी आवाज मेरी पहचान संस्था की सराहना की

रांची। डॉ. इरफान अंसारी ने मेरी आवाज मेरी पहचान संस्था के संस्थापक कुमार गेहलोत एवं सचिव कविता होरो के कार्यों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि झारखंड में कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए मंचों की कमी है। ऐसे में संस्था द्वारा शुरू की गई पहल सराहनीय है। छोटे-छोटे बच्चों को मंच प्रदान कर उन्हें इंडियन आइडल और सारेगामापा जैसे बड़े मंचों तक पहुंचाने का प्रयास संस्था की सकारात्मक सोच को दशार्ता है। स्वास्थ्य मंत्री ने संस्था को हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए वे हमेशा संस्था के साथ खड़े रहेंगे। संस्था के वरीय संरक्षक शिव किशोर शर्मा ने स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिए गए समय और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मंत्री का सहयोग झारखंड के कलाकारों को नई ऊर्जा और प्रोत्साहन देगा।

वैज्ञानिक तरीकों से मत्स्य उत्पादन मछुआरों की समृद्धि में सहायक : अमरेंद्र कुमार

झारखंड के जलाशयों में मत्स्य शिकार तकनीकों का सर्वेक्षण संपन्न

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के प्रमुख जलाशयों में मत्स्य शिकार की वर्तमान स्थिति, मछुआरों द्वारा उपयोग की जा रही पारंपरिक मछली पकड़ने की तकनीकों और भविष्य में उन्नत मत्स्य प्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावनाओं के आकलन के लिए 26 से 28 मई, 2026 तक क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वेक्षण डॉ.श्रवण कुमार शर्मा, वैज्ञानिक, (भाकृअनुप) केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई अनुसंधान केंद्र द्वारा किया गया। सर्वेक्षण के अंतर्गत गेतलसूद, तेनुघाट, कांके, हटिया, मैथन एवं पंचेत जलाशयों का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जलाशयों में उपलब्ध मत्स्य संसाधनों, मछली पकड़ने की वर्तमान पद्धतियों, उपयोग किए जा रहे मत्स्य जालों, नावों, मत्स्य शिकार की चुनौतियों और स्थानीय मछुआरों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का अध्ययन किया गया। विभिन्न स्थलों पर मछुआरों, मत्स्य सहकारी समितियों तथा स्थानीय हितधारकों से चर्चा कर जलाशय आधारित मत्स्यिकी की व्यावहारिक समस्याओं और संभावित तकनीकी समाधानों की जानकारी प्राप्त की गई।

सर्वेक्षण में यह पाया गया कि झारखंड के जलाशयों में मत्स्य उत्पादन की पर्याप्त संभावनाएं उपलब्ध हैं, परंतु उन्नत एवं वैज्ञानिक मत्स्य शिकार तकनीकों, उपयुक्त मत्स्य जालों, सुरक्षित एवं ऊर्जा दक्ष नावों और आधुनिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है। जलाशयों की भौगोलिक स्थिति, जल की गहराई और स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए क्षेत्र विशेष के अनुरूप मत्स्य शिकार तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता महसूस की गई। सर्वेक्षण के आधार पर झारखंड के मछुआरों के लिए उन्नत एवं आधुनिक मत्स्य प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करने की योजना बनाई जाएगी। प्रशिक्षण में वैज्ञानिक तरीके से मछली पकड़ने की तकनीक, बेहतर एवं चयनात्मक मत्स्य जालों का उपयोग, जलाशय मत्स्यिकी के लिए उपयुक्त नावों का संचालन, ऊर्जा दक्ष तथा पर्यावरण अनुकूल विद्युत एवं सौर ऊर्जा आधारित मछली पकड़ने वाली नावों की जानकारी, मछली पकड़ने के दौरान सुरक्षा उपाय तथा मत्स्य संसाधनों के सतत उपयोग पर विशेष बल दिया जाएगा। इस संबंध में मत्स्य निदेशक अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि झारखंड के जलाशयों में वैज्ञानिक तरीकों, उपयुक्त प्रशिक्षण और उन्नत मत्स्य उपकरणों के माध्यम से मत्स्य उत्पादन एवं मछुआरों की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है।

ट्रस्ट ने बच्चों के बीच किया शिक्षण सामग्री का वितरण

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बंका मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से हातमा मोरहाबादी स्थित टीम हेल्प की ओर से संचालित प्रगति केंद्र में शुक्रवार को बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर मौजूद ट्रस्ट के ट्रस्टी दीपक बंका और सदस्य अमित कुमार ने बच्चों को कॉपी, पेंसिल, रबड़, कटर सहित अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्रियों का वितरण किया। ट्रस्ट के सदस्यों ने बच्चों से बातचीत कर उन्हें नियमित पढ़ाई करने और शिक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर दीपक बंका ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को सहयोग देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बच्चों से अनुशासन के साथ पढ़ाई करने, नियमित विद्यालय जाने और शिक्षकों एवं अभिभावकों का सम्मान करने की अपील की। अमित कुमार ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों के बीच समय बिताकर उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित करना सुखद अनुभव है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की ओर से आगे भी इस प्रकार के सामाजिक और शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

बीआईटी मेसरा में पांच दिवसीय एसटीटीपी का समापन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बीआईटी, मेसरा के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम रिसर्च मेथडोलॉजी एंड एडवांस्ड टेक्नीक्स इन मल्टीवेरिएट एनालिसिस का समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन तीन विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में झारखंड राय विश्वविद्यालय की डॉ. हरमीत कौर ने फैक्टर एनालिसिस में प्रयुक्त विभिन्न शब्दावलियों एवं अवधारणाओं को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। उन्होंने वास्तविक डेटा सेट्स के माध्यम से प्रतिभागियों को एक्सप्लोरेटरी फैक्टर एनालिसिस की कार्यप्रणाली एवं उसके उपयोग को व्यावहारिक रूप से समझाया।

द्वितीय सत्र बीआईटी मेसरा की डॉ. टीना दत्ता द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को मल्टीवेरिएट डेटा विश्लेषण एवं शोध पत्रों में उसके प्रभावी प्रस्तुतीकरण की चरणबद्ध प्रक्रिया से अवगत कराया। तृतीय सत्र में बीआईटी मेसरा के डॉ. सोमनाथ मुखर्जी ने शोध में कॉन्सेप्चुअल फ्रेमवर्क तैयार करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विभिन्न केस स्टडी साझा करते हुए प्रतिभागियों को स्वयं कॉन्सेप्चुअल फ्रेमवर्क तैयार करने के लिए प्रेरित किया। विशेषज्ञ सत्रों के उपरांत वैलिडिक्टरी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बीआईटी मेसरा के प्रबंधन अध्ययन विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार झा; डीन ऑफ फैकल्टी अफेयर्स डॉ. अशोक शेरॉन; एसोसिएट डीन, रिसर्च, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डॉ. आनंद प्रसाद सिन्हा; प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रोफेसर डॉ. कुमार संजय सावरनी; तथा सहायक प्राध्यापक डॉ. सोमनाथ मुखर्जी की उपस्थिति रही।

रांची में बारिश से मौसम हुआ सुहावना, तापमान में 06 से 07 डिग्री की गिरावट

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में शुक्रवार को हुई झमाझम बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बारिश के बाद बड़ी राहत मिली। बारिश के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में तापमान में छह से सात डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग ने अगले तीन से चार दिनों तक राज्य में इसी प्रकार बारिश होने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार, उत्तर-पूर्वी और मध्यवर्ती जिलों में शनिवार को भी मौसम खराब रह सकता है। बोकारो, धनबाद, कोडरमा, हजारीबाग, रांची और रामगढ़ समेत कई जिलों में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने की आशंका व्यक्त की गई है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की अपील की है। खासकर किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को खुले मैदान, पेड़ों और बिजली के खंभों के पास नहीं जाने की सलाह दी गई है। विभाग ने आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए आवश्यक सावधानी बरतने को कहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान डाल्टनगंज में 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 18.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं वर्षा के आंकड़ों पर नजर डालें तो कोडरमा डीवीसी क्षेत्र में सबसे अधिक 40.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा सतगांव में 39 मिलीमीटर, कोनार डीवीसी में 31 मिलीमीटर, दारू में 14.2 मिलीमीटर, रामगढ़ जिले के गोला में 11 मिलीमीटर, बरही में 10.2 मिलीमीटर तथा पांकी में सात मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

तीन दिवसीय रांची जिला शतरंज चैम्पियनशिप का शुभारंभ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। तीन दिवसीय रांची जिला शतरंज चैम्पियनशिप-2026 का उद्घाटन समारोह 29 मई, 2026 को झारखंड चैंबर भवन में हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद (राज्यसभा) श्रीमती महुआ माजी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप महापौर नीरज कुमार, झारखंड चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा की उपस्थित रहे।

अतिथियों ने शतरंज की बिसात पर पहली चाल चलकर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि श्रीमती महुआ मांझी ने कहा कि शतरंज मानसिक विकास, धैर्य एवं रणनीतिक सोच को मजबूत करने वाला खेल है। युवाओं को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं राज्य में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महासचिव नवजोत अलंग ने कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं, बल्कि धैर्य, रणनीति और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से अधिक संख्या में इस खेल से जुड़ने का आह्वान किया।

इस चैम्पियनशिप में जिले भर से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने एवं प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्राप्त करने का एक उत्कृष्ट मंच प्राप्त हुआ है। एजेसीए और आरडीसीए के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मनीष कुमार, संयुक्त सचिव (एआईसीएफ), सतीश कुमार, कोषाध्यक्ष (आरडीसीए), सुश्री मानसी सिंह, प्रबंधक (आरडीसीए); रोहित पोद्दार, संयुक्त सचिव (झारखंड चैंबर); अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष (झारखंड चैंबर); दीपक कुमार, मुख्य निर्णायक; मिथलेश पांडेय, उपाध्यक्ष (आरडीसीए); राजीव चटर्जी, उपाध्यक्ष (आरडीसीए); कुनाल अजमानी, उपाध्यक्ष (आरडीसीए); विक्रम साहू, संयुक्त सचिव (आरडीसीए); आशीष साहू, सदस्य (आरडीसीए); सुनील कालरा, सदस्य (आरडीसीए); अनिल राम, सदस्य (आरडीसीए) और झारखंड के सामाजिक कार्यकर्ता सिंभू मुर्मू शामिल थे।

रांची विवि में प्लेसमेंट ड्राइव, बड़ी संख्या में छात्रों ने लिया भाग

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल की ओर से शुक्रवार को मोरहाबादी कैंपस स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन के सभागार में फ्लिपकार्ट की मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम रांची विश्वविद्यालय के डीन (छात्र कल्याण) डॉ. सुदेश कुमार साहू, प्रॉक्टर एवं व्यावसायिक अध्ययन परिषद के निदेशक डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता तथा इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन के निदेशक डॉ. बसंत की उपस्थिति में संपन्न हुआ। फ्लिपकार्ट की ओर से पूर्वी क्षेत्र के वरिष्ठ प्रबंधक सौरभ कुमार ने भर्ती दल का नेतृत्व किया और छात्रों को कंपनी में उपलब्ध करियर अवसरों, कार्य संस्कृति तथा पेशेवर विकास की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरूआत प्लेसमेंट सेल द्वारा अतिथियों और कंपनी प्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करने के साथ हुई।

स्वागत भाषण में डीन (छात्र कल्याण) डॉ. सुदेश कुमार साहू ने छात्रों को ऐसे प्लेसमेंट अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने और अपने करियर निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए उद्योग जगत से लगातार जुड़ाव बढ़ा रहा है। इसके बाद आयोजित प्री-प्लेसमेंट टॉक में सौरभ कुमार ने फ्लिपकार्ट की कार्यप्रणाली, उपलब्ध पदों, करियर ग्रोथ, कर्मचारी सुविधाओं और कार्यस्थल की अपेक्षाओं पर विस्तृत जानकारी साझा की। इस दौरान छात्रों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए भर्ती प्रक्रिया से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका कंपनी प्रतिनिधियों ने विस्तार से उत्तर दिया।

परिसीमन को लेकर आदिवासी संगठनों ने जताई चिंता 31 मई को रांची में रणनीतिक बैठक और सेमिनार

रांची। प्रस्तावित लोकसभा एवं विधानसभा परिसीमन को लेकर झारखंड में आदिवासी समाज ने गहरी चिंता जताई है। इस मुद्दे पर विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से परिसीमन का आदिवासी समाज पर प्रभाव विषय पर आगामी 31 मई को रांची प्रेस क्लब में रणनीतिक बैठक और सेमिनार आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक शशि पन्ना और अनिल अमिताभ पन्ना ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में आदिवासी आरक्षित सीटों में कटौती स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगों की अनदेखी की गई, तो व्यापक आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। आयोजकों के अनुसार, राज्य के सभी 24 जिलों से सामाजिक अगुआ, बुद्धिजीवी, अधिवक्ता, शिक्षाविद्, छात्र-युवा प्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता इस बैठक में शामिल होंगे। शशि पन्ना ने बताया कि यदि जनसंख्या आधारित परिसीमन को सामाजिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों को नजरअंदाज कर लागू किया गया, तो आदिवासी आरक्षित सीटों में कमी आ सकती है। इससे आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संवैधानिक अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। बैठक में परिसीमन के संभावित प्रभाव, आरक्षित सीटों की सुरक्षा, राजनीतिक भागीदारी और भविष्य की रणनीति जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

जेयूवीएनएल में प्रशासनिक अनियमितताओं पर श्रमिक संघ ने उठाई उच्चस्तरीय जांच की मांग

रांची। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने झारखण्ड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जेयूवीएनएल) में कथित प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संघ ने आरोप लगाया है कि निगम में स्थानांतरण आदेशों के बाद भी प्रशासनिक हस्तक्षेप जारी है और कुछ मामलों में बैक-डेटिंग के जरिए फाइलों का निष्पादन किया जा रहा है। संघ के अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को जेयूवीएनएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा और जारी बयान में उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में निगम के भीतर कुछ महत्वपूर्ण और संवेदनशील फाइलों के निष्पादन को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, जो प्रशासनिक पारदर्शिता पर चिंता पैदा करते हैं। आरोपों के अनुसार, स्थानांतरण आदेश लागू होने के बाद भी कुछ स्तरों पर पूर्व प्रभाव के तहत फाइलों के निपटान और प्रशासनिक निर्णय लिए जा रहे हैं। संघ का कहना है कि यदि बैक-डेटिंग के आधार पर आदेश जारी किए जा रहे हैं, तो यह विभागीय नियमों और वैधानिक प्रक्रिया का गंभीर उल्लंघन है। संघ ने मांग की है कि स्थानांतरण के बाद निष्पादित सभी फाइलों और आदेशों की स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा संबंधित रिकॉर्ड को सुरक्षित रखा जाए।

धीरेंद्र प्रसाद बने छात्र क्लब ग्रुप के वरीय संरक्षक

रांची। मानव अधिकार मिशन एवं छात्र क्लब पर्यावरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में न्यू मधुकम और रातू रोड खादगढ़ा क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के बीच छाता एवं टोपी का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुमारी नीलम एवं कुमारी शीला ब्यूटीक्वीन ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रूपेश कुमार गुप्ता, शिव किशोर शर्मा, संतोष कुमार श्रेयांस, दीपक कुमार साहु एवं पिया बर्मन उपस्थित थे। रूपेश कुमार गुप्ता ने कहा कि लोगों को गर्मी और धूप से राहत दिलाने के उद्देश्य से छाता एवं टोपी का वितरण किया गया। वहीं शिव किशोर शर्मा ने समाजसेवा को पुण्य कार्य बताते हुए सभी संस्थाओं से सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर छात्र क्लब ग्रुप का विस्तार करते हुए धीरेंद्र प्रसाद को वरीय संरक्षक बनाया गया। वहीं मुकेश कुमार ठाकुर को फोटोग्राफी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में कुमारी अनिता रेडरोज ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

रोटरी क्लब में ड्रम सर्किल म्यूजिक कंसर्ट का आयोजन

रांची। रोटरी क्लब रांची में ड्रम सर्किल म्यूजिक कंसर्ट का आयोजन किया गया। ड्रम, डांस, डायलॉग थीम पर आधारित यह आयोजन आइआइएम रांची के प्रो गौरव मराठे एवं आलोक सिंह की देखरेख में हुआ। ड्रम सर्किल में प्रो. गौरव मनोहर मराठे ने सभी को ड्रम बजाने का तरीका बताया। ड्रम सर्किल की शुरूआत में रोटरी सदस्यों में ड्रम बजाने के प्रति दिख रही झिझक पल भर में ही दूर हो गई। उसके बाद अद्भुत समा बंधा। पूरा माहौल हैप्पीनेस से भर गया। करीब एक घंटे तक चले इस कार्यक्रम में बारी-बारी हर कोई शामिल होता रहा।

उपायुक्त ने जनसुनवाई के माध्यम से सुनी आमजनों की समस्याएं

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा ने समाहरणालय सभागार में जनसुनवाई का आयोजन शुक्रवार को किया। इसमें आए फरियादियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनी गई। उसके निष्पादन के लिए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया।

जनसुनवाई में राशन, पेंशन, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, आवास, मुआवजा, योजनाओं का लाभ, अतिक्रमण, रोजगार सृजन, बकाया मजदूरी भुगतान समेत अन्य समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए आमजनों की समस्याओं को उपायुक्त द्वारा गंभीरता से बारी-बारी सुनी गई। यथाशीघ्र उनके समस्याओं के निराकरण करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। मंझिआंव प्रखंड के दवनकारा निवासी ननकेश्वर पासवान ने पिछले 4 माह से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने की बात कही। कांडी प्रखंड के सेमौरा निवासी सिताबी यादव ने अयोग्य व्यक्ति को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले लाभ की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि कांडी प्रखंड के सरकोनी पंचायत में शीला देवी, पति चंद्रमणि मिश्रा को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अयोग्य होने के बावजूद भी योजना से लाभान्वित किया गया है।

नव पदस्थापित गणित एवं विज्ञान के सहायक आचार्यों (वर्ग 6-8) ने आवेदन देते हुए जीपीफ खाता नहीं खुलने, सत्यापन कार्य पूर्ण नहीं होने एवं पिछले 9 महीने से वेतन भुगतान नहीं होने की बात कही है।

सदर प्रखंड के तिलदाग निवासी मुकुंद कुमार पाल ने जीप चालक के पद पर कार्य करने की स्वीकृति देने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि वे पिछले 14 वर्षों से जिला यक्ष्मा केंद्र कार्यालय गढ़वा में अनुबंध आधारित जीप चालक के पद पर कार्यरत थे, परंतु बिना कारण के उन्हें अब हटा दिया गया है।

उपायुक्त ने जनता मिलन कार्यक्रम में सुनीं आमजनों की समस्याएं

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों ने अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा।

जनता मिलन के दौरान भूमि निबंधन, आवास योजना, नियोजन, पथ निर्माण, पेयजल, सौर चालित सिंचाई योजना सहित अन्य जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने एक-एक कर सभी आगंतुकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक जांच कर त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त

कुदागा के मोजाहिद नामक युवक लापता

पलामू (चैनपुर)। चैनपुर थाना क्षेत्र के कुदागा निवासी मुजाहिद अंसारी पिता अब्दुल कलाम अंसारी बुधवार को लापता हो गया। परिजनों ने अपने रिश्तेदारों व दोस्तों से मुजाहिद का खोजबीन किया लेकिन कहीं पता नहीं चला। इसके बाद जियाउल हक ने चैनपुर थाना में युवक के लापता होने का सन्हा दर्ज कराया है। जियाउल ने कहा कि अगर किसी को लापता मुजाहिद का पता चले तो उन्हें या चैनपुर थाना में जानकारी दे सकते हैं।

अदबी संसार ने डॉ. बशीर बद्र के निधन पर जताया शोक

पलामू (मेदिनीनगर)। प्रख्यात शायर डॉ. बशीर बद्र का निधन केवल उर्दू नहीं बल्कि संपूर्ण साहित्य जगत के लिए बड़ी क्षति है। उनके न होने से साहित्य प्रेमियों में शोक की लहर है। उक्त बातें अदबी संसार के संस्थापक एम.जे. अजहर ने कही। उन्होंने कहा कि डॉ. बशीर बद्र ने अपना जीवन साहित्य के लिए समर्पित कर दिया था। उनकी शायरी अनेक मंचों, संस्थाओं, घरों, लोगों के मन-मस्तिष्क आदि में उनके जीवित होने की गवाही दे रही हैं। डॉ. बशीर बद्र की शायरी में सामाजिक मुद्दे, प्रेम, जिंदगी की तल्खी, भारत की मिट्टी से लगाव की खुशबू मिलती है। उन्होंने बताया कि डॉ. बशीर बद्र का 91 वर्ष की अवस्था में 28 मई 2026 को दोपहर 12:15 बजे भोपाल में निधन हो गया। उन्होंने विव पटल पर पहचान बनाई। उनकी साहित्यिक सेवाओं के मद्देनजर उन्हें कई बार सम्मानित किया गया। उनका योगदान भारत नहीं भूलेगा। उनकी शायरी से उनका नाम जिंदा रहेगा। उनके चंद मशहूर शेर हैं : लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में तुम तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में इत्यादि। अदबी संसार परिवार ने उनके निधन पर दुआ ए मगफिरत की है। डॉ. बशीर बद्र को भोपाल टॉकीज के निकट कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया।

अनुपस्थित कर्मी का वेतन रोकने और सेविकाओं को कार्यमुक्त करने का निर्देश

रमना प्रखंड कार्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा ने रमना प्रखंड सह अंचल कार्यालय का शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इसपर उपायुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित कर्मियों का एक दिन का वेतन एवं मानदेय अगले आदेश तक रोकने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अंचल अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी और कर्मचारी सुबह 10 बजे तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने से सरकारी योजनाओं का निष्पादन प्रभावित होता है। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि जिले में प्रशासनिक जवाबदेही और कार्यसंस्कृति को मजबूत करने के लिए इस प्रकार का औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेगा। लापरवाही या अनुपस्थिति पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बंद मिले आंगनबाड़ी केंद्र : निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने रमना प्रखंड अंतर्गत टोला जोड़वनिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। केंद्र बंद मिला। सूचना मिलने पर सहायिका मौके पर पहुंची। बताया कि केंद्र की चाबी सेविका रंजू देवी अपने साथ लेकर जाती हैं। ग्रामीणों और अभिभावकों ने बताया कि केंद्र नियमित रूप से संचालित नहीं होता है। कभी-कभार खिचड़ी बनाने के लिए खोला जाता है। बच्चों की पढ़ाई भी नहीं होती है। इसके बाद उपायुक्त ने मड़वनिया टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। यहां भी केंद्र बंद मिला। कोई बच्चा उपस्थित नहीं था। जांच में पता चला कि केंद्र का संचालन सेविका अपने घर से कर रही थी। आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य अधूरा पाया गया। भवन में दरवाजा और खिड़कियां तक नहीं लगी थीं। बच्चों की उपस्थिति पंजी भी संधारित नहीं मिली।

सेविकाओं को कार्यमुक्त करें : दोनों केंद्रों में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर उपायुक्त ने डीडीसी प्रेमलता मुर्मू को संबंधित दोनों सेविकाओं और मड़वनिया की सहायिका को कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों के पोषण, शिक्षा और विकास से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्था में सुधार लाने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

चतरा में मौसम का यू-टर्न : सुबह-सुबह आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश, आसमान छूते पारे से लोगों को मिली बड़ी राहत

चतरा। जिले में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और जानलेवा लू के बीच आज सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली है। सुबह-सुबह हुई जोरदार आंधी और बारिश ने चतरा वासियों को झुलसाने वाली गर्मी से बड़ी राहत दी है। चतरा में आज जब लोगों की आंखें खुलीं, तो मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ था। सुबह साढ़े छह बजे से ही आसमान में घने काले बादल छा गए। देखते ही देखते तेज आंधी-तूफान के साथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ ही लगातार बिजली भी कड़कती रही। पिछले कई दिनों से आसमान छूते पारे और चिपचिपाती गर्मी से त्रस्त आम जनजीवन को इस मौसमी बदलाव से बड़ी राहत मिली है। ठंडी हवाएं चलने से चतरा का तापमान काफी लुढ़क गया है और लोगों ने चैन की सांस ली है।

डॉ. बशीर बद्र के निधन पर पलामू के साहित्यकारों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पलामू (मेदिनीनगर)। उर्दू साहित्य के प्रख्यात शायर, गजलकार और संवेदनशील रचनाकार डॉ. बशीर बद्र के निधन से पलामू के साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत में गहरा शोक व्याप्त है। 91 वर्ष की आयु में भोपाल में उनके निधन की खबर से साहित्य प्रेमियों और प्रशंसकों के बीच शोक की लहर दौड़ गई। साहित्यकारों ने उनके निधन को भारतीय साहित्य और संस्कृति की दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। डॉ. बशीर बद्र के निधन पर प्रगतिशील लेखक संघ, इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन (इप्टा) तथा अदबी संसार सहित विभिन्न साहित्यिक-सांस्कृतिक संगठनों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रगतिशील लेखक संघ के पंकज श्रीवास्तव, इप्टा के जिला अध्यक्ष प्रेम भसीन, इप्टा के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश सिंह ने कहा कि उनकी शायरी केवल भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का दस्तावेज भी है। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित साहित्यकारों और सामाजिक कार्यकताओं ने कहा कि डॉ. बशीर बद्र केवल एक शायर नहीं, बल्कि एक साहित्यिक युग के प्रतिनिधि थे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में शब्बीर अहमद, संजीव कुमार संजू, रंजीत पाठक, रविशंकर तथा नुदरत नवाज सहित अनेक साहित्यकार, कलाकार और बुद्धिजीवी शामिल थे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि डॉ. बशीर बद्र भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी शायरी, उनकी संवेदनाएँ और उनके शब्द हमेशा साहित्य प्रेमियों के दिलों में जीवित रहेंगे। उनकी रचनाएँ आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेम, सौहार्द और मानवीय मूल्यों का संदेश देती रहेंगी।

छतरपुर में पारा शिक्षक की गला रेतकर अपराधियों ने की हत्या

पलामू (छतरपुर)। छतरपुर शिक्षक सह ग्रामीण चिकित्सक उदय सिंह को अपराधियों ने मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। इस घटना से स्थानीय ग्रामीणों और पारा शिक्षकों में भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार शिक्षक उदय सिंह दिन गुरुवार को साप्ताहिक बाजार के लिए पाटन गए हुए थे। बाजार से अपने घर लौटने के क्रम में रात करीब 8 बजे चील्हो गांव से 2 किलोमीटर दूरी पर पाटन रोड नगदार पुल के पास घात लगाए बैठे अपराधियों ने उदय सिंह को पकड़ लिया। साथ ही जंगल में कुछ दूरी पत्थर चट्टान पर ले जाकर धारदार हथियार से गला काट दिया जिससे मौत हो गई। उदय सिंह पारा शिक्षक के साथ-साथ गांवों में प्राथमिक चिकित्सा का भी कार्य करते थे। घटनास्थल पर शराब की बोतल, पानी की बोतल सहित अन्य सामग्री पुलिस ने जब्त किया है। छतरपुर पुलिस घटनास्थल पर शुक्रवार की सुबह खोजी कुत्ते के साथ पहुंची थी लेकिन विशेष सुराग हाथ नहीं लगा। फिर भी पुलिस ने विभिन्न पहलुओं पर जांच किया। छतरपुर पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर एमएमसीएच भेज दिया है। पुलिस जांच में जुट गयी है।

जनता दरबार में सुनी गई आमजनों की समस्याएं

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर आज जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा ने जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं को सुना। प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन का आश्वासन दिया। जनता दरबार में झरिया, धनबाद, हीरापुर, पूर्वी टुंडी, सरायढेला, तोपचांची, सिंदरी सहित अन्य क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। इस दौरान वोटर लिस्ट में मैपिंग कराने, अवैध रूप से रास्ता बंद करने, सार्वजनिक सड़क की जमीन पर अतिक्रमण करने, खतियानी जमीन पर जबरन कब्जा करने, जान से मारने की धमकी देने, जाति प्रमाण पत्र, जीविकोपार्जन के लिए रोजगार उपलब्ध कराने, मुआवजा, छात्रवृत्ति सहित अन्य मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

कलस्टर सिस्टम और पेपर लीक के खिलाफ आइसा व आरवाईए का जोरदार प्रदर्शन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू (मेदिनीनगर)। राज्यव्यापी चक्का जाम आह्वान के तहत झारखंड सरकार के उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा जारी कलस्टर सिस्टम के संकल्प पत्र और देश भर में नीट समेत तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक के खिलाफ शुक्रवार को पलामू में छात्रों और युवाओं का गुस्सा फूट पड़ा। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) और इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) के संयुक्त तत्वावधान में शहर मुख्यालय के व्यस्त रेड़मा चौक पर जोरदार चक्का जाम और प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार विरोधी नारे लगाए और सड़क जाम कर आवागमन पूरी तरह ठप कर दिया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेताओं ने झारखंड सरकार के कलस्टर सिस्टम पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि इसके तहत सुदूरवर्ती क्षेत्रों के कॉलेजों को आपस में मर्ज किया जा रहा है। कॉलेज सीमित और दूर हो जाने से ग्रामीण व गरीब पृष्ठभूमि के छात्र, विशेषकर छात्राएं, सुरक्षा कारणों से पढ़ाई छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगी।

आज मेराल में नदी स्वच्छता के लिए चलेगा व्यापक जनअभियान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार की पहल पर संचालित ह्लआपन सरस्वतियाह्व अभियान का विस्तार अब मेराल प्रखंड तक किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को मेराल प्रखंड में स्थानीय बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मेराल क्षेत्र में प्रवाहित होने वाली सरस्वतिया नदी की सफाई, डी-सिल्टिंग एवं अतिक्रमण मुक्ति के लिए इस रविवार से व्यापक जनअभियान चलाया जाएगा। ह्लआपन सरस्वतियाह्व नाम से चलने वाले इस अभियान के तहत लगभग तीन किलोमीटर लंबे नदी क्षेत्र की सामूहिक सहयोग से सफाई की जाएगी। एसडीएम के प्रस्ताव पर बैठक में निर्णय लिया गया कि मेराल में ₹आपन सरस्वतिया₹ अभियान का नेतृत्व मेराल अंचलाधिकारी यशवंत नायक करेंगे। वहीं स्थानीय स्तर पर गठित समिति में मेराल पश्चिमी एवं मेराल पूर्वी के मुखिया सहित कई जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं स्थानीय बुद्धिजीवियों को शामिल किया गया है। एसडीएम संजय कुमार ने लोगों के उत्साह एवं जनसहभागिता की भावना की सराहना करते हुए कहा कि जहां सामाजिक अभियान जनसहयोग से चलाए जाते हैं वहां सफलता अवश्य मिलती है तथा उसका सकारात्मक प्रभाव भी धीरे-धीरे व्यापक रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि सरस्वतिया नदी केवल जलधारा नहीं बल्कि क्षेत्र की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे संरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पिपरीकला-जतपुरा बालू घाट का डीएमओ ने किया औचक निरीक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

विशुनपुरा (गढ़वा)। जिले में अवैध बालू खनन पर नकेल कसने को लेकर जिला खनन पदाधिकारी राजेंद्र उरांव ने शुक्रवार को विशुनपुरा प्रखंड अंतर्गत पिपरीकला-जतपुरा पंचायत द्वारा संचालित कैटेगरी-1 बालू घाट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घाट संचालन, खनन कार्य, परिवहन व्यवस्था एवं सरकारी मानकों के अनुपालन की विस्तृत जांच की। जिला खनन पदाधिकारी ने घाट संचालकों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को निर्देश देते हुए कहा कि बालू का उपयोग केवल सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के तहत ही किया जाए। उन्होंने कहा कि पंचायतों में संचालित विकास योजनाओं, सड़क निर्माण, पीसीसी ढलाई समेत जनहित कार्यों के लिए आवश्यकतानुसार बालू का उपयोग किया जा सकता है। अवैध खनन, भंडारण और परिवहन किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि खनन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ खनन अधिनियम के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के क्रम में जिला खनन पदाधिकारी ने संध्या-बांकी नदी के किनारे संचालित अवैध बालू घाटों का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अवैध खनन गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि बिना वैध अनुमति के बालू उत्खनन, भंडारण अथवा परिवहन करते पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। साथ ही अवैध खनन में प्रयुक्त ट्रैक्टर, हाइवा, जेसीबी समेत अन्य वाहनों को जब्त कर आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा। खनन विभाग की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति देखी जा रही है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि प्रशासन की बढ़ती सख्ती के कारण कई स्थानों पर अवैध गतिविधियों में कमी आई है। निरीक्षण के दौरान खनन विभाग के पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी, प्रमुख दीपा कुमारी, उप प्रमुख प्रतिनिधि अजय पाल सहित स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थे। जिला खनन पदाधिकारी ने अधिकारियों को नियमित रूप से निरीक्षण अभियान चलाने एवं अवैध खनन की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

लावालौंग के हेडुम में बालू लदा ट्रैक्टर पलटने से किशोर की मौत, दो अन्य घायल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहाँ अमानत नदी से बालू लेकर लौट रहा एक बिना नंबर का ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबने से एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना हेडुम गांव की है, जहां नदी से बालू लादकर आ रहा ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गया। हादसे में तुलसी गंझू के पुत्र आनूष (अनुष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दुर्घटना में घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही लावालौंग थाना प्रभारी चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस बिना नंबर के ट्रैक्टर की पहचान कर मामले की जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी ने कहा कि परिजनों से आवेदन मिलने के आधार पर आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रमंडलीय आयुक्त ने विभागीय जनजातीय भाषा परीक्षा को कदाचारमुक्त कराने के दिये निर्देश

परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर की बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू (मेदिनीनगर)। प्रमंडलीय आयुक्त श्रीमती कुमुद सहाय की अध्यक्षता में आगामी विभागीय जनजातीय भाषा की परीक्षा को शांतिपूर्ण, कदाचारमुक्त एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से संबंधित सभी प्रशासनिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जांच कर ली जाए। परीक्षा केंद्र पर जैमर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसे (मोबाइल फोन, टैब, स्मार्ट वॉच) गैजेट, प्रवेश पत्र, कक्ष निर्धारण इत्यादि की जाँच परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने से पूर्व ही करे एवं अभ्यर्थियों के प्रवेश-निकास की प्रक्रिया को सरल एवं व्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया जाए। आयुक्त के निदेशानुसार अभ्यार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र में मेडिकल किट, बिस्किट, पानी और सी.सी.टीवी. की व्यवस्था की गई है। आयुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, इसके साथ ही आयुक्त ने दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए स्पेशल परीक्षा कक्ष की व्यवस्था कराई है जिससे उन्हें परीक्षा देने में कोई कठिनाई नहीं हो सके।

बैठक में परीक्षा सामग्री की सुरक्षा एवं गोपनीयता को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आयुक्त ने कहा कि प्रश्नपत्र एवं अन्य गोपनीय सामग्रियों के सुरक्षित रख-रखाव एवं समय पर वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभागीय जनजातीय भाषा परीक्षा महत्वपूर्ण परीक्षा है, इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मी आपसी समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें ताकि परीक्षा पूरी पारदर्शिता, शांति एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

माहवारी स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लातेहार। सदर प्रखंड सभागार में बुधवार को माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी ने संयुक्त रूप से किया कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों के बीच माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना था। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों को माहवारी स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सहायिकाओं, किशोरियों तथा ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी ने कहा कि माहवारी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है उन्होंने महिलाओं और किशोरियों से माहवारी के दौरान साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, स्वच्छ सैनिटरी पैड का उपयोग करने एवं पोषक आहार हरी सब्जी, फल, खाने के भी सलाह दी गई साथ ही कई किशोरियो के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी ने बताया कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में इसके प्रति जागरूकता की कमी और संकोच देखा जाता है जिसकी वजह से कई किशोरिया संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करती है।

संक्षिप्त

थाना प्रभारी ने पॉस्को एक्ट मामले में एक को भेजा जेल

बड़कागांव। बड़कागांव थाना प्रभारी के द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। पॉस्को एक्ट मामले में गिरफ्तार कर एक युवक को जेल भेज दिया।मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित लड़की के पिता के द्वारा मामले को लेकर आवेदन दिया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी ने तत्वरित कार्रवाई करते हुए बड़कागांव थाना कांड संख्या 88/26 दिनांक 20 मई धारा 126 (2) ,127 (2) 74, 352, 351(2), 3 (2) बीएनएस एवं 8 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज की ।दर्ज मामले के तहत प्राथमिकी अभियुक्त संदीप कुमार पिता शंकर गुप्ता ग्राम सिकरी निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताते चलें कि थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के आवेदन मिलते ही किसी भी मामले में त्वरित कार्रवाई की जा रही है और कई मामलों का उद्वेदन कर मामले में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

डॉ. बशीर बद्र के निधन पर साहित्य संगम ने जताया शोक

लोहरदगा। लोहरदगा जिला साहित्य संगम के अध्यक्ष अलीरजा अंसारी ने मशहूर उर्दू शायर डॉ. बशीर बद्र के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि 91 वर्ष की आयु में डॉ. बशीर बद्र के निधन से उर्दू साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। उनकी शायरी ने आम लोगों की भावनाओं, रिश्तों और इंसानियत को बेहद सरल शब्दों में अभिव्यक्त किया। अलीरजा अंसारी ने कहा कि कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी, यूँ ही कोई बेवफा नहीं होता जैसे उनके शेर आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. बशीर बद्र अपनी रचनाओं और मानवीय संवेदनाओं के कारण हमेशा साहित्य प्रेमियों के बीच याद किए जाते रहेंगे।

मोदी सरकार की योजनाओं को घर घर पहुंचाएं कार्यकर्ता : आदित्य साहू

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिमडेगा। भारतीय जनता पार्टी सिमडेगा जिला द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के अंतर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय में हुआ। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण तथा वंदे मातरम् के साथ हुई। प्रशिक्षण वर्ग में जिले भर से पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए अर्जुन मुंडा ने देश के समक्ष चुनौतियां एवं निदान के हमारे प्रयास विषय पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक स्तर पर नई पहचान बना रहा है, लेकिन सामाजिक, आर्थिक एवं वैचारिक चुनौतियां भी देश के सामने मौजूद हैं। इन चुनौतियों से मुकाबला मजबूत राष्ट्रवाद, संगठन की शक्ति और जनता के बीच सतत संवाद से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आंदोलन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा, आत्मनिर्भर भारत अभियान, गरीब कल्याण योजनाओं तथा विकसित भारत के संकल्प पर विस्तार से चर्चा की।

प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे सत्र में पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने भाजपा की कार्यपद्धति विषय पर कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने संगठनात्मक अनुशासन, बूथ स्तर तक पार्टी की मजबूती तथा कार्यकर्ता आधारित संगठन की विशेषताओं पर विस्तार से जानकारी दी। तीसरे सत्र में प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने भाजपा की व्यावहारिक कार्यशैली, जनसंपर्क अभियान एवं सामाजिक संवाद को लेकर कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया। चौथे सत्र में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने मोदी सरकार की गरीब कल्याण योजनाएं विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि एवं मुफ्त राशन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, किसान, महिलाएं एवं युवा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कार्यकताओं से सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने का आान किया।

पांचवें सत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने वैचारिक अधिष्ठान विषय पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा की मूल विचारधारा एवं राष्ट्रवादी चिंतन पर विस्तार से चर्चा की। छठे सत्र में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर ने पार्टी का इतिहास और विकास विषय पर जानकारी दी। वहीं सातवें सत्र में पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने बूथ प्रबंधन, स्थायी कार्यक्रम एवं मन की बात विषय पर कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री विमला प्रधान, प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी अशोक बड़ाईक, जिला प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डू, जिला अध्यक्ष दीपक पुरी, महामंत्री मुकेश श्रीवास्तव एवं रवि गुप्ता, सुशील श्रीवास्तव, श्रद्धानंद बेसरा, सुजान मुंडा, पूर्व जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक, दुर्गाविजय सिंहदेव, संजय ठाकुर, अनूप प्रसाद, उपेंद्र श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बड़कागांव में भारी बारिश गर्मी से ग्रामीणों को मिली राहत , बड़कागांव टैक्सी स्टैंड जलमग्न

बड़कागांव। प्रखंड में सुबह 8:30 बजे मूसलाधार बारिश हुई। इस दौरान 1 घंटे की बारिश के कारण सभी चौक चौराहे सड़क पर पानी भर आया। बड़कागांव टैक्सी स्टैंड के पास भारी मात्रा में जल जमाव देखा गया। वही बसरिया मोहल्ला में भी नाली का गंदा पानी सड़क पर उतर आया। आवागमन कर रहे लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वहीं भारी बारिश के कारण कई लोगों को नाली जाम हो, जाने की परेशानियों से जूझना पड़ा। बादम बस स्टैंड के पास भी बारिश का असर देखा गया, यहां हल्की बारिश में भी सड़क पर पानी जमा हो जाता है । इस समस्या के समाधान के लिए यहां पर नाली निर्माण की आवश्यकता है। बड़कागांव टैक्सी स्टैंड स्थित करणपुरा कृषि भंडार के समीप पानी का भारी जमाव देखा गया। 1 घंटे की बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी है वही बारिश से सभी प्रकार की साग सब्जियों को फायदा हीं हुआ है। इसके अलावा धान की खेती के लिए बीहन तैयार करने के लिए किसान अपने खेतों की जुताई करना शुरू करेंगे।

ड्राइवर समाज के हक के लिए एकजुट हुआ ऑल झारखंड ड्राइवर ट्रेड यूनियन

लोहरदगा। ऑल झारखंड ड्राइवर ट्रेड यूनियन ने जिले के ड्राइवरों के हक और अधिकारों की लड़ाई को लेकर अपनी आवाज बुलंद की है। संगठन ने कहा कि वह ड्राइवर समाज के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी मजबूती से कार्य करेगा। संघ के जिला अध्यक्ष साजिद अंसारी, जिला सचिव उज्जवल कुमार पाठक तथा जिला कोषाध्यक्ष अख्तर अंसारी के नेतृत्व में संगठन लगातार ड्राइवरों के कल्याण के लिए काम कर रहा है। संगठन की ओर से कहा गया कि दिन-रात सड़कों पर मेहनत करने वाले हर ड्राइवर की आवाज बनना उनका मुख्य उद्देश्य है। चाहे बॉक्साइट ट्रक चालक हों, लाइन ट्रक ड्राइवर, टेंपो चालक या बस चालक—संगठन सभी के अधिकारों और समस्याओं को लेकर संघर्ष करेगा। विशेष रूप से लोहरदगा जिले के बॉक्साइट ट्रक ड्राइवरों की जायज मांगों और अधिकारों को संगठन के माध्यम से पूरा कराने का भरोसा दिलाया गया। संगठन ने सभी ड्राइवर भाइयों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई को मजबूत बनाने की अपील की।

गोला में विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन

रामगढ़। गोला स्थित द्वारिका पैलेस में शुक्रवार को विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें रामगढ़ जिले की जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीत टोप्पो को पैक्स अध्यक्षों द्वारा सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। वहीं, नई प्रभारी डीएसओ निशा सिंह का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पैक्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष कमाल शहजादा और संचालन बोरोबिंग पैक्स अध्यक्ष युगेश महतो ने किया। पैक्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष कमाल शहजादा ने कहा कि डीएसओ के रूप में रंजीता टोप्पो का कार्यकाल काफी सराहनीय रहा और हम सभी को इनका पूरा सहयोग प्राप्त हुआ। जब से रामगढ़ जिले में इनकी पदस्थापना हुई है तब से सभी पैक्सों में धन अधिप्राप्ति काफी बेहतर तरह से हुआ। रंजीता टोप्पो ने कहा कि सभी के साथ मेरा रिश्ता एक परिवार की तरह रहा है। विभागीय अधिकारी होने के नाते मैंने किसी को कुछ सुनाया है तो वह मेरे दायित्व निर्वाहन का ही हिस्सा था। अपने संबोधन के दौरान वह काफी भावुक हो गई। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि रामगढ़ के साथ मेरा रिश्ता हमेशा कायम रहेगा। आपलोगों ने जिस तरह मुझे भरपूर सहयोग दिया, उसी प्रकार नवनियुक्त डीएसओ को भी पूर्ण सहयोग देंगे। सभी ने पुष्पगुच्छ, शॉल और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। वहीं नवनियुक्त जिला आपूर्ति पदाधिकारी निशा सिंह ने कहा कि रंजीता टोप्पो ने एक कुशल प्रशासक के रूप में रामगढ़ जिला को अग्रणी स्थान पर बनाए रखा। खूंटी में इनके साथ मैंने कार्य किया है, इनमें मानवीय पहलू भी है। इन्होंने हमेशा एक वरीय अधिकारी और बड़ी दीदी के रूप में एक परिवार की तरह मेरा मार्गदर्शन किया है। ये जहां भी कार्यरत रही, वहां इन्होंने अपने कुशल नेतृत्व में अलग पहचान बनाई है। कार्यक्रम में प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी वेदप्रकाश, एमओ दीपक राय, जिला आपूर्ति कार्यालय के अमित तिवारी, पैक्स अध्यक्षों में सतीश कुमार, नवकुमार महतो, दिलीप महतो, नौशाद शहजादा, चंद्रशेखर उपाध्याय, सूरज कुमार सिंह, प्रताप चौधरी, मनोज कुमार, रजब अली, शशिकांत पटेल, महेश महतो, किनु महतो, रामकुमार महतो, लक्ष्मण प्रजापति, अशोक महतो, मोती प्रसाद यादव, विजय यादव, इंद्रजीत कुमार, सुलेंद्र मुंडा सहित कई लोग शामिल थे।

पतरातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से चोरी हुआ एसी बरामद, आरोपी गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले के पतरातु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से एसी चोरी मामले में पतरातू पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पतरातु द्वारा स्वास्थ्य केंद्र से अज्ञात चोरों के द्वारा एसी चोरी किए जाने की सूचना पुलिस को दी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पतरातू थाना में कांड संख्या 130/26 के तहत धारा 305 (1)/334 (1) बीएनएस में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की जांच के दौरान पतरातु पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी हुए एसी को बरामद कर लिया। पुलिस ने विकास कुमार उर्फ बौना उम्र 20 वर्ष, पिता स्वर्गीय युगेश राम निवासी ग्राम पतरातु ब्लॉक कैंपस क्वार्टर थाना पतरातु जिला रामगढ़ को गिरफ्तार किया।आरोपी की निशानदेही पर चोरी किया गया एसी बरामद किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

जेठ जतरा समाज में भाईचारा, प्रेम और सांस्कृतिक एकता को करता है मजबूत : जोसिमा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिमडेगा। सदर प्रखंड के सनसेवई गांव में पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ जेठ जतरा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फा. सुमन बारला द्वारा मिस्सा पूजा संपन्न कराई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य सह कांग्रेस महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष जोसिमा खाखा शामिल हुईं, जहां ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। मौके पर प्रमुख सुशीला देवी, उपप्रमुख सिल्बेस्टर बाघवार, मयंती तिर्की, प्रतिमा कुजूर, उर्मिला केरकेट्टा, क्लारा खलखो, सृष्टि बाड़ा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जोसिमा खाखा ने कहा कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता ही हमारी सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने कहा कि जेठ जतरा जैसे पारंपरिक पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ समाज में भाईचारा, प्रेम और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक दौर में अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमारी भाषा, लोक परंपराएं, संस्कृति और त्योहार आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें संरक्षित करने के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना होगा। जोसिमा खाखा ने समाज और संस्कृति को जीवंत बनाए रखने में महिलाओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं का योगदान सदैव महत्वपूर्ण रहा है।

अंजुमन का बड़ा फैसला : कई विवाद सुलझे, नशेड़ियों का हुक्का-पानी बंद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

भंडरा (लोहरदगा)। भंडरा के बड़ा अंबेरा मदरसा प्रांगण में जुमे की नमाज के बाद अंजुमन इस्लामिया और प्रखंड कमेटी की एक बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में समाज को सुधारने के लिए दो बहुत बड़े फैसले लिए गए, जिससे इलाके में शांति आए और बुराइयां खत्म हों। बैठक में सबसे बड़ा काम उन परिवारों को मिलाने का हुआ, जिनका आपसी विवाद लंबे समय से चल रहा था और बात कोर्ट- कचहरी तक पहुँचने वाली थी। कमेटी के पदाधिकारियों ने दोनों पक्षों को आमने-सामने बिठाकर बात की। दोनों तरफ की रजामंदी से झगड़ों को हमेशा के लिए खत्म करा दिया गया और बिखरते हुए परिवार फिर से एक हो गए।

नशा करने वालों को आखिरी चेतावनी : इलाके में बढ़ती नशाखोरी को रोकने के लिए कमेटी ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। नशा करने वाले लोगों को बैठक में सबके सामने बुलाकर साफ कह दिया गया कि यह उनकी आखिरी चेतावनी है। अगर आगे से कोई भी नशा करते या बेचते पकड़ा गया, तो समाज उसका हुक्का -पानी बंद कर देगा। साथ ही उसके खिलाफ सख्त सामाजिक, आर्थिक (जुमार्ना) और शारीरिक कार्रवाई की जाएगी। इस बड़े फैसले के दौरान प्रखंड सदर आफताब आलम, पत्रकार शकील अहमद, मंजूर अंसारी, मंसूर अंसारी, सलमान अंसारी, बाबर अंसारी, वसीम अंसारी, ताज अंसारी, अफरीदी, आलेमान, इमरोज, नौशाद, जावेद, मुस्ताक, मुर्शीद सहित छोटा अंबेरा और बड़ा अंबेरा के सदर, सेक्रेटरी और भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लातेहार। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने एक-एक कर सभी शिकायतकताओं की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं तथा आश्वस्त किया कि प्राप्त शिकायतों की शीघ्र जांच कराते हुए समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

इसी क्रम में केंद्रीय विद्यालय, लातेहार से सेमरी तक जर्जर सड़क के निर्माण कार्य को अविलंब प्रारंभ कराने को लेकर ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों ने आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है, जिससे आम लोगों, स्कूली बच्चों तथा मरीजों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त संदीप कुमार ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए सड़क निर्माण कार्य की दिशा में शीघ्र पहल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जन शिकायत निवारण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कई आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे शिकायतों का भौतिक सत्यापन कर जल्द से जल्द समस्याओं का निष्पादन सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है तथा जन शिकायत निवारण कार्यक्रम के माध्यम से लोगों की समस्याओं का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से समाधान किया जा रहा है।

डॉ. एस राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शनी का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। डॉ० एस० राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय सुकरीगढ़ा लारी रामगढ़ के सम्मेलन कक्ष में शुक्रवार को बी एड 2024-26 के प्रशिक्षुओं का शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। डॉ० एस० राधाकृष्णन के चित्र पर दीप पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता (प्रधानाध्यापक पीएम श्री अपग्रेडेड हाई स्कूल मनुआ मांडू,रामगढ़), विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव डॉ० संजय प्रभाकर, प्राचार्य डॉ० सुशील कुमार उपाध्याय एवं शिक्षक के द्वारा निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम विषय प्रवेश एवं स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ० सुशील कुमार उपाध्याय के द्वारा किया गया। महाविद्यालय के सचिव डॉ० संजय प्रभाकर ने शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शनी में कहा कि हम छोटी-छोटी बातों को सीख कर आप अपने जीवन को आगे बढ़ा सकते हैं और एक आदर्श शिक्षक बन सकते हैं। मुख्य अतिथि ने शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शनी में सभी प्रशिक्षुओं के द्वारा बनाए गए शिक्षण सामग्री को देख कर प्रश्नोत्तर किया और कहा की प्रशिक्षुओं को अच्छी तरह से पढ़ने के लिए टीअलएम आवश्यक है,जिससे बौद्धिक क्षमता का विकास हो सके और हम खेल-खेल में कचरे के समान से अच्छी चीजों का निर्माण कर सकते हैं। निरीक्षण के दौरान प्रथम स्थान स्वीटी कुमारी, द्वितीय आरती कुमारी, तृतीय यशोदा कुमारी, चतुर्थ खुशबू भगत एवं पंचम सागेन कुमारी को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

संपादकीय

समुद्री सुरक्षा पर क्वाड देशों की चिंता

क्वाड की नई दिल्ली बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त और सुरक्षित समुद्री व्यापार का मुद्दा जिस गंभीरता से उठा, वह मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में बेहद महत्वपूर्ण है। आज दुनिया की अर्थव्यवस्था आपस में इस कदर जुड़ी हुई है कि किसी एक समुद्री मार्ग में अवरोध पूरी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकता है। होर्मुज जलमार्ग में तनाव के कारण पैदा हुए ऊर्जा संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समुद्री रास्तों की सुरक्षा केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक चिंता का विषय है। ऐसे समय में क्वाड देशों–भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया–द्वारा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र और निर्बाध आवाजाही पर जोर देना दूरदर्शी कदम माना जाएगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज वैश्विक व्यापार की धुरी बन चुका है। दुनिया के समुद्री व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में यदि किसी एक देश द्वारा इस क्षेत्र पर दबाव बनाने या सैन्य वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश की जाती है, तो उसका असर केवल क्षेत्रीय देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। चीन की बढ़ती समुद्री सक्रियता और दक्षिण चीन सागर में उसके आक्रामक रुख को लेकर लंबे समय से आशंकाएं जताई जाती रही हैं। यही वजह है कि क्वाड देशों ने एकतरफा कार्रवाई, बल प्रयोग और दबाव की राजनीति का विरोध करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन पर जोर दिया। भारत के लिए यह मुद्दा और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसकी आर्थिक और सामरिक दोनों ही जरूरतें हिंद-प्रशांत क्षेत्र से जुड़ी हैं। भारत लंबे समय से मुक्त, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की वकालत करता रहा है। नई दिल्ली में हुई बैठक में समुद्री निगरानी और बंदरगाह अवसंरचना को मजबूत बनाने की घोषणा इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों में भी स्थिरता आएगी। हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि क्वाड केवल किसी एक देश के खिलाफ गठबंधन के रूप में न देखा जाए। इसकी विश्वसनीयता तभी बनी रहेगी, जब यह शक्ति संतुलन के साथ सहयोग, पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान को प्राथमिकता देगा। दुनिया पहले ही युद्धों, आर्थिक संकटों और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है। ऐसे में समुद्री मार्गों की सुरक्षा और व्यापारिक स्वतंत्रता वैश्विक स्थिरता के लिए अनिवार्य बन चुकी है।

छात्रों के लिए थका देने वाला सिस्टम

अतुल अग्रवाल

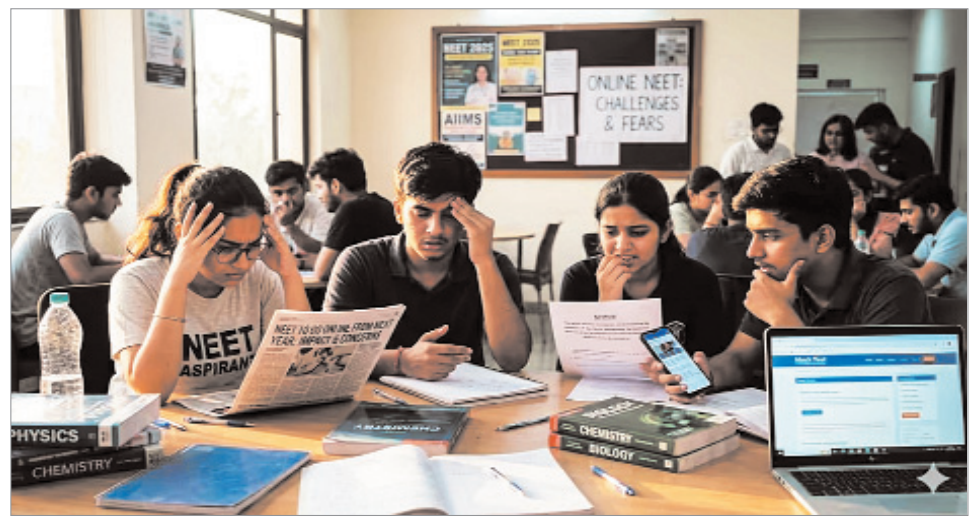

> *आर्थिक बोझ के साथ मानसिक और सामाजिक दबाव भी जुड़ा होता है। प्रवेश सत्र के दौरान छात्रों को कम समय में कई यात्राएं करनी पड़ती हैं। तिथियों का टकराव, अनिश्चितता और बार-बार मूल्यांकन की प्रक्रिया तनाव बढ़ाती है। महिला उम्मीदवारों और दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा एवं ठहराव की चिंता अतिरिक्त चुनौती बन जाती है। प्रश्न यह है कि क्या इस स्थिति को किसी भी विद्यार्थी-हितैषी व्यवस्था के अनुरूप देखा जा सकता है? इस संदर्भ में सिर्फ विद्यार्थियों को नहीं, बल्कि संस्थानों को भी समन्वित व्यवस्था के अभाव का दुष्परिणाम झेलना पड़ता है। एक मेधावी छात्र को कई आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी इत्यादि से प्रस्ताव मिल सकते हैं। वह अपनी पसंद का इंतजार करते हुए अन्य संस्थानों में अस्थायी रूप से सीट स्वीकार करता है और शुल्क राशि जमा कर देता है। इससे बड़ी धनराशि महीनों तक फंसी रहती है। जब छात्र अंतिम निर्णय लेता है, तो दूसरी जगह जहां उसने शुल्क राशि जमा की है, वहां सीटें खाली हो जाती हैं और प्रतीक्षा सूची को फिर से अद्यतन करना पड़ता है। पूरी प्रक्रिया लंबी और अनिश्चित बन जाती है, जिससे प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। हालांकि हाल के वर्षों में कुछ नए आईआईएम ने कॉमन एडमिशन प्रोसेस जैसी पहल शुरू की है, जहां साझा साक्षात्कार आयोजित किए जाते हैं।*

उच्च शिक्षा व्यवस्था में योग्यता, समान अवसर और क्षेत्रीय संतुलन की प्रतिबद्धता का होना जरूरी है। देश में इस दिशा में समय-समय पर प्रयास होते रहे हैं और भारतीय प्रबंधन संस्थान इन आदर्शों के प्रतीक माने जाते हैं। इन संस्थानों को उत्कृष्टता, प्रतिस्पर्धा और पेशेवर सफलता के मानक के रूप में देखा जाता है। मगर, जिन संस्थानों की पहचान पारदर्शिता और श्रेष्ठता से जुड़ी है, उनकी प्रवेश प्रक्रिया काफी असमन्वित प्रतीत होती है। जब देश प्रशासनिक सुधार, डिजिटल सरलीकरण और छात्र-केंद्रित नीतियों की ओर बढ़ रहा है, तब आईआईएम की प्रवेश परीक्षा व्यवस्था पर पुनर्विचार समय की मांग है। देश में भारतीय प्रबंधन संस्थानों की यात्रा स्वतंत्र भारत के विकास से गहराई से जुड़ी है। वर्ष 1961 में अहमदाबाद और कोलकाता में पहले आईआईएम स्थापित हुए, जिनका उद्देश्य विकासशील राष्ट्र को कुशल प्रबंधक देना था। वर्ष 1973 में आईआईएम बंगलुरु की स्थापना हुई। उदारीकरण के बाद लखनऊ, इंदौर और कोझिकोड जैसे संस्थान अस्तित्व में आए, जिन्होंने बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा किया।

पिछले एक दशक में देश के विभिन्न राज्यों में नए आईआईएम खोले गए, ताकि क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित हो और गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा महानगरों से बाहर भी पहुंचे। विस्तार की यह नीति सराहनीय रही, मगर इन संस्थानों में प्रवेश के लिए समन्वय का अभाव आज भी खलता है। प्रवेश प्रक्रिया की बात की जाए, तो सभी आईआईएम के लिए एक समान प्रवेश द्वार यानी लिखित परीक्षा है–कॉमन एडमिशन टेस्ट यह परीक्षा लाखों अभ्यर्थियों में से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान करती है। इसकी खासियत है कि यह देशभर के युवाओं को समान मंच प्रदान करती है। भौगोलिक स्थिति, विश्वविद्यालय या सामाजिक पृष्ठभूमि चाहे जो हो, सभी का मूल्यांकन एक ही कसौटी पर होता है। सीएटी ने यह सिद्ध किया है कि बड़े स्तर पर भी निष्पक्ष और मानकीकृत परीक्षा संभव है, मगर यह सिर्फ एक लिखित परीक्षा भर है और इसके परिणाम घोषित होते ही प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग दिशाओं में बिखर जाती है।

इसका अर्थ यह है कि सीएटी उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक आईआईएम अपनी अलग आवेदन प्रणाली, अलग शुल्क और अलग साक्षात्कार प्रक्रिया चलाता है। एक छात्र एक ही स्कोर के आधार पर कई संस्थानों में आवेदन करता है और अलग-अलग शहरों में जाकर लगभग समान प्रकार के साक्षात्कार देता है। इस प्रक्रिया की प्रकृति भले मिलती-जुलती हो, लेकिन उसका संचालन पूरी तरह अलग-अलग होता है। एक तथ्य यह भी है कि सीएटी के स्कोर का उपयोग आईआईएम के अलावा कई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और अन्य सरकारी एवं निजी संस्थान भी करते हैं। हर संस्थान अपनी अलग चयन प्रक्रिया आयोजित करता है। नतीजतन, विद्यार्थी को समान प्रकृति के अनेक साक्षात्कारों से गुजरना पड़ता है। यह पुनरावृत्ति समय, संसाधन और ऊर्जा की अनावश्यक खपत है। दोहराव विद्यार्थियों के लिए प्रशासनिक, सामाजिक एवं आर्थिक बोझ बन जाता है। सबसे पहले आर्थिक पक्ष सामने आता है। हर आवेदन के साथ शुल्क, साक्षात्कार के लिए यात्रा और ठहरने का खर्च तथा कई बार कार्य या पढ़ाई से अनुपस्थिति की कीमत–सब मिलकर एक बड़ा वित्तीय दबाव बनाते हैं। छोटे शहरों या सीमित आय वाले परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह चरण विशेष रूप से कठिन हो सकता है। कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल इसलिए सभी अवसरों का लाभ नहीं उठा पाते, क्योंकि वे हर शहर तक पहुंचने का खर्च वहन नहीं कर सकते। यदि उत्कृष्टता तक पहुंच आर्थिक सामर्थ्य पर निर्भर होने लगे, तो योग्यता की अवधारणा कमजोर पड़ जाती है। आर्थिक बोझ के साथ मानसिक और सामाजिक दबाव भी जुड़ा होता है। प्रवेश सत्र के दौरान छात्रों को कम समय में कई यात्राएं करनी पड़ती हैं। तिथियों का टकराव, अनिश्चितता और बार-बार मूल्यांकन की प्रक्रिया तनाव बढ़ाती है। महिला उम्मीदवारों और दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा एवं ठहराव की चिंता अतिरिक्त चुनौती बन जाती है। प्रश्न यह है कि क्या इस स्थिति को किसी भी विद्यार्थी-हितैषी व्यवस्था के अनुरूप देखा जा सकता है? इस संदर्भ में सिर्फ विद्यार्थियों को नहीं, बल्कि संस्थानों को भी समन्वित व्यवस्था के अभाव का दुष्परिणाम झेलना पड़ता है। एक मेधावी छात्र को कई आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी इत्यादि से प्रस्ताव मिल सकते हैं। वह अपनी पसंद का इंतजार करते हुए अन्य संस्थानों में अस्थायी रूप से सीट स्वीकार करता है और शुल्क राशि जमा कर देता है। इससे बड़ी धनराशि महीनों तक फंसी रहती है। जब छात्र अंतिम निर्णय लेता है, तो दूसरी जगह जहां उसने शुल्क राशि जमा की है, वहां सीटें खाली हो जाती हैं और प्रतीक्षा सूची को फिर से अद्यतन करना पड़ता है। पूरी प्रक्रिया लंबी और अनिश्चित बन जाती है, जिससे प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। हालांकि हाल के वर्षों में कुछ नए आईआईएम ने कॉमन एडमिशन प्रोसेस जैसी पहल शुरू की है, जहां साझा साक्षात्कार आयोजित किए जाते हैं। कुछ अन्य ने संयुक्त प्रवेश प्रक्रिया जैसी व्यवस्थाओं का प्रयोग किया है, मगर ये व्यवस्थाएं स्थायी और सार्वभौमिक नहीं हैं। सभी आईआईएम इनमें शामिल नहीं होते और समूहों की संरचना बदलती रहती है। इससे आंशिक समन्वय तो दिखता है, मगर मूल समस्या का समाधान नहीं होता। देखा जाए तो आज लगभग हर राज्य में कोई न कोई केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थान मौजूद हैं, जोकि अपने आप में एक अवसर है।

यदि सीएटी के बाद एक मानकीकृत साझा साक्षात्कार प्रक्रिया इन क्षेत्रीय केंद्रों पर आयोजित की जाए, तो छात्र अपने निकटतम शहर में इस प्रवेश प्रक्रिया में आसानी से उपस्थित हो सकते हैं। जिसके बाद एक पारदर्शी केंद्रीय काउंसलिंग प्रणाली के माध्यम से सीट आवंटन किया जा सकता है, जिसमें संस्थानों की प्राथमिकता, विद्यार्थियों की रैंक और आरक्षण नीति का संतुलित समावेश हो। इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश प्रणाली में इस प्रकार की केंद्रीकृत व्यवस्था पहले से लागू है। हर संस्थान अपने चयन मानदंड और शैक्षणिक मानकों के अनुरूप एकीकृत साक्षात्कार प्रक्रिया को अमल में ला सकता है। यह प्रक्रिया के दोहराव को समाप्त करने की दिशा में एक अहम पहल हो सकती है, जिससे संचालन तंत्र की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी, साथ ही सीएटी के मूल उद्देश्य तक पहुंचना भी संभव हो जाएगा। यानी एक ऐसी प्रवेश प्रक्रिया, जिसमें सभी प्रबंधन संस्थानों की एक ही मंच के माध्यम से लिखित परीक्षा, साक्षात्कार, काउंसलिंग और शुल्क जमा करने की व्यवस्था हो। भारत आज वैश्विक शिक्षा केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केवल उत्कृष्ट संस्थान ही नहीं, बल्कि निष्पक्ष और सुव्यवस्थित प्रवेश प्रणाली का होना भी आवश्यक है। यहां प्रश्न क्षमता का नहीं, इच्छाशक्ति का है। क्या हम ऐसी व्यवस्था बनाने पर गंभीरता से विचार करेंगे, जो विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके समय, धन और ऊर्जा का सम्मान एवं संरक्षण करे? क्या हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उत्कृष्टता तक पहुंच केवल प्रतिभा पर निर्भर हो, साधनों पर नहीं? अगर योग्यता को अवसर का आधार बनाना है, तो प्रवेश प्रक्रिया को भी उतना ही सुगम और सरल बनाना होगा।

– लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।

क्रोध बन जाता है विनाश की आग

चैतन्य नागर

मन की भावनाओं और व्याधियों के बारे में हम चर्चा चाहे जितनी कर लें, वे अपर्याप्त ही रह जाती हैं। शैक्षिक पाठ्यक्रम के विषय विज्ञान, गणित और भाषा पर केंद्रित रहते हैं, लेकिन इनमें मन की भावनाओं को समझने-समझाने को अधिक महत्व नहीं दिया जाता। जीवन में इन अपरीक्षित भावनाओं की नासमझी और असंतुलन से कई तकलीफें पैदा होती हैं। यह हमें अभी ठीक से समझ नहीं आया है। स्कूलों में शिक्षक और घरों में भी अभिभावक इन पर संवाद करने की आवश्यकता नहीं समझते। मन में होने वाली न जाने कितनी वेदनाओं का सीधा संबंध भावनाओं और उनकी अपर्याप्त तथा गलत समझ से ही है, इस सच्चाई से मुंह मोड?ा बड़ा नुकसानदेह है। भावनाओं की फेहरिस्त में क्रोध की जगह बहुत ऊपर है और हर आयु-वर्ग के लोगों के लिए यह एक विकट समस्या है। आपसी संबंधों में क्रोध, सड़क पर मामूली बातों पर हिंसा, प्रेम संबंधों में और महत्त्वाकांक्षाएं पूरी न होने पर पैदा होने वाला क्रोध, इम्तिहान में सफलता और नौकरी में प्रोन्नति न मिलने से उपजने वाला क्रोध। सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा या आत्महत्या के रूप में यह अक्सर जानलेवा भी हो जाता है। पर इनकी तरफ निहारने की कोई जरूरत ही महसूस नहीं होती। या तो हम इन्हें बेलगाम व्यक्त करते चले जाते हैं, या फिर इनका दमन करते रहते हैं।

दोनों के कुपरिणाम भी भुगतते रहते हैं। इस पर सोचने की जरूरत है कि दमन और अनियंत्रित अभिव्यक्ति के अलावा क्रोध से निपटने का कोई मध्य मार्ग भी है क्या। लगता तो ऐसा है जैसे क्रोध अचानक कभी भी, कहीं भी उमड़ पड़ता है। किसी पर बहुत अधिक चीखने और उसे आहत करने का मन करता है। पढ़े-लिखे, संभ्रांत लोग इसे बारीक, चालाक तरीकों से व्यक्त करने की कला सीख लेते हैं। अरस्तू कहते थे– 'सही व्यक्ति पर, सही मात्रा में, सही समय पर, सही उद्देश्य और ढंग से क्रोध करना चाहिए, पर यह हर किसी के वश की बात नहीं।इ जब मन में क्रोध का विस्फोट होता है, तो सही मात्रा, जगह और समय का भान ही किसे रह जाता है। क्या इसके कारण सिर्फ बाहरी परिस्थितियों में हैं या इसकी जड़ें मन की ऐसी गहराइयों में छिपी हैं, जहां पहुंचना संभव नहीं। संभवतः क्रोध का पहला कारण है किसी इच्छा का पूरा न होना। जब संसार हमारे खुद के कथानक के विरुद्ध चलता है, सारी योजनाएं टूटकर बिखर जाती हैं, तो मन बौखला उठता है। हम अपेक्षा करते हैं कि जीवन हमारे अपने रंग में ही रंग जाए। जब ऐसा नहीं होता, तब गुस्सा भड़क उठता है। जितनी अधिक ताकत के साथ हम अपनी अपेक्षाओं को थामते हैं, उनके अपूरित होने पर उतनी ही गहरी चोट लगती है और उतना ही गुस्सा आता है। अपूरित इच्छाओं के नीचे अक्सर भय भी छिपा रहता है। भय को क्रोध के वस्त्र पहनना भाता है। जब भी हानि, अपमान, असुरक्षा या फिर अज्ञात का भय सताता है, तब मन क्रोध का कवच ओढ़ लेता है। भय के पीछे दुबक जाता है। घायल पशु भयभीत होकर ही सबसे अधिक गुरार्ता है। भय हमें असुरक्षित भी महसूस कराता है। आकार में छोटे पशु अक्सर बहुत आक्रामक हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें बड़ी असुरक्षा महसूस होती है। असुरक्षा, भय और क्रोध के बीच का सीधा और स्पष्ट संबंध होता है। अहंकार क्रोध के लिए उर्वर भूमि है। सम्मान पर चोट, अपमान का अंदेशा, अपनी छवि पर मंडराता खतरा– ये सभी क्षण भर में क्रोध की आग भड़का देते हैं। सबसे खतरनाक होता है संचित पीड़ाओं से जन्मा क्रोध। मौन में पाला गया रोष, बरसों पुराने जख्म, जंग लगी रंजिशें राख के नीचे अंगारों की तरह सुलगती रहती हैं। हवा का एक हल्का झोंका काफी होता है उन्हें भड़काने के लिए। यही वह क्रोध है जो परिवारों और राष्ट्रों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी जहर भरता रहता है, उन्हें भीतर और बाहर से तोड़ देता है। गौर से देखें तो क्रोध एक झटके में हमें आसपास के वातावरण से बिल्कुल अलग कर देता है। हम पूरी तरह भूल जाते हैं कि हमारा चिल्लाना-चीखना, हमारे हाव-भाव बाकी लोगों को कितने हास्यास्पद और अनावश्यक भी लग रहे होंगे।

सवाल उठता है कि क्रोध का मुकाबला हम कैसे करें। शायद पहला उपचार है जागरूकता। जब क्रोध उमड़ता है, तो क्या उसे थोड़ा ठहर कर देखा जा सकता है। यूनानी दार्शनिक एपिक्टेटस कहते हैं– 'तुम्हारे साथ जो होता है, वह मायने नहीं रखता। मायने यह रखता है कि तुम उसका प्रत्युत्तर कैसे देते हो।इ क्रोध को तुरंत व्यक्त न करके उसे सिर्फ देखते रहने से आवेग और प्रतिक्रिया के बीच एक अंतराल बनता है। यह अंतराल ही समझ के लिए जगह बना सकता है। जब क्रोध आए, तो क्या उसी समय हम बिल्कुल शांत बैठ सकते हैं और यह देख सकते हैं कि मन में क्या चल रहा है। शांत अवलोकन की ऊर्जा अक्सर क्रोध की आग को शांत करने का काम करती है। प्रयोग के तौर पर यह जरूर किया जाना चाहिए। क्षमा करना भी एक कारगर उपाय है, पर इसके लिए गहरी आत्मिक दृढ़ता की आवश्यकता है। क्षमा करना अपराध को स्वीकार करना नहीं। इसका अर्थ यह है कि हम दूसरों के प्रति द्वेष को बोझ के रूप में ढोना नहीं चाहते। कृतज्ञता भी क्रोध की एक कारगर औषधि है। कृतज्ञ हृदय के पास कटुता के लिए जगह कम रह जाती है। कृतज्ञता शांत है, क्रोध उग्र।

– लेखक के निजी राय हैं।

आज का पंचांग

दैनिक पंचांग

30 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.22 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कर्क	08.36 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.52 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	13.04 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.14 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.29 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.50 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.37 बजे से
		मीन	01.09 बजे से
		मेष	02.40 बजे से
		वृष	04.20 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 150 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 11.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 13.21 बजे को समाप्त।
योग शिव अहोरात्र।
करण वणिज 11.58 बजे तदनन्तर विष्टि 01.06 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21°44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872725
जूलियन दिन 2461190.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 13
विशेष पूर्णिमा व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से 07.23	बजे तक	लाभ	05.37	से 07.10	बजे तक
शुभ	07.23	से 08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10	से 08.42	बजे तक
रोग	08.51	से 10.19	बजे तक	शुभ	08.42	से 10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19	से 11.46	बजे तक	अमृत	10.14	से 11.47	बजे तक
चर	11.46	से 01.14	बजे तक	चर	11.47	से 01.19	बजे तक
लाभ	01.14	से 02.42	बजे तक	रोग	01.19	से 02.51	बजे तक
अमृत	02.42	से 04.10	बजे तक	काल	02.51	से 04.23	बजे तक
काल	04.10	से 05.37	बजे तक	लाभ	04.23	से 05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8876

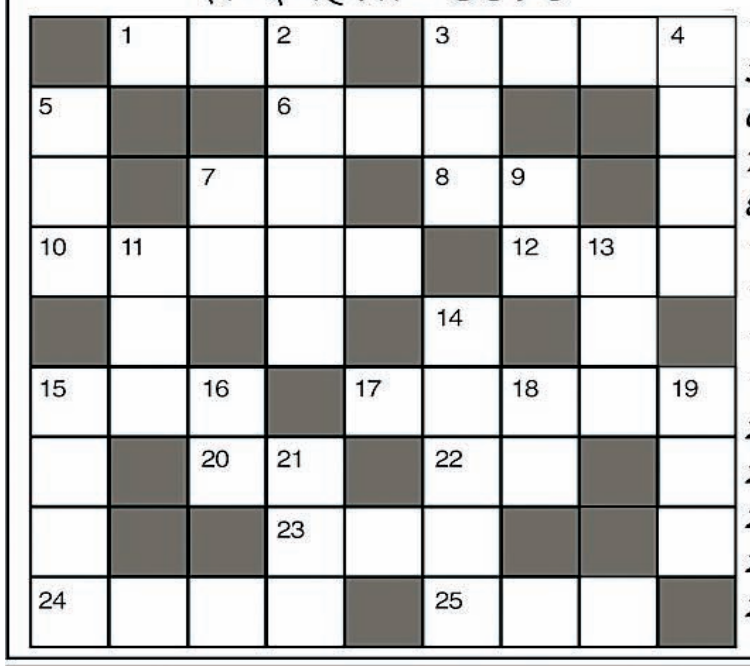

बाएँ से दाएँ

1. चोगा, गाऊन-3
3. पायजामा, शलवार-4
6. भाग्य, लक-3
7. सूर्य, भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता, निम्नता-5
12. मैडल, पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक, लेस-2
22. विलंब, लेट-2
23. जाँच, निरीक्षण-3
24. श्मशान, शवदाहगृह-4
25. साफ, बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता, उदारता-5
3. पाठ, शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन, मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप, लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा, हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8875 का हल

■	दा	वा	न	ल	■	ज	■	■
■	ग	■	मी	■	ना	मा	कू	ल
म	दा	री	■	स	ज	ना	■	बा
■	र	स	ना	■	न	■	जा	ल
आ	■	ना	म	र	ख	ना	■	ब
म	य	■	क	■	रा	श	न	■
रा	■	का	र	ण	■	क	म	रा
य	की	न	न	■	श	■	की	■
■	■	न	■	सा	व	धा	न	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकू

सूडोकु नवताल- 7810 ★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7809 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

'जैसे जिंदगी खत्म हो गई हो...

● रश्मि देसाई ने जब मां को कर दिया था ब्लॉक, बताया जीवन का सबसे बुरा दौर

टीवी शो 'तुम हो ना- घर की सुपरस्टार' के अपकमिंग एपिसोड में अभिनेत्री रश्मि देसाई भावुक नजर आईं। सामने आए प्रोमो में वह अपने जीवन के काले अध्याय के बारे में खुलकर बात करती नजर आईं। रश्मि ने बताया कि एक समय वह अपनी मां से पूरी तरह कट गई थीं और परिवार से भी पूरी तरह से दूर हो गई थीं। शो के होस्ट राजीव खंडेलवाल के साथ बातचीत में रश्मि ने बताया कि वह उनके जीवन का सबसे बुरा समय था। उन्होंने स्वीकार किया कि उस वक्त उन्हें लगा था कि उनका करियर और जिंदगी सबकुछ खत्म हो चुका है। रश्मि ने बताया कि उस दौरान उनकी मां से कोई बातचीत नहीं होती थी। उन्होंने उन्हें ब्लॉक कर दिया था और परिवार के किसी सदस्य से संपर्क नहीं था। रश्मि ने बताया, 'मुझे लगता था कि अब मेरी जिंदगी यहीं खत्म हो गई है। इस घर से बाहर निकलते ही मेरा करियर चला जाएगा, निजी जिंदगी चली जाएगी। मेरे पास पैसे भी कम थे और न ही मेरे पास कुछ ऐसा था, जिस पर भरोसा किया जा सके। ' उन्होंने नदीम भाई का विशेष रूप से आभार जताते हुए बताया कि उन्होंने उस मुश्किल समय में उनकी बहुत मदद की। रश्मि ने बताया, 'निधि, जीविता और नदीम भाई, ये तीन लोग ही थे जो मेरी पूरी हकीकत जानते थे। मैं कभी झूठ नहीं बोलती और न ही कहानियां बनाती हूं। चार साल बाद या दस साल बाद भी मुझसे पूछोगे तो जवाब वही होंगे। रश्मि ने इस अनुभव से मिले सबक पर भी बात की। उन्होंने बताया कि गलतियां जीवन का हिस्सा हैं। हम उन्हें बार-बार सोच-सोचकर बड़ा बना लेते हैं।

लेकिन, असल में दूसरों की गलतियों से ज्यादा हम अपनी गलतियों से सीखते हैं। रश्मि ने कई महिलाओं को संदेश दिया कि जीवन को फिर से शुरू करना ठीक है। अपनी गलतियों को स्वीकार करें और जो कुछ झेला है, उसे खुलकर कहें। उन्होंने बताया कि जब सब आपके खिलाफ हों, वही सबसे अच्छा समय होता है। उस वक्त वे लोग जिनकी आपकी जिंदगी में अहमियत नहीं और वैसी ही चीजें अपने आप निकल जाती हैं और सिर्फ वही रह जाते हैं, जो आपके लिए सही हैं। रश्मि ने बताया कि उनकी मां से बातचीत साल 2020 के फरवरी में उनके जन्मदिन के बाद फिर से शुरू हुई थी। रश्मि ने बताया कि बहुत सारी गलतफहमियां थीं। वह खुद को विद्रोही और बेहद महत्वाकांक्षी लड़की मानती हैं। जब वह कुछ करना चाहती थीं तो उनकी मां डर जाती थीं।

'ये तुहें बर्बाद कर देगा'

बॉलीवुड के इन सितारों ने दी थी हनी सिंह को सलाह; नशे से दूर रहने की दी

थी चेतावनी दुनिया यो यो हनी सिंह के करियर के उस दौर से अच्छी तरह वाकिफ है, जब वह सफलता के शिखर पर होते हुए भी नशे की लत से जूझ रहे थे। साथ ही वह बाइपोलर डिसऑर्डर से भी गुजर रहे थे, जिसकी वजह से उन्हें कुछ समय के लिए इंडस्ट्री से दूर होना पड़ा। अब सिंगर-रैपर ने खुलासा किया है कि बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और अक्षय कुमार ने उन्हें उनके ड्रग्स के इस्तेमाल को लेकर पहले ही चेतावनी दी थी और कहा था कि यह उन्हें बर्बाद कर देगा।

शाहरुख और अक्षय के बारे में की बात

एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान हनी सिंह ने बताया कि शाहरुख खान और अक्षय कुमार अक्सर उन्हें नशे से दूर रहने की सलाह देते थे। उन्होंने अपने करियर, फेम, अकेलेपन और अपने डाउनफॉल के बारे में भी खुलकर बात की। .हनी सिंह ने इस बात को खारिज किया कि उनका डाउनफॉल फेम या एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की वजह से हुआ। उनका कहना है कि इसके लिए वह खुद और उनकी सोच जिम्मेदार थी। बातचीत के दौरान उन्होंने अपने करियर के उस दौर को याद किया, जब उन्होंने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों- शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, सलमान खान और अक्षय कुमार के साथ काम किया। उनके मुताबिक, इन सभी ने उन्हें कई बार उनके लाइफस्टाइल और बढ़ती लत को लेकर सावधान किया था। हनी सिंह ने कहा, 'मैं एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को किसी भी चीज के लिए दोष नहीं देना चाहता। मुझे बहुत कम उम्र में दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने और उनकी जिंदगी को करीब से देखने का मौका मिला। शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार- ये सभी बहुत ही सरल लोग हैं, इनमें कोई अंधेरा नहीं है... वे मुझे देखते थे और कहते थे कि जो मैं कर रहा हूं, उससे दूर रहूं, क्योंकि वह गलत है। खासकर शाहरुख खान और अक्षय कुमार। शाहरुख खान ने मुझसे कई बार कहा, 'ये तुम्हें खराब कर देगा, खत्म कर देगा और बर्बाद कर देगा।'

सोनाक्षी सिन्हा ने बताई अभिनय की खूबसूरती

'एक्टर होना हर बार नई दुनिया में कदम रखने जैसा है'

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी फिल्म 'सिस्टम' को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी बीच, फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय और अपने किरदार को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता का काम बाहर से देखने में जितना आसान लगता है, असल में उतना ही मुश्किल होता है। आईएएनएस से बात करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, ''जब कोई एक्टर किसी नए किरदार को निभाता है, तो वह उसकी पूरी दुनिया में कदम रखता है। हर फिल्म और हर रोल एक अलग जिंदगी की तरह होता है, जिसमें नियम, रिश्ते और परिस्थितियां बिल्कुल नई होती हैं। मुझे अभिनय हमेशा रोमांचक लगता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और महसूस करने का मौका मिलता है।'' सोनाक्षी ने कहा कि किसी भी प्रोफेशन को बाहर से देखकर पूरी तरह समझना मुश्किल होता है। जैसे वकील या डॉक्टर की दुनिया को समझना आसान नहीं होता, वैसे ही फिल्म इंडस्ट्री के अंदर क्या होता है, यह सिर्फ वही लोग जानते हैं जो खुद उस प्रक्रिया का हिस्सा रहे हों। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्में सिर्फ ग्लैमर और कैमरे तक सीमित होती हैं, लेकिन असल में एक फिल्म के पीछे बहुत सारे लोग, मेहनत और तैयारी होती है, जो मिलकर एक कहानी को आकार देती है।'' फिल्म 'सिस्टम' में सोनाक्षी सिन्हा एक वकील का किरदार निभा रही हैं, जिसका नाम नेहा राजवंश है। उसके पिता रवि राजवंश उन्हें खुद को साबित करने की चुनौती देते हैं और सामने एक शर्त रखते हैं, जिसमें 10 केस जीतने की बात कही जाती है।

सूर्या की 'करुप्पु' का तूफान जारी

पिछले कुछ महीने साउथ सिनेमा के लिए शानदार साबित हुए हैं. जहां एक तरफ मोहनलाल की 'दृश्यम 3' है, तो दूसरी ओर सूर्या भी धमाल मचा रहे हैं. एक्टर की फिल्म को 13 दिन पूरे हो गए हैं. साथ ही सूर्या और तृषा कृष्णन का अब अगला टारगेट ही 300 करोड़ रुपये है. कैसे ओवरसीज ने ही एक्टर के लिए पूरा खेल सेट कर लिया. सूर्या की 'करुप्पु' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा देखने को मिल रहा है. फिल्म को 14 दिन पहले ही थिएटर्स में रिलीज किया गया था. वहीं, 13 दिन का कलेक्शन सामने आ गया है. सूर्या के करियर की 'करुप्पु' सबसे बड़ी फिल्म बन गई है. साथ ही तृषा कृष्णन ने भी हर किसी को काफी इम्प्रेस किया है. खैर, 13वें दिन भी फिल्म थमने का नाम नहीं ले रही है. बीते दिन के मुकाबले फिल्म की कमाई में 10.1 परसेंट कमी आई है. साथ ही बुधवार को भारत से 4.45 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. अच्छी बात है कि वीक डेज में भी चीजें संभली हुई है, जिससे वीकेंड पर कमाई बढ़ने की उम्मीद बनी हुई है. साथ ही दुनियाभर से इस पिक्चर ने 258.85 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है. अब जानिए ओवरसीज से ही सारा खेल कैसे बन गया.

दवाइयां हुईं फेल तो टीवी एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री के काम आया योग

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नारायणी शास्त्री ने गुरुवार को अपनी सेहत से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि रात को उतनी तबीयत अचानक इतनी खराब हो गई थी, जिससे उन्हें आधी रात में अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में अभिनेत्री बताती हैं कि रात करीब 2 बजे उनके पेट में असहनीय दर्द शुरू हो गया। शुरू में, तो उन्हें लगा कि यह सिर्फ गैस की सामान्य समस्या है, लेकिन दिक्कत ज्यादा बढ़ी, तो उन्हें अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में नारायणी शास्त्री कहती हैं, 'पिछली रात मेरे लिए बहुत भयावह थी। रात करीब 2 बजे मेरे 'एब्डोमेन' में बहुत तेज दर्द शुरू हो गया था। पहले तो मुझे लगा कि ये मामूली-सा गैस का दर्द है, लेकिन दर्द किसी एक खास जगह पर नहीं था, बल्कि पूरे पेट के हिस्से में हो रहा था, इसलिए मैंने पुदीना, अजवाइन और जो कुछ भी मेरे पास था, सब आजमाकर देखा, लेकिन दर्द बढ़ता ही जा रहा था। फिर मेरे पति टोनी मुझे तुरंत अस्पताल ले गए। ' उन्होंने बताया, 'दर्द इतना हो रहा था कि मैं लोट-पोट हो रही थी। मुझे चक्कर भी आ रहा था। डॉक्टर ने तुरंत मुझे पेनकिलर दी। मेरे सीटी स्कैन और ब्लड टेस्ट की सभी रिपोर्ट सामान्य आईं, किसी तरह की कोई समस्या नहीं मिली। इसके बाद जब मैं घर लौटी, तो सोचने लगी कि आखिर परेशानी की वजह क्या हो सकती है। मुझे लगा कि शायद मेरी नाभि खिसक गई है। फिर मैंने कुछ योग अभ्यास किए और अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रही हूं। योग की जय हो। नारायणी शास्त्री पिछले दो दशकों से मनोरंजन जगत का हिस्सा रही हैं। उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी,' 'पिया का घर,' और 'रिश्तों का चक्रव्यूह' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में अपने दमदार किरदारों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है।

अश्विनी अय्यर तिवारी की 'सिस्टम' बनी प्राइम वीडियो पर हते की नंबर 1 नॉन-इंग्लिश फिल्म

प्राइम वीडियो की लेटेस्ट ओरिजिनल फिल्म 'सिस्टम' इस हफ्ते दुनियाभर में प्लेटफॉर्म की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली नॉन-इंग्लिश ओरिजिनल फिल्म बन गई है। 22 मई को रिलीज हुई इस कोर्टरूम थ्रिलर ने बेहद कम समय में शानदार सफलता हासिल करते हुए 26 देशों में 'टॉप 10' टाइटल्स की लिस्ट में अपनी जगह बना ली है। विशेषाधिकार और रसूख की दुनिया की पृष्ठभूमि पर बनी 'सिस्टम' एक प्रभावशाली कोर्टरूम थ्रिलर है, जो यह दिखाती है कि न्याय सिर्फ अदालत के फैसलों में नहीं, बल्कि सच का सामना करने में भी छिपा होता है। भारत समेत दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीम हो रही इस फिल्म को इसकी शानदार कहानी, दमदार किरदारों और इमोशनल स्क्रीनप्ले के लिए खूब सराहा जा रहा है।

'कृष्णावतारम' में पौराणिक कथा नहीं

इतिहास दिखाया गया: अभिनेत्री संस्कृति जयना

अभिनेत्री संस्कृति जयना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कृष्णावतारम' को लेकर लगातार सुर्खियों बटोर रही हैं। पौराणिक-ऐतिहासिक फिल्म में उन्होंने 'सत्यभामा' का किरदार निभाया है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने बताया कि इसकी कहानी को सत्यभामा के नजरिए से बनाया गया है। अभिनेत्री संस्कृति जयना ने बातचीत में कहा, 'फिल्म में कई ऐसी कहानियां और प्रसंग शामिल किए गए हैं, जिनके बारे में शायद आम लोगों को भगवान कृष्ण के संदर्भ में जानकारी न हो। सत्यभामा भी भगवान श्री कृष्ण के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं।' अभिनेत्री संस्कृति जयना ने छोटी दिवाली के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा, 'आज बहुत से कम लोग जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण और सत्यभामा ने मिलकर अत्याचारी असुर नरकासुर का वध किया था, जिसकी खुशी में आज हम सभी लोग हर साल 'छोटी दिवाली' (नरक चतुर्दशी) मनाते हैं। ये ऐसी अनसुनी कहानियां हैं जो आज की पीढ़ी को शायद नहीं पता। इस फिल्म के माध्यम से वे अपनी समृद्ध विरासत के इन सुनहरे पन्नों से रूबरू हो सकेंगे। ' जब अभिनेत्री संस्कृति जयना से पूछा कि क्या आज का सिनेमा अपनी जड़ों और आध्यात्मिकता से दूर हो रहा है तो अभिनेत्री ने कहा, 'मैं पूरी फिल्म इंडस्ट्री पर टिप्पणी नहीं कर सकती, लेकिन हम अपनी फिल्म के जरिए लोगों को संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से फिर से जोड़ने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से मुझे इन कहानियों को 'पौराणिक कथाएं' कहना पसंद नहीं है, क्योंकि हमारे लिए यह इतिहास है। हमारे पास द्वारका जैसी जगहों के सबूत मौजूद हैं और हमारी विरासत से जुड़े ऐसे कई और भी पहलू हैं। संस्कृति जयना ने अपने किरदार के बारे में विस्तार से बात करते हुए बताया कि सत्यभामा की इस यात्रा के जरिए दर्शक न केवल उनके चरित्र को समझेंगे, बल्कि भगवान कृष्ण, राधा रानी और रुक्मिणी जी के बीच गहरे रिश्तों को भी एक नजरिए से देख पाएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं सत्यभामा से बहुत ज्यादा जुड़ाव महसूस करती हूं। वह बहुत ही सरल स्वभाव की थीं और अपनी भावनाओं को जाहिर करने से कभी नहीं डरती थीं। वह बहुत साहसी थीं और हमेशा सच के साथ खड़ी रहती थीं। असल में, इसी वजह से उन्हें 'सत्यभामा' नाम मिला था। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आज की महिलाएं उनके इस सफर से बहुत मजबूती से जुड़ पाएंगी, क्योंकि वे भी अपनी हिम्मत और अपनी आवाज को ढूंढ़ने की कोशिश कर रही हैं। सत्यभामा उसी ताकत और हिम्मत की प्रतीक थीं। मैं भी उनके इसी भावनात्मक सफर से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हूं। '

सलमान खान संग दी हिट इसके बाद बैक टू बैक 8 फ्लॉप्स

अब 7 साल बाद 'दुनियादारी' से कर रहे वापसी

बॉलीवुड इंडस्ट्री में गोविंदा को काफी समय हो चुका है और उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं. उन्होंने स्टारडम का दौर भी देखा है और इसी के साथ उन्होंने वो दौर भी देखा है जब उनकी फिल्में सिनेमाघरों में कोई खास कमाल नहीं दिखा सकीं. अब एक्टर 7 साल बाद एक बार फिर से सिनमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं. ऐसे में आइए जानते हैं कि उनकी पिछली कुछ फिल्मों का हिट-एंड फ्लॉप्स का ट्रैक रिकॉर्ड कैसा रहा है. बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में गोविंदा का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता रहा है. उन्होंने 90ह्य के दशक में फैंस का खूब मनोरंजन किया. इसी के साथ उन्होंने अपनी डांसिंग स्टाइल से भी पीढ़ियों को इंप्रेस किया और आज भी लोग उनकी डांसिंग के मुरीद है. लेकिन गोविंदा ही वो एक्टर हैं जो स्टारडम की बुलंदियों तक पहुंचने के बाद भी फ्लॉप साबित हुए और दोबारा खुद को बॉक्स ऑफिस के मैदान पर साबित नहीं कर सके. एक समय बैक टू बैक ब्लॉकबस्टर देने वाले गोविंदा को वो दिन भी देखना पड़ा जब उनकी कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं टिक सकी. बैक टू बैक उनकी 8 फिल्में ऐसी रहीं जो औंधे मुंह गिर गईं. अब वे एक बार फिर से वापसी को लेकर चर्चा में हैं. वैसे तो कहा जाता है कि गोविंदा का दौर 2000 की स्टार्टिंग के बाद से ही खत्म हो गया था और वे अपनी उस दौरान की सफल फिल्मों की वजह से ही आज भी याद किए जाते हैं. क्योंकि इसके बाद सोलो एक्टर के तौर पर उनकी अपीयरेंस भी कम नजर आई और वे लीड एक्टर के रोल के लिए अनफिट भी होते चले गए.

एनएच 327एडी पर सड़क को बनाया मक्का सुखाने का अड्डा, हर पल मंडरा रहा हादसे का खतरा

एजेंसी

सुपौल। जिले के सरायगढ़-गणपतगंज होकर गुजरने वाले नेशनल हाईवे 327 एडी पर इन दिनों सड़क सुरक्षा पूरी तरह से भगवान भरोसे नजर आ रही है। हाईवे के कई हिस्सों पर खुलेआम सड़क पर मक्का सुखाया जा रहा है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो कभी भी बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। हाईवे पर कई जगहों पर किसानों एवं स्थानीय लोगों द्वारा सड़क के किनारे से लेकर बीच हिस्से तक मक्का फैला दी जाती है। दिनभर वाहनों की आवाजाही के बीच सड़क पर फैली मक्का के कारण बाइक, साइकिल और छोटे वाहनों के फिसलने का खतरा बना रहता है।

खासकर दोपहिया वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार बाइक चालक अचानक संतुलन खो बैठते हैं और दुर्घटना होने से बाल-बाल बचते हैं। सड़क पर बिखरे मक्के के दानों के कारण टायर स्लिप करने लगते हैं, जिससे वाहन अनियंत्रित हो सकता है। रात के समय यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है, क्योंकि दूर से सड़क पर फैली मक्का स्पष्ट दिखाई नहीं देती।राहगीरों का कहना है कि हाईवे जैसी व्यस्त सड़क पर इस तरह मक्का सुखाना पूरी तरह लापरवाही है। सड़क पर लगातार भारी वाहनों की आवाजाही रहती है और ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने आरोप लगाया कि कई बार मना करने के बावजूद कुछ लोग जबरन सड़क पर मक्का फैला देते हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से हाईवे पर मक्का सुखाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सड़क आम जनता की सुविधा और सुरक्षित आवागमन के लिए होती है, न कि कृषि उपज सुखाने के लिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द निगरानी बढ़ाने, जागरूकता अभियान चलाने और नियम तोड़ने वालों पर जुमार्ना लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

30 मई से 15 जून तक लगेगा उत्तर बिहार संघ शिक्षा वर्ग

एजेंसी

बेगूसराय। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर बिहार संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन 30 मई से 15 जून तक बखरी, बेगूसराय में किया जाएगा। यह प्रशिक्षण वर्ग वर्ल्ड व्यू एकेडमी, मोहनपुर में आयोजित होगा, जो बेगूसराय शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर बेगूसराय-मझौल पथ पर स्थित है। वर्ग 30 मई शनिवार दोपहर से प्रारंभ होकर 15 जून की प्रातः तक चलेगा। प्रांत कार्यवाह अभय गर्ग ने बताया कि कार्य विस्तार, संगठन के दृढ़ीकरण तथा स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास में संघ शिक्षा वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी उद्देश्य से उत्तर बिहार प्रांत में इस वर्ग का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। वर्ग में 15 से

40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे स्वयंसेवक भाग ले सकेंगे, जिन्होंने प्राथमिक वर्ग का प्रशिक्षण प्राप्त किया हो। साथ ही शाखा टोली, मिलन प्रमुख एवं उससे ऊपर के दायित्वधारी कार्यकर्ता भी इसमें शामिल हो सकते हैं। विभिन्न संगठनों के खंड, नगर एवं उससे ऊपर के सक्रिय दायित्वधारियों को भी सहभागिता का अवसर दिया गया है। प्रशिक्षण वर्ग में शारीरिक एवं बौद्धिक दोनों प्रकार के अभ्यास होंगे। प्रतिभागियों को दण्ड सहित पूर्ण गणवेश में आने का निर्देश दिया गया है। बौद्धिक सत्र के अंतर्गत संघ मंत्र के उद्गाता डॉ. हेडगेवार तथा संघ और स्वतंत्रता संग्राम विषय का अध्ययन कर आने को कहा गया है। इसके अलावा प्रार्थना, एक सुभाषित और एक संघ गीत कंठस्थ कर लाना अनिवार्य होगा। प्रतिभागियों को दैनिक उपयोग की सामग्री, ओढ़ने-बिछाने के सामान, थाली, ग्लास, डायरी-कलम आदि साथ लाने होंगे। वर्ग में प्रवेश के समय स्वास्थ्य प्रमाण पत्र एवं अनुमति पत्र लाना भी आवश्यक बताया गया है। आयोजन समिति ने स्वयंसेवकों से मूल्यवान वस्तुएं एवं आभूषण साथ नहीं लाने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश भाजपा कमिटी के सदस्य बने सुनील राम

बखरी/बेगूसराय। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष संजय सरावगी द्वारा घोषित 38सदस्यीय प्रदेश पदाधिकारियों की टीम में बेगूसराय से एकमात्र सुनील राम को जगह मिली है। जिले के बछवाड़ा विधानसभा निवासी व बिहार भाजपा महादलित प्रकोष्ठ के प्रांतीय संयोजक रह चुके सुनील को प्रदेश मंत्री बनाया गया है। जानकारी देते हुए पार्टी के जिला प्रवक्ता सिधेश आर्य ने बताया कि संघ और विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे सुनील राम को दायित्व देकर प्रदेश अध्यक्ष ने वस्तुतः कार्यकताओं का ही सम्मान किया है। वहीं यह भी साबित किया है कि भाजपा में जमीन से जुड़े कार्यकताओं को हमेशा तरजीह दी जाती है। अनुसूचित समाज से आने वाले नव मनोनीत प्रदेश मंत्री सुनील राम का बखरी से खासा जुड़ाव रहा है। रेलवे बोर्ड द्वारा गठित रेल यात्री सुख सुविधा समिति के सदस्य रहते सुनील ने सलौना स्टेशन में यात्री सुविधाओं के दृष्टिकोण से खासा प्रयास किया था। सुनील राम के प्रदेश मंत्री बनाये जाने पर नगर अध्यक्ष कामिनी कंचन, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मनोज महतो,पवन सिंह, कृष्ण मोहन चौधरी, प्रियांशु रघुवंशी, केशव मिश्रा,अंकी देव, शिम्पी गांधी, राजकुमारी देवी आदि ने बधाई दी है।

ट्रेन से कटकर एक की मौत

बेगूसराय। जिले के बरौनी-कटिहार रेलखंड स्थित लखमीनियां रेलवे स्टेशन के पूर्वी डंडारी ढाला के समीप अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से 42 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक कीद पहचान बलिया थाना क्षेत्र के अंबेडकर नगर निवासी जगदीश पासवान के पुत्र संजीव कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई संजय कुमार भारती ने बताया कि संजीव कुमार भागलपुर से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रेलवे ट्रैक पार करने के क्रम में वह अज्ञात ट्रेन की चपेट में आ गए। बताया जाता है कि उनकी पत्नी नीतू कुमारी भागलपुर के एक निजी नर्सिंग होम में एएनएम के पद पर कार्यरत हैं। घटना के बाद पत्नी व बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा गांव में शोक का माहौल है।

जिला के टॉप टेन अपराधी दौलत गिरफ्तार

बेगूसराय। बेगूसराय पुलिस के द्वारा कुख्यात अपराधकर्मियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान एसटीएफ टीम के गुप्त सूचना के अधार पर उक्त पुलिस टीम के द्वारा बेगूसराय जिला के टॉप 10 अपराधकर्मी दौलत कुमार उर्फ हर्षवर्धन, पे०-विमल सिंह, सा०-पहसारा, थाना-नावकोठी, जिला-बेगूसराय को छापामारी कर नगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। नावकोठी थाना के द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने नालंदा में की विकास योजनाओं और बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

पटना/नालंदा। बिहार के उप मुख्यमंत्री-सह-नालंदा जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को नालंदा समाहरणालय स्थित हरदेव सभागार में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की पूर्व तैयारियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क निर्माण, कृषि, सिंचाई, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा, आपूर्ति, नगर विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की क्रमवार समीक्षा की गई। विभागीय अधिकारियों ने प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। उप मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से लंबित योजनाओं को शीघ्र पूरा करने और आम जनता से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बनाए रखने पर जोर दिया। जल संसाधन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने बाढ़ सुरक्षा, नहरों की सफाई, सिंचाई व्यवस्था और जल संरक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है, जिसके लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए।

बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्रीय समस्याओं और विकास कार्यों से जुड़े सुझाव रखे। इस पर उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की जवाबदेही है और योजनाओं का लाभ सरलता एवं पारदर्शिता के साथ लोगों तक पहुंचना चाहिए। बैठक में बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण प्रमंडल, बिहारशरीफ द्वारा की गई बाढ़-पूर्व तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

50 किमी लंबा रिंग रोड के सर्वे करने और डीपीआर तैयार करने का मंत्री ने दिया निर्देश

भागलपुर। बिहार के पथ निर्माण मंत्री सह बिहपुर विस भाजपा विधायक ई.शैलेंद्र ने शुक्रवार को कहा कि विक्रमशिला सेतु लगभग 50 किमी लंबा रिंग रोड से सीधे अगुवानी सेतू से जुड़ेगा। इसको लेकर विभाग के अधिकारियों को सर्वे करने और डीपीआर तैयार करने का निर्देश दे दिया है। मंत्री ईऔ शैलेंद्र ने कहा कि इससे न सिर्फ लोगों को एक अतिरिक्त सड़क का विकल्प मिलेगा। बल्कि राघोपुर के जाह्नवी चौक से अगुवानी/परबत्ता तक गंगा तटवर्ती क्षेत्र गंगा कटाव से भी सुरक्षित हो जाएगा। वहीं मंत्री ने कहा कि बिहपुर विस में लत्तीपुर-नन्हकार जमींदारी, राघोपुर-काजीकोरैया गंगा तटबंध समेत कालूचक, विशपुरिया, सिंहकुंड, गुवारीडीह आदि कोसी कटाव प्रभावित क्षेत्र में कटावरोधी कार्य मानसून प्रभावी होने के बाद होता था। मैंने इन जगहों पर मानसून पूर्व ही कटावरोधी कार्य शुरू कराने आदेश बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों को दे दिया है। उल्लेखनीय हो कि मंत्री ने गुरूवार को पूरे दिन उर्पयुक्त तटबंधों और कटाव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा भी किया था। यहां प्रो गौतम, प्रभुनन्दन चौधरी, उत्तम कुमार, सत्यप्रकाश सिंह, नूनू चौधरी, ई कुमार गौरव आदि ने उनका अभिनंदन किया।

साढ़े 47 लीटर देशी शराब के साथ तीन धंधेबाज गिरफ्तार

खोदावन्दपुर/बेगूसराय। खोदावंदपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए साढ़े 47 लीटर देशी शराब के साथ तीन धंधेबाज युवकों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने शराब को जब्त कर तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में शुक्रवार को भेज दिया है. मिली जानकारी के अनुसार खोदावंदपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि ई-रिक्शा के माध्यम से अवैध देशी शराब की खेप ले जाई जा रही है. सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने प्रखंड मुख्यालय चौक के समीप छापेमारी अभियान चलाया. इस दौरान पुलिस ने एक ई-रिक्शा को रोककर तलाशी ली, जहां एक गैलन में भरी करीब साढ़े 47 लीटर देशी शराब बरामद की गई. मौके से पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सागी पंचायत के नुरुल्लाहपुर गांव स्थित वार्ड 04 निवासी अवधेश रजक के पुत्र मनीष कुमार, फफौत पंचायत अंतर्गत तारा गांव के वार्ड 09 निवासी संतोष कुमार के पुत्र रक्षित कुमार तथा चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव के वार्ड 02 निवासी स्वर्गीय ईश्वर सहनी के पुत्र संयोगी सहनी के रूप में की गई है. थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद शराब को जब्त कर लिया गया है तथा तीनों आरोपितों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. आवश्यक पूछताछ के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में बेगूसराय भेज दिया गया. पुलिस की इस कार्रवाई से शराब धंधेबाजों में हड़कंप मचा हुआ है.वहीं थाना क्षेत्र में अवैध शराब धंधेबाज के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जाने की बात भी पुलिस द्वारा कही गई है।

विभिन्न थाना क्षेत्र से गायब लोगों को पुलिस ने किया बरामद

बेगूसराय। फुलवड़िया थाना कांड सं-114/26, दिनांक-25/05/26 धारा-87 इठर की अपहृता को फुलवड़िया थाना की पुलिस टीम के द्वारा फुलवड़िया थाना क्षेत्र से सकुशल बरामद किया गया। विधिसम्मत आवश्यक अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। छौड़ाही थाना कांड सं0-82/26, दिनाक 27/05/26, धारा-137(2)/140(3) बी०एन०एस० की गुमशुदा अपहृत दिव्यांशु कुमार उर्फ टुल्लू, उम्र करीब 14 वर्ष, पे०-संजीव कुमार, सा०-बटुराहा, थाना-छौड़ाही, जिला-बेगूसराय को छौड़ाही थाना के पुलिस टीम के द्वारा समस्तीपुर रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद किया गया।सिंघौल थाना कांड संख्या-142/26, दिनांक-23/05/26, धारा-96/137(2)/3(5)इठर की अपहृता को सिंघौल थाना के पुलिस टीम के द्वारा सकुशल बरामद किया गया है। विधिसम्मत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। सिंघौल थाना कांड संख्य-08/26 दिनांक-07/01/26 धारा 137(2) / 140* (2) इठर की अपहृता को सिंघौल थाना की पुलिस टीम के द्वारा बेगूसराय कोर्ट से सकुशल बरामद किया गया। विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

एसपी का बड़ा एक्शन, 21 थानाध्यक्षों का वेतन रोका

सीवान। गंभीर और चर्चित कांडों के त्वरित निष्पादन में लापरवाही बरतने वाले थानाध्यक्षों पर पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने बड़ी कार्रवाई की है। वरीय अधिकारियों के आदेशों की अनदेखी और कार्य के प्रति उदासीनता को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने जिले के 21 थानाध्यक्षों का वेतन तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना द्वारा गंभीर एवं चर्चित मामलों के शीघ्र निष्पादन और साक्ष्य पूर्ण कांडों में त्वरित विचारण सुनिश्चित कराने को लेकर सभी थानाध्यक्षों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए थे। इसके तहत पुलिस कार्यालय,सीवान की अभियोजन एवं त्वरित विचारण शाखा द्वारा पिछले दो माह से सभी थानों से अद्यतन कांडों की सूची मांगी जा रही थी। इसके बावजूद अधिकांश थानों द्वारा निर्धारित सूची उपलब्ध नहीं कराई गई।

कटिहार रेलमंडल के नये वाणिज्य प्रबंधक बने कुमार जितेंद्र सिंह

एजेंसी

कटिहार। कटिहार रेल मंडल के लोकप्रिय एवं अनुभवी रेल अधिकारी कुमार जितेंद्र सिंह को पदोन्नति देते हुए मंडल वाणिज्य प्रबंधक (डीसीएम) नियुक्त किया गया है। उनकी इस पदोन्नति से रेल अधिकारियों और कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है। इस नई नियुक्ति को उनके बेहतर सेवा रिकॉर्ड का सम्मान माना जा रहा है। कुमार जितेंद्र सिंह अपने सरल व्यवहार, कुशल कार्यशैली और प्रशासनिक दक्षता के लिए विख्यात हैं। इससे पहले उन्होंने सहायक वाणिज्य प्रबंधक (एसीएम) के रूप में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। एसीएम के कार्यकाल में यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार तथा रेलवे की वाणिज्यिक गतिविधियों को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद सराहनीय रही है। नई जिम्मेदारी मिलने पर कटिहार रेल परिवार ने कुमार जितेंद्र सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। रेल परिवार को उम्मीद है कि उनके अनुभव, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता का बड़ा लाभ अब पूरे कटिहार रेल मंडल को मिलेगा।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिखा रानी को डीएम ने दी बधाई

एजेंसी

बेगूसराय। भारत स्काउट एवं गाइड के सर्वोच्च सम्मान राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित बीहट (बेगूसराय) की होनहार छात्रा शिखा रानी ने आज जिला पदाधिकारी बेगूसराय श्री श्रीकांत शास्त्री से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने शिखा रानी को उनकी उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि शिखा रानी ने अपनी मेहनत, अनुशासन एवं प्रतिभा

के बल पर यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त कर न केवल अपने परिवार और शिक्षण संस्थान, बल्कि पूरे बेगूसराय जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि जिले के युवाओं एवं छात्र-छात्राओं के लिए शिखा रानी की उपलब्धि प्रेरणास्रोत है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय विद्यालय एचएफसी बरौनी की पूर्व छात्रा एवं बीहट निवासी शिखा रानी को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया द्वारा भारत स्काउट एवं गाइड के सर्वोच्च सम्मान राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शिखा रानी की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से जिले में गौरव एवं प्रसन्नता का वातावरण है।

सारण के 13 प्रखंडों में बनेंगे आधुनिक प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन

एजेंसी

सारण। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने आज जिले के 13 प्रखंडों में निमार्णाधीन नए प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवनों के कार्यों की प्रखंडवार विस्तृत समीक्षा की। समाहरणालय में आयोजित इस बैठक में भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न प्रखंडों के बीडीओ और अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में तेजी लाने का कड़ा निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि परसा, दिघवारा, मशरक, मढ़ौरा, एकमा, बनियापुर, मांझी और तरैया में काम विभिन्न चरणों में प्रगति पर है। सोनपुर और अमनौर में जल्द काम शुरू होगा, जबकि दरियापुर में ले-

आउट का कार्य चल रहा है। डीएम ने गरखा और जलालपुर में भी तुरंत काम शुरू कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यपालक अभियंता को अतिरिक्त संसाधन लगाकर समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। ये सभी नए भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। निर्बाध कार्य संचालन के लिए यहां समर्पित ट्रांसफार्मर, सोलर पैनल, जनरेटर और लिफ्ट की व्यवस्था होगी। जिलाधिकारी ने अंचल अधिकारियों को भविष्य के विस्तार को देखते हुए भूमि का व्यावहारिक ले-आउट तैयार करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, जिला सूचनाविज्ञान पदाधिकारी और आईटी मैनेजर को दो प्रखंडों का दौरा कर एल ए एन पोर्ट और आईटी अवसंरचना का आकलन करने की जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में उप विकास आयुक्त, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता, विकास शाखा प्रभारी तथा सहायक अभियंता उपस्थित थे।

गौ सम्मान आह्वान अभियान की बिहार प्रभारी साध्वी निष्ठा गोपाल पहुंची फारबिसगंज

एजेंसी

अररिया। गौ हत्या पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध और गौ माता को राजकीय माता के रूप में मान्यता दिलाए जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय स्तर पर चलाए जा रहे गौ सम्मान आह्वान अभियान की बिहार की मुख्य प्रभारी साध्वी निष्ठा गोपाल शुक्रवार को फारबिसगंज पहुंची।जहां उनका अभियान से जुड़े गौ रक्षकों ने बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी के नेतृत्व में स्वागत किया। गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत दूसरे चरण की हस्ताक्षर को लेकर फारबिसगंज के खाटू श्याम मंदिर के प्रांगण में मनोज सोनी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उन्होंने हिस्सा ली। राजस्थान से आई गौ सम्मान आह्वान अभियान के बिहार की मुख्य प्रभारी साध्वी निष्ठा गोपाल ने बैठक को संबोधित करते कहा कि दूसरे चरण की हस्ताक्षर के साथ प्रार्थना पत्र पूरे देशभर में एक साथ 27

जुलाई को जिला के सभी जिलाधिकारी को सौपा जाएगा।उन्होंने कहा कि गौ माता को सम्मान एवं संरक्षण मिले।साथ ही पूरे भारतवर्ष में गौ हत्या पूर्ण रूप से प्रतिबंध हो, गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा मिले। उनके संरक्षण एवं पालन पोषण के लिए मंत्रालय में विशेष कानून पास हो,ताकि गौ माता को उच्च सम्मान मिल सके। इसी उद्देश्य से भारत के बड़े-बड़े साधु संतों के आह्वान पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है 'उन्होंने बताया कि पहले चरण में लाखों गौ सेवकों ने हस्ताक्षर कर अपने-अपने क्षेत्र के एसडीएम कार्यालय में प्रार्थना पत्र सौंपा था। अब दूसरे चरण में 27 जुलाई को भारी समर्थन एवं हस्ताक्षर के साथ राज्य के प्रत्येक जिलाधिकारी को दिया जाएगा और गौ माता को उच्च दर्जा दिलाने के लिए सरकार पर दबाव डालने के लिए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग रखने का काम करेंगे। मौके पर बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी, जयकुमार अग्रवाल,भाजपा नेता प्रसेनजीत चौधरी,भाजपा नेत्री लक्ष्मी रंजन, संतोषी भगत,जयकुमार मंडल, उर्मिला तिवारी,मुस्कान सोनी, कामिनी यादव,रचना देवी,अस्मिता गुप्ता,विराट यादव, नवीन अग्रवाल, रितिक यादव, पूनम मिश्रा,अभिषेक कुमार दुबे, संतोष कुमार, सोनू भगत, गौरव पूर्वे साहित्य सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

खेत में पटवन के दौरान सांप के डसने से 18 वर्षीय छात्र की मौत

एजेंसी

भगवानपुर/बेगूसराय। भगवानपुर थाना क्षेत्र के रसलपुर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 3 में गुरुवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई। खेत में पटवन कर रहे 18 वर्षीय युवक की सर्पदंश से मौत हो गई। मृतक की पहचान भगवानपुर गांव वार्ड संख्या 3 निवासी राजीव यादव के पुत्र गुड्डू कुमार के रूप में हुई है।स्थानीय लोगों के अनुसार, गुड्डू कुमार गुरुवार अपराह्न करीब 4 बजे अपने पिता राजीव यादव के साथ गांव के पास स्थित अपने खेत में पटवन कर रहा था। खेत में

जनेरा की फसल लगी थी। पटवन के दौरान अचानक गुड्डू के पैर में किसी विषैले जीव के काटने का अनुभव हुआ। उसने तुरंत पिता को इसकी जानकारी दी।

पिता ने उसे घर जाने को कहा और खुद पाइप समेटने लगे।पटवन समाप्त होने के बाद जब पिता पाइप समेट रहे थे, तभी उनकी नजर एक विषैले सांप पर पड़ी। वे तुरंत समझ गए कि उनके बेटे को इसी सांप ने डसा है। वे भागकर घर पहुंचे और गुड्डू को लेकर पीएचसी भगवानपुर गए। पीएचसी भगवानपुर में मौजूद डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद गुड्डू की गंभीर हालत देखते हुए उसे सदर अस्पताल बेगूसराय रेफर कर दिया। परिजन उसे बेगूसराय ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही देर शाम करीब 8 बजे उसने दम तोड़ दिया। शव को वापस घर लाया गया। गुड्डू की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। मां पिंकी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त

मरियम नवाज की लाहौर में सर्जरी : अस्पताल से ही सरकारी कामकाज देखने का दावा, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की लाहौर के एक अस्पताल में बड़ी सर्जरी हुई है। प्रांतीय वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरियम नवाज का ऑपरेशन लाहौर के शरीफ मेडिकल सिटी अस्पताल में हुआ। सर्जरी पूरी होने के बाद उन्हें उनके निवास स्थान 'जति उमरा' में शिफ्ट कर दिया गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान भी मुख्यमंत्री ने राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों की निगरानी की। उन्होंने ईद-उल-अजहा के पहले दिन सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य सरकारी मामलों पर नजर रखी। हालांकि, मंत्री ने आधिकारिक तौर पर यह खुलासा नहीं किया कि यह सर्जरी किस वजह से की गई थी। सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के एक सूत्र ने संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री को थायराइड से संबंधित कुछ समस्याएं थीं। संभव है कि यह ऑपरेशन उसी समस्या के समाधान के लिए किया गया हो। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ यूजर्स इस बात को लेकर हैरान हैं कि सर्जरी के तुरंत बाद कोई व्यक्ति सरकारी कामकाज कैसे देख सकता है। अदील नाम के एक सोशल मीडिया एक्टिविस्ट ने 'एक्स' पर लिखा कि किसी भी बड़े ऑपरेशन के बाद मरीज को पूरी तरह होश में आने में कम से कम 24 से 48 घंटे का समय लगता है। एनेस्थीसिया और तेज दर्द निवारक दवाओं के असर के कारण मरीज को पूरे दिन नींद आती रहती है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में अचानक पूरे प्रांत की जिम्मेदारी संभालना मुमकिन नहीं लगता।

नफरत पर भारी पड़ी एकता : प्रिटोरिया के मंदिर में उत्पात के बाद एकजुट हुए 30 धार्मिक दल, दिया भाईचारे का संदेश

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया में एक हिंदू संगठन के मंदिर और कम्युनिटी हॉल में उत्पात की घटना सामने आई है। इस हरकत से पूरा समाज दुखी है। लेकिन नफरत फैलाने वाली इस कोशिश के खिलाफ सभी धर्मों के लोग एक साथ खड़े हो गए हैं। एकजुटता दिखाते हुए करीब 30 धार्मिक संगठनों ने एक साझा बयान जारी किया है। सभी ने प्रिटोरिया हिंदू सेवा समाज (पीएचएसएस) का पूरा साथ देने का वादा किया है। दरअसल, बीते सप्ताहांत कुछ शरारती तत्वों ने मंदिर की बाहरी दीवारों और कांच के दरवाजों पर कुछ नारे लिख दिए थे। त्शवाने के हिंदू, मुस्लिम और ईसाई संगठनों ने इस घटना की जमकर निंदा की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि लॉडियम के इस हिंदू मंदिर में उत्पात केवल एक समुदाय पर हमला नहीं है। यह हमारे आपसी सम्मान और शांति से रहने के तौर-तरीकों पर हमला है। पूजा करने की जगहें बहुत पवित्र होती हैं। ये जगहें प्रार्थना करने और समाज को जोड़ने के लिए होती हैं। इनका अपमान हम सबको चोट पहुंचाता है।

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से भारत दौरे पर, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

नेप्यीडा, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि म्यांमार के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून 2026 तक भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा राष्ट्रपति मिन की मौजूदा पद पर भारत की पहली यात्रा होगी। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कारोबारी नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। राष्ट्रपति मिन पहले 1 जून को होने वाले इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले थे, लेकिन अफ्रीकी महाद्वीप के कुछ देशों में इबोला वायरस के प्रकोप के कारण चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया। चूंकि द्वितीय सम्मेलन भी इसी आयोजन के साथ प्रस्तावित था, इसलिए उसे भी टाल दिया गया। इसके बावजूद म्यांमार के राष्ट्रपति अब भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मिन 1 जून को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता भारत और म्यांमार के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति मिन 30 मई को बिहार के बोधगया जाएंगे, जहां वे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का दौरा करेंगे। इसके बाद 2 जून को वह मुंबई पहुंचेंगे, जहां उद्योग और व्यापार जगत से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ-साथ विभिन्न औद्योगिक स्थलों का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर नीति में म्यांमार का विशेष महत्व है। ऐसे में यह यात्रा दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और गहरा तथा मजबूत बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस्राइल और रूस पर यौन हिंसा के आरोप, पहली बार ब्लैकलिस्ट में नाम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी होने वाली वार्षिक रिपोर्ट में इस बार इस्राइल और रूस की सेनाओं को पहली बार संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा के आरोपों के चलते ब्लैकलिस्ट में शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को औपचारिक रूप से जारी होने से पहले गुरुवार देर रात सामने आई। करीब 35 पन्नों की इस रिपोर्ट में दुनिया के 12 देशों के 77 सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों का उल्लेख किया गया है, जिन पर युद्ध और संघर्ष के दौरान यौन हिंसा में शामिल होने या जिम्मेदार होने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में ऐसे मामलों में पिछले साल की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस्राइल और कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों में हिरासत में रखे गए लोगों के खिलाफ यौन हिंसा के पैटर्न दर्ज किए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा और वेस्ट बैंक से जुड़े कई मामलों की पुष्टि भी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 14 पुरुषों, 7 महिलाओं, 9 लड़कों और 1 लड़की के साथ यौन हिंसा की घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, जननांगों पर हमला, जबरन नग्न करना, बिना सुरक्षा कारणों के तलाशी और दुष्कर्म की धमकियां जैसे आरोप शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने दावा किया कि कुछ मामलों में इस्राइल डिफेंस फोर्स, जेल सेवा, विशेष बलों और पुलिस इकाइयों के सदस्यों पर सीधे आरोप लगे हैं।

हृ पर भड़का इस्राइल; गुटेरेस से तोड़े संबंध : इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसे राजनीतिक और भ्रष्ट संगठन करार दिया। साथ ही कहा कि संयुक्त राष्ट्र लंबे समय से इस्राइल को निशाना बना रहा है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा बयान जारी कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र की यह कार्रवाई पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यह फैसला हमास द्वारा किए गए वास्तविक यौन अपराधों और इस्राइल के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बीच झूठी समानता पैदा करने की कोशिश है।

गुटेरेस पर लगाए गंभीर आरोप : इस्राइल ने इस मुद्दे पर सीधे संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को भी निशाने पर लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि गुटेरेस अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में बेबुनियाद आरोप गढ़ने का काम कर रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, यही गुटेरेस हैं जिन्होंने 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमास हमले को संदर्भित करने की कोशिश की थी और संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों की कथित संलिप्तता को छिपाया था। अब वे बिना किसी तथ्य के इस्राइल पर आरोप लगा रहे हैं। इस्राइल ने दावा किया कि उसने सभी आरोपों का पूरी तरह और स्पष्ट रूप से खंडन किया है। इस विवाद के बीच इस्राइल ने बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की कि नए महासचिव की नियुक्ति तक वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव कार्यालय के साथ सभी आधिकारिक संबंध समाप्त कर रहा है। इसे संयुक्त राष्ट्र और इस्राइल के रिश्तों में बड़ा तनाव माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल के राजदूत डैनी डैनन ने भी इस फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस्राइल को ब्लैकलिस्ट में डालना और हम पर युद्ध के हथियार के रूप में यौन हिंसा इस्तेमाल करने का आरोप लगाना बेहद शर्मनाक फैसला है। उन्होंने आगे कहा अब हमारा इस महासचिव से कोई संबंध नहीं बचा है। रूस की सेना और सुरक्षा बलों को भी पहली बार इस सूची में शामिल किया गया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि यूक्रेन युद्ध के दौरान युद्धबंदियों और नागरिक बंदियों के साथ यौन हिंसा की गई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, रूस और उसके कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों में 310 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें ज्यादातर पीड़ित पुरुष बताए गए हैं। हालांकि रूस ने भी इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि यह राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने कहा कि रूस भी यूक्रेन द्वारा रूसी युद्धबंदियों के साथ किए गए व्यवहार पर रिपोर्ट तैयार कर रहा है। रिपोर्ट में हमास का नाम भी शामिल है। 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हुए हमले के बाद हमास पहले से ही संयुक्त राष्ट्र की ब्लैकलिस्ट में मौजूद है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इस्राइल द्वारा जांच के लिए पर्याप्त पहुंच नहीं दिए जाने के कारण कई मामलों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।

'ईरान-अमेरिका समझौते के करीब लेकिन अभी डील नहीं हुई है', उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान

मैरीलैंड (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने और दीर्घकालिक शांति स्थापित करने की दिशा में बातचीत अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। हालांकि, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच अभी भी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है और यह कहना जल्दबाजी होगी कि अंतिम समझौता कब और क्या हो पाएगा। जेडी वेंस ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दोनों पक्ष कुछ बिंदुओं और विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, लेकिन काफी करीब हैं और बातचीत जारी रहेगी। वेंस ने दावा किया कि अगर समझौता हो जाता है तो इससे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर चुका है और उसके परमाणु कार्यक्रम को लंबे समय तक पीछे धकेलने की स्थिति में है। उनके अनुसार यह अमेरिकी जनता के हित में होगा।

युद्धविराम बढ़ाने का प्रस्ताव : रिपोर्टों के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में मौजूदा युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर औपचारिक वार्ता शुरू करने की योजना शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच एक रूपरेखा तैयार हो चुकी है, लेकिन उसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की मंजूरी मिलना अभी बाकी है। हालांकि, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि किसी समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और न ही इसकी पुष्टि हुई है।

परमाणु कार्यक्रम सबसे बड़ा मुद्दा : अमेरिका लंबे समय से ईरान से उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन बंद करने और मौजूदा भंडार को खत्म करने की मांग करता रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि इस सामग्री का उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। वेंस ने कहा कि अमेरिका को लगता है कि ईरान इस बार अच्छी नीयत के साथ बातचीत कर रहा है। हालांकि, अप्रैल में युद्धविराम लागू होने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप कई बार यह कह चुके हैं कि समझौता करीब है, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, संभावित समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का प्रावधान हो सकता है।

दिल्ली में नाबालिग से डिजिटल कुकर्म पर कोर्ट का कड़ा रुख, दोषी को 10 साल की जेल; इंस्टाग्राम वीडियो से खुला राज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने 14 वर्षीय पड़ोसी नाबालिग लड़के के साथ डिजिटल कुकर्म और यौन उत्पीड़न के मामले में एक व्यक्ति को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषी पर 8 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है, जिसे पीड़ित बच्चे को मुआवजे के तौर पर दिया जाएगा। एडिशनल सेशन्स जज वैभव मेहता ने फैसला सुनाते हुए कहा कि इस घिनौने कृत्य की वजह से मासूम बच्चे को गहरे शारीरिक और मानसिक आघात से गुजरना पड़ा है।

यह मामला नवंबर 2023 का है। दोषी मोहम्मद फरीद ने बच्चे को अपने घर बुलाकर उसका यौन उत्पीड़न किया था और इस पूरी वारदात का वीडियो बना लिया था। आरोपी ने बच्चे को धमकी दी थी कि यदि उसने मुंह खोला तो वह उसके पूरे परिवार को जान से मार देगा। इस डर की वजह से बच्चा महीनों तक चुप रहा। घटना के करीब 10 महीने बाद, जब आरोपी ने उस आपत्तिजनक वीडियो को इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया, तब पीड़ित बच्चे ने हिम्मत जुटाई और मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। बचाव पक्ष ने तर्क दिया था कि 10 महीने बाद एफआईआर दर्ज होने से केस संदिग्ध हो जाता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि आरोपी के डर और धमकी के कारण बच्चा चुप था, और इंस्टाग्राम पर वीडियो आने के बाद उसका शिकायत करना पूरी तरह तर्कसंगत है।

डिफेंस ने दावा किया कि वीडियो को एडिट किया गया है। कोर्ट ने फॉरेंसिक एक्सपर्ट की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वीडियो में किसी भी तरह की छेड़छाड़ या जालसाजी के सबूत नहीं मिले हैं। आरोपी ने यह भी दावा किया था कि उसे 5,000 से 10,000 रुपये के आपसी लेन-देन के विवाद में झूठा फंसाया जा रहा है, जिसे अदालत ने पूरी तरह निराधार माना। पीड़ित बच्चे की गवाही बनी सबसे बड़ा आधार अदालत ने अपने फैसले में 14 वर्षीय पीड़ित की गवाही को माना। जज ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि पुलिस शिकायत, मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज धारा 164 के बयान और कोर्ट ट्रायल के दौरान बच्चे का बयान पूरी तरह एक समान और अडिग रहा, जो उसकी सच्चाई को साबित करने के लिए पर्याप्त है।

दिल्ली में भीषण गर्मी से मिली राहत, राजधानी में कितने दिनों तक होगी बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। बृहस्पतिवार को भी दिल्ली वासियों ने दिन भर भीषण गर्मी और तेज धूप का सामना किया। लेकिन शाम को काले बादलों व तेज हवाओं के साथ हुई हल्की वर्षा से थोड़ी राहत मिली। तापमान में भी तीन से पांच डिग्री तक की गिरावट देखने को मिली। कहीं कहीं यह गिरावट ज्यादा भी रही। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिन वर्षा का यह दौर जारी रह सकता है। इससे तापमान भी काफी नीचे आ जाएंगे। शुक्रवार के लिए आरेंज जबकि शनिवार-रविवार के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। सुबह ही सूरज निकल गया था और दिन चढ़ने के साथ साथ धूप तीखी होती गई। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली गर्म हवाओं ने भी राजधानी वासियों का हाल बेहाल किए रखा। शाम छह बजे के बाद मौसम में थोड़ा बदलाव नजर आया। काले बादल छाए गए और तेज हवा के साथ विभिन्न इलाकों में हल्की वर्षा दर्ज की गई।

बृहस्पतिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री अधिक 41.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। एक दिन पूर्व की तुलना में यह करीब ढाई डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक 28.4 डिग्री दर्ज हुआ। हवा में नमी का स्तर 59 से 34 प्रतिशत तक रही। वर्षा रात साढ़े आठ बजे तक 3.3 मिमी दर्ज की गई। हवा की रफ्तार रात आठ बजे पालम में सर्वाधिक 60 किमी प्रति घंटे जबकि भारत मंडपम में शाम सात बजे 48 किमी प्रति घंटा तक देखने को मिली। इसके अलावा नारायणा, पीतमपुरा में यह 35 किमी जबकि जाफरपुर में 37 किमी प्रति घंटा तक दर्ज की गई। पालम में अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटों में 4.3 डिग्री कम है। लोधी रोड पर अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बुधवार की तुलना में 5.3 डिग्री कम है। रिज में अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन की तुलना में 5.4 डिग्री कम है। अयानगर में अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बुधवार की तुलना में 5.3 डिग्री कम है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि शुक्रवार को सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और 70 से 80 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ वर्षा होने का भी पूर्वानुमान है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 और 24 डिग्री रह सकता है। शनिवार और रविवार को भी ऐसा ही मौसम बने रहने का पूर्वानुमान है।

स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत ने बताया कि मानसून पूर्व वर्षा का यह दौर दिल्ली में मई की शुरुआत और अप्रैल में हुई मानसून वर्षा की तुलना में अधिक तीव्र होने की संभावना है, जिससे पूरे शहर में व्यापक वर्षा होगी।

स्पेलिंग बी के चैंपियन बने भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख; 90 सेकंड में बताए 32 शब्द, इतना मिला इनाम

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यू जर्सी के ईशान गुप्ता को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के निर्णायक स्पेल-ऑफ राउंड में श्रेय और ईशान को 90 सेकंड के भीतर अधिक से अधिक शब्दों की सही स्पेलिंग बताने का मौका मिला। श्रेय ने 90 सेकंड में 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई, जबकि ईशान 25 शब्द ही सही लिख सके। इसी प्रदर्शन के दम पर श्रेय को विजेता घोषित किया गया। श्रेय पारिख इससे पहले साल 2022 स्क्रिप्स स्पेलिंग बी में पारिख 89वें स्थान पर आए थे। साल 2024 में तीसरे स्थान पर रहे थे। 2024 में भी प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचे थे। इस जीत के साथ उन्हें 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि यानी लगभग 41.5 लाख रुपये अपने नाम कर ली। साथ ही एक स्मारक पदक, प्रतिष्ठित स्क्रिप्स कप, मेरियम-वेबस्टर की ओर से 2,500 डॉलर, डेल्टा एयरलाइंस की ओर से 1,000 डॉलर के फ्लाइट क्रेडिट और एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका की ओर से 400 डॉलर मूल्य की संदर्भ पुस्तकें प्रदान की जाएंगी। तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता सोमवार को वॉशिंगटन स्थित डीए आर कॉन्स्टिट्यूशन हॉल में शुरू हुई थी। इसमें अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, गुआम, प्यूर्टो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, यूरोप स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों और बहामास, कनाडा, घाना, नाइजीरिया व संयुक्त अरब अमीरात सहित पांच अन्य देशों के कुल 247 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दौर में नौ प्रतिभागियों ने जगह बनाई थी। वहीं, जॉर्जिया के 12 वर्षीय सर्व धारवाने तीसरे स्थान पर रहे। स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित स्पेलिंग प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसका आयोजन हर साल अमेरिका में किया जाता है। इस प्रतियोगिता में हजारों छात्र हिस्सा लेते हैं और कई चरणों से गुजरने के बाद विजेता का चयन होता है। इस प्रतियोगिता में केवल आठवीं कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं और उनकी उम्र 15 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रतियोगियों को सबसे पहले दो प्रारंभिक राउंड पास करने होते हैं। इनमें एक स्पेलिंग राउंड और एक मल्टीपल-चॉइस वोकैबुलरी राउंड शामिल होता है, जिसमें पहले से जारी शब्द सूची के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रारंभिक चरण में सफल रहने वाले प्रतिभागियों को लिखित स्पेलिंग और वोकैबुलरी टेस्ट देना पड़ता है। इसके बाद शीर्ष 100 या उसके आसपास के प्रतिभागी क्वार्टरफाइनल में पहुंचते हैं। क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल राउंड के दौरान प्रतिभागियों से मंच पर माइक्रोफोन के सामने स्पेलिंग और शब्दावली से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। गलत उत्तर देने वाले प्रतियोगी बाहर हो जाते हैं।

डील: 300 अरब डॉलर निवेश से लेकर लेबनान में हमले रोकने तक, आखिर समझौते में क्या-क्या शामिल?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने के लिए तैयार हो रही संभावित डील अब अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है। अगर यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो इसमें केवल युद्धविराम ही नहीं, बल्कि परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत, होर्मुज जलडमरूमध्य, लेबनान संकट और बड़े निवेश पैकेज जैसे कई अहम मुद्दे शामिल होंगे। प्रस्तावित समझौते के तहत अमेरिका और ईरान 60 दिनों तक संघर्षविराम बढ़ाएंगे। इसी अवधि में दोनों देश स्थायी शांति समझौते और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर विस्तृत बातचीत करेंगे। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान समुद्री बारूदी सुरंगें हटाएगा, जबकि अमेरिका नौसैनिक प्रतिबंधों में राहत देने पर विचार करेगा।

परमाणु कार्यक्रम पर सबसे बड़ी बातचीत : डील का सबसे संवेदनशील हिस्सा ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा है। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न करने की प्रतिबद्धता दे। साथ ही समृद्ध यूरेनियम के भंडार और भविष्य में यूरेनियम संवर्धन के नियमों पर भी बातचीत होगी। समझौते में अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत और विदेशों में फंसी ईरान की अरबों डॉलर की संपत्तियों को लेकर भी चर्चा शामिल है। ईरान लंबे समय से अपने जमे हुए फंड तक पहुंच की मांग करता रहा है। डील में लेबनान में जारी संघर्ष को कम करने और हिजबुल्ला व इस्राइल के बीच तनाव घटाने से जुड़ा प्रावधान भी शामिल बताया जा रहा है। हालांकि लेबनान को लेकर दोनों पक्षों की व्याख्या अलग-अलग बताई जा रही है। डील का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा करीब 300 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय निवेश और पुनर्निर्माण कार्यक्रम का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के अनुसार अंतिम समझौता होने पर अमेरिका ईरान में बड़े निवेश को सुगम बनाने में मदद कर सकता है। तेल, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अमेरिकी कंपनियों की एंट्री की संभावना भी जताई गई है।

गैर-विषय शिक्षकों ने जांचीं कॉपी, छात्रों से सोशल मीडिया पर सकारात्मक पोस्ट लिखवाने का दबाव!

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर उठे विवाद के बीच अब सवाल केवल धुंधली स्कैन कॉपियों, गलत मूल्यांकन और तकनीकी गड़बड़ियों तक सीमित नहीं रह गया है। बोर्ड पर आरोप लग रहा है कि वह सोशल मीडिया पर छात्रों से ओएसएम की पूरी मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर बोर्ड के समर्थन में पोस्ट करवाने के लिए कहलवा रहा है। साथ-साथ मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर भी नए-नए दावे सामने आ रहे हैं। कुछ परीक्षकों का आरोप है कि समय सीमा में मूल्यांकन पूरा करने के दबाव में विषय विशेषज्ञता तक से समझौता किया गया। विवाद की शुरुआत एक रेडिट पोस्ट से हुई, जिसमें एक छात्र ने दावा किया कि स्कूल के शिक्षक छात्रों से इंस्टाग्राम पर पोस्ट और स्टोरी डालने के लिए कह रहे हैं। छात्र के अनुसार, उनसे यह लिखने को कहा जा रहा है कि उन्हें बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक मिले और ओएसएम मूल्यांकन से कोई समस्या नहीं हुई।

ऋपोस्ट तेजी से प्रसारित होने के बाद सोशल मीडिया पर यह बहस तेज हो गई कि क्या बढ़ते विवाद के बीच सकारात्मक नैरेटिव तैयार करने की कोशिश की जा रही है। छात्र ने यह भी दावा किया कि परीक्षा पास करने के बाद भी वह मानसिक रूप से आहत महसूस कर रहे हैं।

बोर्ड ने नहीं दिया जवाब :

इसी बीच, जयपुर के एक पीएम श्री स्कूल द्वारा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया गया एक वीडियो भी चर्चा में आ गया। वीडियो में एक छात्र सीबीएसई की ओएसएम प्रणाली की तारीफ करता दिखाई दे रहा है और डिजिटल मूल्यांकन के सकारात्मक अनुभव साझा कर रहा है। हालांकि, वीडियो के सामने आने का समय सवालों के घेरे में है, क्योंकि उसी दौरान ओएसएम प्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। हालांकि, इस संबंध में सीबीएसई प्रवक्ता से जवाब मांगा गया लेकिन कोई उत्तर नहीं आया। रेडिट में एक छात्र द्वारा किया गया पोस्ट जिसमें वह स्कूल के शिक्षक पर ओएसएम के समर्थन में इंस्टाग्राम पर पोस्ट और स्टोरी डालने के लिए कह रहे हैं।

जो शिक्षक मिला उसी से कॉपियां जांच कराई : अब मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। कुछ शिक्षकों का दावा है कि आनलाइन जांच के दौरान कई विषयों की कॉपियां निर्धारित समय तक पूरी नहीं हो पा रही थीं।

ऐसे में उपलब्ध शिक्षकों को कॉपियां आवंटित कर दी गईं। आरोप है कि रसायन विज्ञान की कॉपियां गैर-विषय शिक्षकों तक पहुंचीं, जबकि अंग्रेजी की उत्तर पुस्तिकाएं तक योग शिक्षक को जांचने के लिए दी गईं।

शिक्षकों का कहना है कि कई परीक्षक पहली बार डिजिटल प्रणाली पर काम कर रहे थे और वास्तविक मूल्यांकन के दौरान ही सॉफ्टवेयर समझते हुए जांच कर रहे थे।

पूरी मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल : कुछ शिक्षकों ने यह भी दावा किया कि मूल्यांकन पूरा करने के लिए सख्त समय सीमा तय की गई थी। कई मामलों में 12 मई की रात तक लक्ष्य पूरा करने का दबाव था ताकि 13 मई को परिणाम समय पर जारी किए जा सकें।

शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बोर्ड परीक्षाओं में विषय विशेषज्ञता से समझौता हुआ है, तो यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं बल्कि पूरी मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल है।

आईपीएल 2026 : गिल के शतक ने छीनी सूर्यवंशी की चमक, तीसरी बार फाइनल में गुजरात टाइटंस

खिताबी मुकाबले में विवार को आरसीबी से गुजरात का सामना

एजेंसी

मुल्लांपुर। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के दूसरे क्वालिफायर में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) ने कप्तान शुभमन गिल के शानदार शतक और साई सुदर्शन की विस्फोटक पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। अब रविवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। पांच सीजन में यह गुजरात का तीसरा आईपीएल फाइनल है। महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 214 रन बनाए। टीम के लिए 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 47 गेंदों में 96 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कई दर्शनीय शॉट लगाए और राजस्थान को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

सूर्यवंशी ने शुरूआत में संयम दिखाया और 31 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो इस आईपीएल में उनके सभी बड़ी पारियों में सबसे धीमा अर्धशतक रहा। इसके बाद उन्होंने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए सात छक्के जड़े। कगिसो रबाडा की बाउंसर हेलमेट पर लगने के बावजूद उन्होंने बल्लेबाजी जारी रखी और गुजरात के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा।

हालांकि, दूसरी ओर विकेट गिरते रहे, लेकिन सूर्यवंशी अकेले दम पर राजस्थान को मुकाबले में बनाए हुए थे। यह पिछले चार मुकाबलों में उनका तीसरा 90 प्लस स्कोर रहा। 215 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरूआत बेहद दमदार रही। साई सुदर्शन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने राजस्थान के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। दोनों बल्लेबाजों ने क्लासिक क्रिकेटिंग शॉट्स के साथ तेजी से रन बटोरे और पहले विकेट के लिए 167 रन की साझेदारी कर मैच लगभग एकतरफा बना दिया। साई सुदर्शन ने 32 गेंदों में 58 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल रहा। वह लगातार दूसरे मैच में दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट हुए। ब्रिजेश शर्मा की गेंद पर चौका लगाने के दौरान उनका बल्ला हाथ से छूटकर विकेट पर जा लगा और वह हिट विकेट आउट हो गए। दूसरी ओर शुभमन गिल पूरे मैच में शानदार लय में नजर आए। उन्होंने 53 गेंदों में 104 रनों की कप्तानी पारी खेली, जिसमें 15 चौके और तीन छक्के शामिल रहे। गिल ने केवल 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

एशियाई खेल ट्रायल विवाद

विनेश फोगाट को राहत देने वाले हाईकोर्ट फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा WFI

नई दिल्ली। पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति देने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ शुक्रवार 29 मई 2026 को महासंघ की याचिका पर सुनवाई करेगी। गत 22 मई को उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति देते हुए कहा था कि डब्ल्यूएफआई की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनके जैसी दिग्गज

खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई अधिकारी नहीं था। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की महासंघ द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। इस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय ओलंपिक संघ का एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद होगा। हाई कोर्ट ने कहा कि चयन ट्रायल्स के लिए तय किए गए मानक पिछली प्रथा से काफी अलग हैं। पिछली प्रथा में एशियन गेम्स के लिए मशहूर खिलाड़ियों के चयन में विशेष अधिकार का प्रावधान था। कोर्ट ने यह भी कहा कि कानून को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मां बनना विनेश फोगाट जैसी महिला एथलीटों को बाहर करने का आधार न बने। हाई कोर्ट ने जोर देकर कहा कि मां बनने को पेशेवर बाधा या ऐसा कोई कारण नहीं माना जा सकता जिसके आधार पर किसी के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाए।

वैभव सूर्यवंशी T20 के डॉन ब्रैडमैन

- ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने की 'बॉस बेबी' की सराहना

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने जो खेल दिखाया, उसके बाद पूरा सोशल मीडिया वैभव मय हो चुका है। खेल जगत, राजनीति, बॉलीवुड हर जगह से सिर्फ इस युवा खिलाड़ी पर ही रिएक्शन आ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया हो, इंग्लैंड हो, वेस्टइंडीज हो हर जगह के धाकड़ खिलाड़ी वैभव की तारीफ में कसीदे पढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने तो इनडायरेक्टली वैभव को टी20 का डॉन ब्रैडमैन कहे डाला। जबकि क्रिस गेल ने वैभव को नई सिक्स मशीन कहते हुए नया नाम दे दिया।

वैभव सूर्यवंशी टी-20 के डॉन ब्रैडमैन!- वैभव सूर्यवंशी की 29 गेंद पर 97 रन की पारी के बाद सोशल मीडिया पर रिएक्शन की बाढ़ आ गई। टॉम मूडी ने उनकी बल्लेबाजी के बाद क्रिकइंफो पर बड़ा बयान देते हुए कई बड़ी बातें कहे डालीं। उन्होंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि उसके खेल को कैसे एक्सप्लेन करूं। सालों पहले या पीछे कई बार अलग-अलग फॉर्मेट में ऐसे खास खिलाड़ी आए हैं। हम सबने देखा है कि टेस्ट में डॉन ब्रैडमैन ने 100 की औसत से रन बनाए और उनके बाद सेकंड बेस्ट है 60 का औसत। ऐसा ही खेल वैभव टी20 क्रिकेट में दिखा रहे हैं।' निश्चित ही वैभव जिस तरह से टी20 फॉर्मेट खेल रहे हैं, उनके आसपास कुछ समय बाद कोई भी खिलाड़ी नहीं रहे जाएगा।

मौजूदा आईपीएल में ही देखिए एक तरफ 15 मैचों में उनके सबसे ज्यादा 65 छक्के हैं और दूसरे स्थान पर हैं 43 छक्कों के साथ अभिषेक शर्मा। अंतर साफ है। ऐसा ही अंतर है वैभव के स्ट्राइक रेट और बल्लेबाजी शैली में।

एएफसी अंडर-20 एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स में भारत का मुकाबला उज्बेकिस्तान

सीरीया और बांग्लादेश से होगा

कुआलालंपुर। भारत की अंडर-20 पुरुष टीम को एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के ग्रुप बी में रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान, सीरिया और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसकी घोषणा एफसी हाउस में हुए ड्रॉ के बाद की गई। उज्बेकिस्तान 25 अगस्त से 6 सितंबर, 2026 के बीच अपनी राजधानी

ताशकंद में एक सेंट्रलाइज्ड एकल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। इस साल की शुरुआत में घोषित एएफसी युवा प्रतियोगिताओं के नए फॉर्मेट के अनुसार, एएफसी अंडर-20 एशियन कप क्वालीफायर्स में एक दो-चरण वाली प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें प्रमोशन और रेलिगेशन का तंत्र शामिल है। क्वालिफिकेशन चरण में, 32 टीमों को चार-चार टीमों के आठ ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से ग्रुप विजेता और सात सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एएफसी अंडर-20 एशियन कप के 43वें संस्करण के लिए आगे बढ़ेंगी। वहीं, प्रत्येक ग्रुप की सबसे नीचे रहने वाली टीम को अगले संस्करण के डेवलपमेंट चरण में भेज दिया जाएगा।

आगामी क्वालीफायर्स के डेवलपमेंट चरण के लिए, 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से तीन ग्रुप विजेता और प्रत्येक ग्रुप की दूसरे स्थान पर रहने वाली तीन टीमों को अगले संस्करण के क्वालिफिकेशन चरण में प्रमोट किया जाएगा। टीमों का वरीयता क्रम पिछले तीन संस्करणों (2018, 2023, 2025) में उनके प्रदर्शन और प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की संख्या के आधार पर तय किया गया था।

20वें स्थान पर मौजूद भारत को क्वालिफिकेशन चरण में पॉट 3 में रखा गया था।

भारत का लक्ष्य 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना होगा। 2006 में भारत ने ही इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में ईरान के साथ संयुक्त विजेता बनना रहा है।

पिछले संस्करण (2025) में, भारतीय टीम गोल अंतर के आधार पर क्वालीफाई करने से मामूली अंतर से चूक गई थी।

हार्दिक की कप्तानी जाना तय

मुंबई इंडियंस से हो सकती है छुट्टी, सीनियर खिलाड़ियों से कोचिंग स्टाफ नाराज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस ने 14 में से 10 मैच गंवाए और 9वें नंबर पर रही। इस खराब प्रदर्शन के बाद हार्दिक पंड्या की कप्तानी जाना तय है। टीम से भी उनकी छुट्टी हो सकती है। मुंबई इंडियंस अपने स्क्वाड में बड़े बदलाव करने के लिए तैयारी में है। इसकी शुरुआत कप्तानी से होगी। मीडिया से मुंबई इंडियंस से जुड़े तीन लोगों से बात की। इस दौरान पता चला कि हार्दिक की कप्तानी जाने की संभावना है। टीम में उनकी जगह पर भी चर्चा हो रही है। इसके अलावा सीनियर खिलाड़ियों से कोचिंग स्टाफ नाराज है। सूत्र ने कहा,'सत्र के दौरान इस बात के काफी संकेत मिले कि टीम मैनेजमेंट उन्हें कप्तान बनाए रखने के लिए उत्सुक नहीं था। टीम में साफ तौर पर चर्चा है।' राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के सीजन के आखिरी मैच के बाद कोचिंग स्टाफ ने टीम से बातचीत की। सूत्र ने कहा, 'कोचिंग स्टाफ ने सीनियर खिलाड़ियों को यह साफ-साफ बताया कि वे जहां भी खेलें, उन्हें कोचों की बात माननी होगी। ऐसे कई मौके आए जब कोचिंग स्टाफ ने कुछ ऐसा बताया जो डेटा पर आधारित था, लेकिन खिलाड़ियों ने उसे नहीं माना।'

मुंबई इंडियंस हर विकल्प पर विचार करेगी-आगे क्या होगा? मुंबई इंडियंस के एक पुराने जानकार के अनुसार, 'आने वाले दिनों में इस पर गंभीरता से सोचा जाएगा और चर्चा होगी। हर विकल्प पर विचार होगा। कई सवालों पर ध्यान देने की जरूरत है। आगे चलकर, क्या हार्दिक कप्तान बन रह सकते हैं? क्या वह सिर्फ एक खिलाड़ी के तौर पर टीम में रहेंगे?'

समस्या केवल कप्तानी नहीं-समस्या कप्तानी से भी गहरी है। एक और सूत्र ने कहा, 'हम इस आईपीएल में कुछ ज्यादा सफल टीमों की तरह पावरप्ले का इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। हम समय के साथ आगे नहीं बढ़ पाए हैं।' इस साल प्लेऑफ में जगह बनाने वाली टीमों राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने टी20 में बल्लेबाजी को नए तरीके परिभाषित किया। टॉप ऑर्डर ने लगातार 10 रन प्रति ओवर से ज्यादा से रन बनाए।

मुंबई इंडियंस का कोई भी खिलाड़ी ऑरेंज या पर्पल कैप की रेस में नहीं था-रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस में अनुभवी गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज की अहमियत दिखने को मिली।

प्रगनानंदा ने 15 साल बड़े वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी को हराया

विश्व चैंपियन गुकेश की लगातार दूसरी हार

नई दिल्ली। भारत के 20 वर्षीय युवा ग्रैंड मास्टर आर प्रगनानंदा ने अपने शानदार प्रदर्शन को नॉर्वे चेस 2026 में भी जारी रखा है। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 1 और अपने से उम्र में 15 साल बड़े मैग्नस कार्लसन को एक बार फिर से धूल चटाई है। 2024 के इस टूर्नामेंट में भी भारतीय खिलाड़ी ने कार्लसन को मात दी थी। दूसरी तरफ मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है।

बुधवार को नॉर्वे के ओस्लो में हुए तीसरे राउंड के मैच में प्रगनानंदा ने जीत के साथ पूरे 3 अंक अर्जित किए। जबकि डी गुकेश का हार का सिलसिला नहीं रुक पाया। अलिरेजा फिरोजा से हारने के बाद बाद उन्हें लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है। प्रगनानंदा इससे पहले सुपरबेट चेस क्लासिक रोमानिया में भी बेहतरीन प्रदर्शन करके आए हैं। वह नॉर्वे चेस टूर्नामेंट शुरू होने से एक शाम पहले ही ओस्लो पहुंचे थे। इस जीत के साथ प्रगनानंदा के कुल 4.5 अंक हो चुके हैं। वह ओवरऑल इस टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे सिर्फ अलीरेजा फिरोजा ही हैं जिनके 7.5 अंक हैं।

हार के बाद क्या बोले गुकेश

प्रगनानंदा ने जीत के बाद दी प्रतिक्रिया-गुकेश ने अपनी हार के बाद स्वीकारा कि, विरोधी खिलाड़ी लगातार पूरे गेम में उनसे आगे थे। इस साल गुकेश को अपना वर्ल्ड चैंपियन टाइटल भी जवोखिर सिंदारोव के खिलाफ डिफेंड करना है। उनके प्रदर्शन के ग्राफ का यूं लगातार गिरना आगे आने वाले समय में उनके विश्व चैंपियन टाइटल को नुकसान पहुंचा सकता है।

जब सिर्फ तीन साल के थे वैभव

उसी वक्त हो गई थी 97 रन की भविष्यवाणी, आर्चर का 12 साल पुराना पोस्ट वायरल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार पेसर और राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की पहले भी कई पुरानी पोस्ट वायरल होती रही हैं। उनकी

पुरानी पोस्ट को अक्सर वर्तमान में होने वाली घटनाओं से जोड़ा जाता है। कई लोगों का मानना है कि आर्चर की यह भविष्यवाणी हैं। ऐसा ही एक पोस्ट गुरुवार (28 मई 2026) को सामने आया है। इस पोस्ट में आर्चर ने 97 लिखा था। अब इसको बुधवार को वैभव द्वारा आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर में खेली गई 97 रन की पारी से जोड़ा जा रहा है।

आर्चर का 12 साल पुराना ट्वीट वायरल- जोफ्रा आर्चर के इस पुराने ट्वीट को राजस्थान रॉयल्स की फ्रेंचाइजी ने खुद अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है। यह पोस्ट अगस्त 2014 का है। इसमें आर्चर ने 97 लिखा है और उसके बाद प्रश्न चिन्ह लगाते हुए फायर का इमोजी लगाया है। इसका कनेक्शन अब वैभव सूर्यवंशी की 29 गेंद पर खेली गई 97 रन की पारी से जोड़ा जा रहा है। कई लोग इस पर एक से बढ़कर एक कमेंट कर रहे हैं। कोई उन्हें फ्यूचर प्रेडिक्टर कह रहा है तो कोई उन्हें टाइम ट्रैवलर बता रहा है। जोफ्रा आर्चर ने जब यह पोस्ट किया था, उस वक्त वैभव सूर्यवंशी महज 3 साल के रहे होंगे। यानी 97 क्यों उन्होंने पोस्ट किया था, यह एक बहुत बड़ी गुत्थी है।

बोले फिट इंडिया के निदेशक कांडपाल

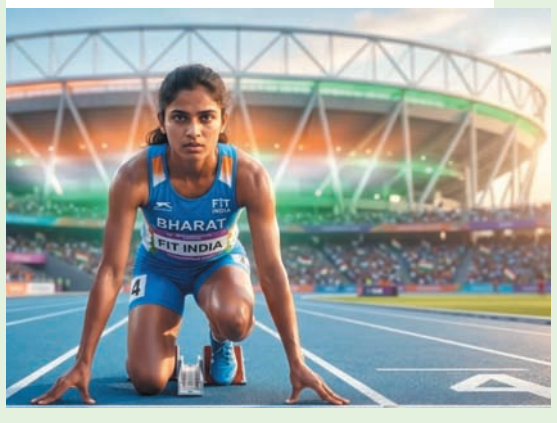

भारत के पास विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं

नई दिल्ली। भारत सरकार के फिट इंडिया कार्यक्रम के निदेशक सुशांत कांडपाल का मानना है कि खेल सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भारत अब दुनिया के किसी भी बड़े देशों से पीछे नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन के लिए मनोवैज्ञानिक तैयारी पर ज्यादा काम करने की जरूरत है। मीडिया से सुशांत कांडपाल ने फिट इंडिया अभियान, कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की उम्मीदों और युवाओं में खेल संस्कृति बढ़ाने को लेकर विस्तार से बात की।

सवाल: भारत सरकार के कार्यक्रम फिट इंडिया और कॉमनवेल्थ गेम्स में क्या सामंजस्य देख रहे हैं?

● **सुशांत कांडपाल:** सबसे बड़ा सामंजस्य यह है कि हम जनता को एक तरह से फिटनेस का संदेश देते हैं। हम चाहते हैं कि जनता क्रिकेट को तो फॉलो करे ही बल्कि अन्य सभी खेलों से भी बराबर का जुड़ाव रखें। कॉमनवेल्थ हमारे लिए एक बहुत महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है। हम इसका आयोजन भी करने जा रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रदर्शन भी बहुत अच्छा रहता है।

सवाल: हमारे बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनमें प्रतिभा तो बहुत होती है, लेकिन फिटनेस इश्यू होने के कारण विश्व स्तर पर कहीं न कहीं पिछड़ जाते हैं?

● **सुशांत कांडपाल:** मैं इसमें थोड़ा सा सुधार करना चाहूंगा। दो-तीन चीजों पर बोलूंगा। आपकी बात ठीक है। मुझे भी ऐसा लगता है कि हमारा थोड़ा सा शायद साइकोलॉजिकल दृष्टिकोण है कि हम मानसिक तौर पर कभी-कभी हल्का सा पीछे रह जाते हैं। मौजूदा समय में हमारे देश में इंफ्रास्ट्रक्चर की जो सुविधाएं हैं, वे किसी भी मायने में, किसी भी अच्छे देश से कम नहीं हैं। अगर आप ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करें, चाइना का करें, हमारे पास वे सारी सुविधाएं हैं, चाहे वह स्पोर्ट्स साइंस हो, बॉयोमैकेनिक्स हो, कोचेस हों, कि जो एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मात दे सकती हैं। हालांकि, आप कह सकते हैं कि थोड़ा सा एक मनोवैज्ञानिक तैयारी की बात है, एक हमारे यहां क्या है कि थोड़ा सा जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है, ताकि हम ज्यादा से ज्यादा टैलेंट को चिह्नित करें और उनको ऊपर ले जाएं। फिटनेस की जहां तक बात है तो ऐसा नहीं है। मुझे लगता है कि शायद हम शुरुआती दौर में तैयारी करने में थोड़ा सा लेट हो जाते हैं।

सवाल: देश के युवाओं और उनके माता-पिता को क्या संदेश देना चाहेंगे?

● **सुशांत कांडपाल:** मैं यही संदेश देना चाहूंगा कि आप कृपया खेलों को बढ़ावा दीजिए। अपने बच्चों को प्रोत्साहित करिये कि वे फिटनेस से जुड़ें, स्पोर्ट्स खेलें और जिसकी जिसमें रुचि है उस

चांदी 1,500 रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई

सोने और चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज गिरावट दिख रही है। एमसीएक्स पर दोनों धातुएं शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ ट्रेड कर रही हैं। सोने की कीमत में 700 रुपये की गिरावट आई है जबकि चांदी 1,500 रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई। सर्राफा बाजार में भी दोनों धातुओं की कीमत में शुरुआती कारोबार में मामूली गिरावट दिख रही है। एमसीएक्स में 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,60,903 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,60,454 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 706 रुपये की गिरावट के साथ 160197 रुपये तक फिसला। सुबह 9.40 बजे यह 442 रुपये यानी 0.27 फीसदी गिरावट के साथ 1,60,461 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। चांदी का रेट इसी तरह 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 269537.00 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज यह 2,68,368 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,519 रुपये की गिरावट के साथ 2,68,018 रुपये तक फिसली। सुबह 9.40 बजे चांदी 1168 रुपये यानी 0.43 फीसदी गिरावट के साथ 2,68,369 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। इस बीच सर्राफा मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 10 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,050 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 10 रुपये की गिरावट के साथ 1,43,040 रुपये और 18 कैरेट वाला सोना 10 रुपये नीचे 1,17,030 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी भी 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,74,900 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रहा है।

क्यू-4 रिजल्ट के बाद निवेशक चिंतित, 8 प्रतिशत गिरा डिफेंस कंपनी का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी डिफेंस कंपनी भारत डायनेमिक्स के शेयरों की कीमतों में आज शुक्रवार को 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट कमजोर तिमाही नतीजों की वजह से दर्ज की गई है। शेयरहोल्डर्स के लिए चिंताजनक बात यह है कि एक्सपर्ट्स ने रेटिंग को भी घटा दिया है। बता दें, आज शुक्रवार को बीएसई में भारत डायनेमिक्स के शेयर गिरावट के साथ 1201.75 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बादल 1175.05 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। जनवरी से मार्च तिमाही के दौरान भारत डायनेमिक्स का नेट प्रॉफिट 113.18 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 58.50 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। एक साल पहले इसी चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 272.77 करोड़ रुपये रहा था। रेवन्यू के मोर्चे पर भी अच्छी खबर नहीं है। पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 480 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के रेवन्यू में 73 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 1777 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने किया डिविडेंड का ऐलान 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर कंपनी ने 0.40 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। बता दें, कंपनी के लिए सिर्फ मार्च तिमाही ही नहीं पूरा वित्त वर्ष ही निराशाजनक रहा है। ब्रोकरेज हाउस मोतिलाल ओसवाल ने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की रेटिंग को घटा दिया है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से न्यूट्रल रेटिंग दी गई है। पहले डिफेंस स्टॉक के लिए टारगेट प्राइस 1500 रुपये था। अब यह घटकर 1150 रुपये कर दिया गया है। स्टॉक मार्केट में भी इस कंपनी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 39 प्रतिशत गिरा है।

ईरान युद्ध के कारण यूरिया की कीमत 120 प्रतिशत से ज्यादा तक उछली

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इससे केंद्र सरकार के सब्सिडी बिल में काफी उछाल आ सकती है। इस फाइनेंशियल ईयर में केवल फर्टिलाइजर का सब्सिडी का बिल 3.8 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है। यह बजट में फर्टिलाइजर के लिए किए गए सब्सिडी प्रावधान का करीब दोगुना है। सरकार ने 2026-27 में सब्सिडी के लिए कुल 4.1 लाख करोड़ रुपये रखे हैं। साथ ही कुकिंग गैस के लिए सरकार ने 12,085 करोड़ रुपये सब्सिडी का प्रावधान किया था। लेकिन यह भी कम है क्योंकि सरकार ने पिछले साल ऑयल रिटेलर कंपनियों को 26,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक हरेक कुकिंग गैस सिलेंडर पर पेट्रोलियम कंपनियों को 700 रुपये का नुकसान हो रहा है। सरकार ने कुछ महीने पहले एक्साइज ड्यूटी में कटौती की थी जिससे सालाना 1 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ने की आशंका है। फर्टिलाइजर डिपार्टमेंट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अगर कीमत इसी स्तर पर बनी रहती है तो यूरिया और दूसरे फर्टिलाइजर की सब्सिडी का बिल 3.8 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है। बजट में इसके लिए 1.7 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। खाद किल्लत की अफवाहों पर केंद्र ने लगाया ब्रेक, कहा- देश में नहीं होगी खाद की किल्लत, सरकार के पास सुरक्षित है आधा स्टॉक विभाग ने बुधवार को मंत्रियों के इनफॉर्मल ग्रुप को बताया कि ईरान युद्ध के बाद से यूरिया की कीमत 120 फीसदी से अधिक बढ़ चुकी है। इसी तरह डीएपी की वैश्विक कीमत में 38 फीसदी, सल्फर की कीमत में 87 फीसदी और अमोनिया की कीमत में 84 फीसदी तेजी आई है। इतना ही नहीं डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट से 6 फीसदी अतिरिक्त लागत बढ़ गई है। भारत डीएपी, पोटाश और एनपीके जैसे फर्टिलाइजर्स के लिए ज्यादातर आयात पर निर्भर है। देश में यूरिया की सालाना खपत करीब 40 मिलियन टन है। इसमें से करीब 8 से 10 मिलियन टन का आयात होता है। डीएपी के मामले में करीब 60 फीसदी मांग आयात से पूरी होती है। लेकिन पोटाश के मामले में हर पूरी तरह आयात पर निर्भर हैं। पिछले साल फर्टिलाइजर सब्सिडी बिल करीब 2.2 लाख करोड़ रुपये था जो संशोधित अनुमान से ज्यादा है। डीएपी की वैश्विक कीमत में 38 प्रतिशत और सल्फर में 87 प्रतिशत तेजी आई है डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट से 6 प्रतिशत अतिरिक्त लागत बढ़ गई है भारत अधिकांश फर्टिलाइजर्स के मामले में आयात पर निर्भर 2022-23 में फर्टिलाइजर पर सब्सिडी 2.5 लाख करोड़ रुपये के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

सस्ता हुआ कच्चा तेल तो दिल्ली में पेट्रोल 102, डीजल 95 से थोड़ा ऊपर

चार महानगरों में पेट्रोल का दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में कच्चा तेल कुछ नरम हुआ है। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी शुक्रवार, 29 मई 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। मतलब कि बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम जस के तस हैं। इससे पहले बीते सोमवार यानी 25 मई 2026 को पेट्रोल की कीमतों में 2.61 रुपये और डीजल की कीमतों में 2.71 रुपये की बढोतरी की गई थी। इन कंपनियों ने दिल्ली में 11 दिनों में ही प्रति लीटर पेट्रोल 7.35 रुपये तो डीजल 7.82 रुपये महंगा कर चुके हैं। विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाना शुरू कर दिया था। बीते 11 दिनों में कंपनियां चार बार दाम बढ़ा चुकी हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में इस समय पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर 1,380 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक आज दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है।

भारत के बासमती चावल निर्यात पर बड़ा असर

अप्रैल में 27 प्रतिशत गिरा, घरेलू कीमतें 10 प्रतिशत टूटीं

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा बासमती चावल निर्यातक है और उसका बड़ा हिस्सा ईरान, सऊदी अरब, इराक, यूएई और अन्य खाड़ी देशों में जाता है। ईरान युद्ध के कारण इन बाजारों तक माल पहुंचाने में दिक्कतें बढ़ गई हैं। अप्रैल 2026 में भारत का बासमती चावल निर्यात सालाना आधार पर करीब 27 प्रतिशत घट गया। खाड़ी देशों को होने वाली शिपमेंट में रुकावट, बढ़े हुए फ्रेट चार्ज और महंगे बीमा ने निर्यात कारोबार को प्रभावित किया है।

अप्रैल में कितना गिरा निर्यात?

एपीडा के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 में भारत ने 4.74 लाख टन बासमती चावल का निर्यात किया, जबकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 6.47 लाख टन था। इस तरह निर्यात में 26.72 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

घरेलू बाजार में बासमती चावल की कीमतें 8-10 प्रतिशत तक टूटीं निर्यात कमजोर पड़ने का असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। रूरल वॉयस के मुताबिक कुछ सप्ताह पहले तक बासमती चावल का भाव 88-90 रुपये प्रति किलो के आसपास था, जो अब घटकर 78-80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। यानी कीमतों में करीब 8 से 10 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

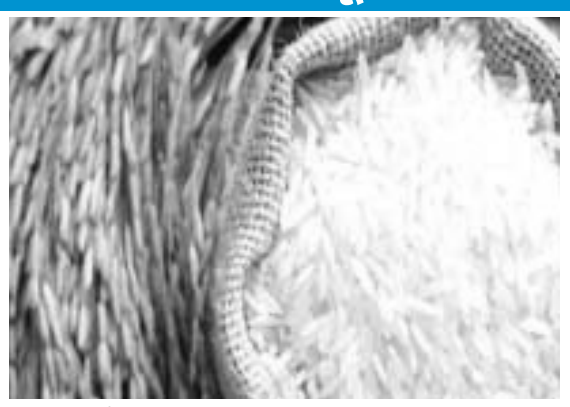

कुल चावल निर्यात में फिर भी बढ़ोतरी

इन सबके बीच दिलचस्प बात यह है कि बासमती निर्यात में गिरावट के बावजूद भारत का कुल चावल निर्यात अप्रैल में बढ़ा है। इसकी वजह गैर-बासमती चावल की मजबूत मांग रही। अप्रैल 2026 में गैर-बासमती चावल निर्यात बढ़कर 15.70 लाख टन पहुंच गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 12.29 लाख टन था। अफ्रीकी देशों और बांग्लादेश से मजबूत मांग के कारण गैर-बासमती चावल ने कुल निर्यात को सहारा दिया।

युद्ध लंबा खिंचा तो क्या होगा?

विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक पश्चिम एशिया में हालात सामान्य नहीं होते और समुद्री व्यापार पूरी तरह सुचारू नहीं होता, तब तक बासमती निर्यात दबाव में रह सकता है। भारत के करीब 50,000 करोड़ रुपये के बासमती निर्यात कारोबार के लिए खाड़ी क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए युद्ध लंबा खिंचने पर असर और गहरा हो सकता है।

शिपिंग और बीमा लागत बनी बड़ी परेशानी

निर्यातकों का कहना है कि युद्ध के कारण समुद्री मार्गों पर जोखिम बढ़ गया है। खासकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर अतिरिक्त बीमा और वॉर सेस लगाया जा रहा है। कई मामलों में फ्रेट चार्ज कई गुना बढ़ गए हैं, जिससे नए निर्यात सौदे प्रभावित हो रहे हैं। हरियाणा राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अनुसार ईरान और अफगानिस्तान को होने वाला बासमती निर्यात सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, क्योंकि जहाजों की आवाजाही धीमी पड़ गई है और कई शिपमेंट देरी का सामना कर रही हैं।किसानों पर क्या पड़ेगा असर? बासमती की कीमतों में गिरावट का असर आगामी खरीफ सीजन की बुवाई पर पड़ सकता है। यदि किसानों को बेहतर भाव नहीं मिलता है।

प्लास्टिक के नोट बाजार में उतार सकता है आरबीआई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को जल्द ही पहला प्लास्टिक नोट मिल सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक बार फिर से अपने इस सालों पुराने विचार पर आगे बढ़ने जा रहा है। अगर ऐसा हुआ तो यह एक बहुत बड़ा बदलाव होगा। मौजूदा समय में की तरफ से कागज के नोट प्रिंट किए जाते हैं। यह एक खास प्रकार का पेपर होता है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के

अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की पिछली दो बोर्ड मीटिंग के दौरान प्लास्टिक नोट्स लाने की चर्चा हुई। बता दें, यह दोनों मीटिंग पटना और मुंबई में हुई हैं।

2012 में हो चुकी है ऐसी चर्चा: इससे पहले 2012 में तत्कालीन सरकार ने 5 शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर प्लास्टिक नोट्स लाने की तैयारी में थी। लेकिन तब कुछ तकनीकी चुनौतियों के कारण इस कोशिश को रोकना पड़ा था।

क्यों प्लास्टिक नोट लाने पर विचार कर रहा है: इसके पीछे दो बड़े कारण हो सकता है। पहला लागत से जुड़ा हुआ है। दूसरा बड़ा कारण लम्बे समय तक के लिए उपयोग में रहे। रिपोर्ट के अनुसार जल्द ही की तरफ से प्लास्टिक बैंक नोट्स के पायलट प्रोजेक्ट का ऐलान हो सकता है।पॉलीमर नोट लाने के पीछे की बड़ी वजह शेल लाइफ भी है। मौजूदा समय में कागज से बने नोट की शेल लाइफ काफी कम होती है। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में 23.80 बिलियन नोट्स को नष्ट किया गया। जोकि सालाना आधार पर 12.3 प्रतिशत अधिक है।

सालाना नोट छापने के लिए कितना खर्च कर रहा है

वित्त वर्ष 2024-25 में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को कुल 6372.80 करोड़ रुपये नोट छपाने के लिए खर्च करने पड़े। इससे पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 5101.40 करोड़ रुपये नोट प्रिंट करने के लिए खर्च किए थे। यानी महज एक साल के अंदर ही 1 करोड़ रुपये से अधिक नोट प्रिंट करने के लिए खर्च करने पड़े हैं। 15 मई 2026 के आंकड़ों के अनुसार 42.86 ट्रिलियन रुपये के करेंसी सर्कुलेशन में हैं। जोकि सालना आधार पर 11.50 प्रतिशत अधिक है। आंकड़े दर्शाते हैं कि डिजिटल पेमेंट्स में हुई बढ़ोतरी के बाद बड़ी संख्या में लोग करेंसी नोट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार 10 रुपये और 20 रुपये के नोट की डिमांड में बढ़ोतरी हुई। हालांकि, जो नोट चलन में हैं।

पेनी स्टॉक बना रॉकेट, चुका दी 90 प्रतिशत से ज्यादा उधारी, कर्ज मुक्त होने की है तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक पीसी ज्वैलर रॉकेट सा उड़ गया है। पीसी ज्वैलर के शेयरों में सोमवार को तूफानी तेजी आई है। ज्वैलरी कंपनी के शेयर सोमवार को 11 पर्सेंट से अधिक चढ़कर 10.48 रुपये पर पहुंच गए हैं। पीसी ज्वैलर जल्द ही पूरी तरह कर्ज मुक्त हो सकती है। ज्वैलरी कंपनी ने 90 पर्सेंट से ज्यादा बकाया कर्ज चुका दिया है। पीसी ज्वैलर ने बताया है कि वह कर्ज मुक्त होने की राह पर बढ़ रही है। 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में पीसी ज्वैलर का मुनाफा 61 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ा है।

ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर का मुनाफा चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 61.3 पर्सेंट बढ़कर 152.9 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 94.8 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। 31 मार्च 2026 को खत्म तिमाही में पीसी ज्वैलर का रेवेन्यू सालाना आधार पर 32.7 पर्सेंट बढ़कर 927.3 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 699 करोड़ रुपये था। चौथी

तिमाही में कंपनी का इबिट्डा सालाना आधार पर 13.4 पर्सेंट बढ़कर 164.5 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, पीसी ज्वैलर का इबिट्डा मार्जिन 17.7 पर्सेंट रहा है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बलराम गर्ग ने बताया, 'बैंकों के साथ सेटलमेंट एग्रीमेंट होने के बाद से कंपनी ने अब तक अपने बकाया कर्ज का 90 पर्सेंट से ज्यादा चुका दिया है। कंपनी ने अपने वित्तीय लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अहम प्रगति की है। हमें पूरा भरोसा है कि कंपनी बहुत जल्द कर्ज-मुक्त हो जाएगी।' उन्होंने बताया है कि कंपनी के पूरी तरह कर्ज-मुक्त होने के बाद पीसी ज्वैलर आक्रामक तरीके से विस्तार करेगी। गर्ग ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 हमारे लिए महत्वपूर्ण साल रहा है, क्योंकि कंपनी ने अपनी रफ्तार वापस पाई है और पूरे साल शानदार परफॉर्मेंस दिखाया है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। कंपनी ने जुलाई 2017 में अपने निवेशकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव का बड़ा बयान, बोले -

रुपये को गिरने दे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा है कि केंद्रीय बैंक को बाहरी झटकों से निपटने के लिए रुपये को और अधिक टूटने देना चाहिए।

अगर महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो तुरंत ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने के बजाय तरलता प्रबंधन के उपायों पर भरोसा करना चाहिए। सुब्बाराव का यह बयान आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की 3 जून से 5 जू के बीच होने वाली अहम बैठक से ठीक कुछ दिन पहले आया है। इस बैठक में पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और महंगाई पर चर्चा की जानी है। सुब्बाराव ने कहा कि रुपये को मजबूती से बचाने के बजाय उसे बाजार के अनुसार खुद को ढालने की अनुमति दी जानी चाहिए, क्योंकि मौजूदा दबाव भारत के बाहरी संतुलन में आई गिरावट को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एक कमजोर रुपया बाहरी झटकों को सोखने के लिए एक नेचुरल शॉक एब्जॉर्बर की तरह काम करता है। एक्सचेंज-रेट का संकट असल में भरोसे का संकट होता है। अगर निवेशक, आयातक और आम परिवार यह मानने लगें कि रुपया और कमजोर होगा, तो उनका व्यवहार ऐसा हो जाता है जो वास्तव में रुपये को और कमजोर कर देता है।

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भारतीय रुपया लगातार दबाव में है। इसी महीने की शुरुआत में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 97.15 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था। पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत से अब तक रुपये में करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। साल 2026 की शुरुआत से अब तक रुपया 6 प्रतिशत से अधिक गिर गया है। पिछले एक साल में रुपये में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

सुब्बाराव के अनुसार, आरबीआई वर्तमान में आर्थिक विकास, महंगाई और मुद्रा स्थिरता के बीच एक बेहद मुश्किल संतुलन का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि ब्याज दरें और घटाने पर महंगाई और करेंसी पर दबाव और बढ़ सकता है। वहीं दरें बढ़ाने पर देश की आर्थिक गतिविधियों और जीडीपी ग्रोथ को नुकसान पहुंच सकता है।

3 बार रिजेक्ट हुआ वीजा तो अमेरिकी दूतावास में अड़ गए थे पिता, आज कानपुर का यह शख्स बना सिलिकॉन वैली का किंग

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 1976 में कानपुर में जन्मे और बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग कर रहे एक छात्र को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में लगातार तीसरी बार स्टूडेंट वीजा देने से मना कर दिया गया। उनके साथ आए पिता ने हार नहीं मानी। उन्होंने लॉबी में तैनात काउंसलर अधिकारी की तस्वीर देखी, समझ गए कि वह लंच पर गए हैं, और वहीं डट गए। उन्होंने तय किया कि वे अधिकारी से मिलकर पूछेंगे कि तीन-तीन विश्वविद्यालयों से कन्फर्म एडमिशन और पूरे दस्तावेज होने के बावजूद उनके बेटे का वीजा क्यों रिजेक्ट किया जा रहा है। पिता की यह जिद काम कर गई और आखिरकार वीजा मिल गया।

करीब आधी सदी बाद वही छात्र आज मेमोरी-चिप क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी का सीईओ है। इनका नाम संजय मेहरोत्रा है। वॉल स्ट्रीट पर छाई एआई की आंधी के दम पर माइक्रोन ने मंगलवार को 1 ट्रिलियन डॉलर (95.71 लाख करोड़ रुपये) के मार्केट कैप के आंकड़े को पार कर लिया। इसके साथ ही माइक्रोन, वॉलमार्ट, बर्कशायर हैथवे और जेपी मॉर्गन चेस जैसे कद्दावर दिग्गजों को पीछे छोड़कर अमेरिका की टॉप 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गई है। सिलिकॉन वैली की यह सबसे अनोखी कहानियों में से एक है। जिस लड़के को अमेरिका ने बार-बार ठुकराया, आज वही देश की सबसे रणनीतिक और महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी कंपनी की कमान संभाल रहा है।

कॉर्पोरेट अमेरिका में 'देसी' दबदबा: संजय मेहरोत्रा अकेले नहीं हैं। उनकी इस कामयाबी ने कॉर्पोरेट अमेरिका के शीर्ष पर भारतीय मूल के दिग्गजों की एक असाधारण तिकड़ी को पूरा कर दिया है। दुनिया की तीन सबसे मूल्यवान टेक्नोलॉजी कंपनियां माइक्रोसॉफ्ट (सत्या नडेला), अल्फाबेट (सुंदर पिचाई) और माइक्रोन (संजय मेहरोत्रा) अब भारतीय मूल के उन अधिकारियों द्वारा चलाई जा रही हैं, जो कभी मिडिल क्लास परिवारों से एक साधारण इंजीनियर के रूप में, माता-पिता के त्याग और कुछ कर गुजरने की ललक के साथ अमेरिका पहुंचे थे।

कैसा रहा तीनों का संघर्ष?: सत्या नडेला हैदराबाद में एक सिविल सर्वेंट (सरकारी अधिकारी) के घर पले-बढ़े। वहीं सुंदर पिचाई चेन्नई के एक साधारण से अपार्टमेंट में बड़े हुए, जहां कभी पूरे परिवार के पास सिर्फ एक रोटरी टेलीफोन हुआ करता था। संजय मेहरोत्रा कानपुर के एक ऐसे मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं जिसके पास खुद का फोन तक नहीं था। अमेरिका में पढ़ाई के शुरुआती दिनों में वे माता-पिता से बात करने के लिए पड़ोसी का फोन इस्तेमाल करते थे। पड़ोसी को फोन करने के बाद उनके माता-पिता को बुलाने भेजा जाता था।

कठिन रही मेहरोत्रा की राह

पिचाई और नडेला को विरासत में पहले से स्थापित सॉफ्टवेयर साम्राज्य मिले थे, लेकिन मेहरोत्रा की उपलब्धि पूरी तरह औद्योगिक और कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। मेमोरी चिप का बिजनेस काफी उतार-चढ़ाव वाला और भारी पूंजी निवेश की मांग करने वाला क्षेत्र है, जिस पर ऐतिहासिक रूप से सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसे एशियाई दिग्गजों का दबदबा रहा है। जब मेहरोत्रा ने साल 2017 में माइक्रोन के सीईओ का पद संभाला, तब कंपनी की वैल्यूएशन महज 20 अरब डॉलर थी।

आव पानी

संतोष महली,
ईटा, लोहरदगा।

आव पानी आव रे
नदी नाला,इंदरा पोखरा
के तोंय भइर जा रे,
आव पानी आव रे।

देख मोय छत उपरे
भिंजे ले खड़ा आहों,
गमछे पोछाय,खायले
घरे पकौड़ी बनुवाहों।

खपरा कर घर चुवत रहे
आयो बोखार से कुंहरत रहे,
धुंधरूक बेरा कादो -किचर
दावाइ लाने,ना छाता ना गुंगु
रहिस बड़ा ही सताय रे,
आव पानी आव रे...!!

आब ना अंगना पिंडा पिछर
ना धरना टुटेक कर डर,
करिया बदरी सेन्दुरा चमक
गरइज के देखाव रे,
आव पानी आव रे।

सगरे टाइल्स मार्बल
पलसतर पुटी कइर लेलों
जिते जी बदलाव रे,
बासी -कुसी तो फेकाय ला
रंग रिता पुआ पुरी पोलाव रे,
आव पानी आव रे...!!

आव पानी आव रे
नदी नाला,इंदरा पोखरा
के तोंय भइर जा रे,
आव पानी आव रे।
--*-*-*-*-*-*

अग्रवाल सभा महिला समिति कर समर कैंप कर सुभारंभ

कछा एक से 12 तक कर 75 गो छउवामन भाग लेलयं

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। अग्रवाल सभा महिला समिति? कर तत्वावधान में 23वां समर कैंप कर सुभारंभ 29 मई के भेलक। इकर उद्घाटन सिछा बिसेसगय आउर परामर्सदाता जीवीएसआर प्रसाद करलयं। श्री प्रसाद जिला सिछक परसिछन केंद्र कर डायरेक्टर रइह चुइक हयं। रोहिणी साइंस क्लब कर स्थापना इनकरे प्रयास से होए हे।

समर कैंप में कछा एक से 12 तक कर 75 गो छउवामन भाग लेलयं। बिहाने 7 बजे से सांझ कर 5 बजे तक चलेक वाला समर कैंप में छउवामन के चित्रकला, संगीत, नृत्य, जूडो-कराटे, योग, बेक्तित्व विकास, पब्लिक स्पीकिंग आउर शतरंज कर प्रारंभिक जानकारी रोचक तरीका से देल गेलक, ताकि उनकर भितरे सीखेक कर ललक जाइग जावे।

सुनील किस्पोट्टा, नंदलाल दत्ता, सुबोध कुमार, साबिर हुसैन, अजय गोस्वामी, मनीष कमल, उषा विजयवर्गीय, निशा कुमारी, श्वेता सेठी छउवामन के प्रारंभिक परसिछन देलयं।

अग्रवाल सभा कर अध्यछ प्रमोद कुमार अग्रवाल समर कैंप कर उपयोगिता बतालयं। नरेश बंका छउवामन के बेस आचरन कर सपथ खियालयं। अनिल अग्रवाल कार्जकरम के सफल करेक ले सउब कर आभार जतालयं। मौका में महिला समिति कर संयोजिका रूपा अग्रवाल आउर अन्य सदस्य पहुंचल रहयं।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स पर्यावरन संरछन जागरुकता कार्जकरम करलक आयोजित

प्रातः नागपुरी संवाददाता

धनबाद। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, पूर्व मध्य रेल पर्यावरन संरछन आउर जागरुकता के लेइ के बिभिन्न कार्जकरम कर आयोजन करत हे। ई कार्जकरम बरीय कोचिंग डिपो अधिकारी रणधीर कुमार कर दिसा-निरदेस आउर मंडल पर्यावरन आउर गृह बेबस्था प्रबंधक उदय कुमार कर देखरेख में 15 मई से 5 जून, 2026 तक आयोजित करल जात हे। कार्जकरम कर अंतर्गत भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, धनबाद मंडल कर जिला आयुक्त अशोक कुमार कर नेतृत्व में धनबाद टीसन परिसर में स्काउट्स एवं गाइड्स कर सदस्यमन पर्यावरन संरछन उपरे आधारित एगो परभावसाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करलयं। नुक्कड़ नाटक कर माध्यम से जनता के स्वच्छता, पौधारोपन आउर पर्यावरन संरछन कर प्रति जागरूक करल गेलक। एहे पांइत में 29 मई, 2026 के महाराणा प्रताप ओपन ग्रुप, इंदिरा गांधी ग्रुप, सरोजिनी नायडू ग्रुप, नेताजी ग्रुप, वीर शिवाजी ग्रुप आउर प्रियदर्शी सम्राट अशोक ग्रुप कर संजुक्त तत्वावधान में

चित्रकला, निबंध आउर क्विज प्रतिजोगिता भी भेलक

चित्रकला, निबंध आउर क्विज प्रतिजोगिता कर आयोजन करल गेलक। ई प्रतिजोगिता में 145 स्काउट्स, गाइड्स आउर लीडरमन भाग लेलयं। कार्जकरम कर मुध उद्देस जुवामन आउर आम नागरिकमन कर बीच पर्यावरन संरछन कर प्रति जागरुकता फैलायेक आउर प्रकृति कर संरछन ले सकारात्मक सोच बिकसित करेक हय।

गोस्सनर कॉलेज में एआई उपरे एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। गोस्सनर कॉलेज कर ऑडिटोरियम में सुकरवार के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बिसय उपरे एक दिवसीय सेमिनार कर आयोजन करल गेलक। कार्जकरम कर आयोजन आईक्यूएसी आउर नॉर्थ स्टार कर संजुक्त तत्वावधान में करल गेलक। सेमिनार में बिद्यार्थीमन आउर सिछकमन भाग लेलयं। कार्जकरम कर मुध बक्ता आउर रिसोर्स पर्सन डॉ. नदीम अख्तर रहयं। ऊ एआई कर बिभिन्न आयाम, उकर उपजोग, महत्व आउर भविस में उकर परभाव उपरे बिस्तृत जानकारी देलयं। प्रस्तुतीकरन कर माध्यम से छातरमन के एआई कर कार्जपरनाली, मसीन लर्निंग, ऑटोमेसन आउर डिजिटल तकनीक कर बारे में समझालयं। डॉ. नदीम अख्तर कहलयं कि बर्तमान बेरा में एआई सिछा, स्वास्थ्य, बयापार आउर तकनीकी छेतर में महतपूर्न भूमिका निभात हे। बिद्यार्थीमन के नवा तकनीक से जुइड़ के आपन कौसल कर बिकास करेक चाही, ताकि ऊमन भविस कर चुनौति कर सामना कइर सकयं।

कार्जकरम में मंच संचालन को-ऑर्डिनेटर डॉ अजय कुमार करलयं। ऊ आवल गोतियामन, सिछकमन आउर बिद्यार्थीमन कर सोवागत करते कार्जकरम कर रूपरेखा प्रस्तुत करलयं। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. श्यामलेश कुमार करलयं। ई अवसर में डॉ. सुधीर कुमार सिन्हा, डॉ. मोहम्मद रेहान, डॉ. आदित्य कुमार, प्रो. आकांक्षा तिग्गा, डॉ. अलीसा समद एवं प्रो. अजय प्रमाणिक संगे कई सिछक आउर बिद्यार्थी पहुंचल रहयं।

बिरसा भगवान

डॉ लक्ष्मीकांत नारायण
बड़ाईक, (तपकरा)

धईन है उलिहातु गाँव
जहाँ बिरसा के पड़ल पांव
बनी गेलंय रे
हामर मन के दुलार भाई
बनी गेलंय रे
हामर बिरसा भगवान भाई
बनी गेलंय रे।। ध्रु।।

चलल धरि के कमान
टुटे फिरंगी के गुमान
करी देलंय रे
जइसे केहरि दुई फार भाई
करी देलंय रे
हामर बिरसा भगवान भाई
करी देलंय रे।। 1।।

प्रबल फिरंगी के गोली
लहू से खेललंय होली
सींची देलंय रे
हांसी लहू कर नार भाई
सींची देलंय रे
हामर बिरसा भगवान भाई
सींची देलंय रे।। 2।।

कठिन निर्मम जेल
सहंय ना विषक झेल
चली गेलंय रे
करी दुनिया अंधार भाई
चली गेलंय रे
हामर बिरसा भगवान भाई
चली देलंय रे ।। 3।।

विकल *नारायण* कहे
जन में यशगीत भरे
बनी गेलंय रे
हामर देश के उजार भाई
बनी गेलंय रे
हामर बिरसा भगवान भाई
बनी गेलंय रे।। 4।।

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर :** शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड :** कुमार राजेश। **फोन नंबर :** 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी :** jharkhandwanitaudyog@gmail.com